CMYK

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 20°C
न्यूनतम: 06°C

हल्द्वानी, शुक्रवार 23 जनवरी 2026 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 23 अंक 149 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com माघ शुक्ल पक्ष 4 विक्रमी सम्वत् 2082 3 शाबान 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

संतों का अपमान हुआ, तो सपा साथ खड़ी रहेगी: अखिलेश पेज 2

भारत में टी-20 विश्वकप नहीं खेलेगा बांग्लादेश खेल टाइम्स

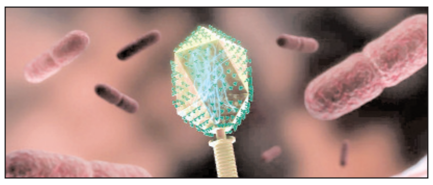

अंतरिक्ष में वायरस में होने वाले परिवर्तन महत्वपूर्ण अध्ययन का विषय सम्पादकीय

ट्रम्प का यू-टर्न, यूरोपीय देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ नहीं लगाएंगे पेज 12

योगी ने राज्यमंत्री बृजेश सिंह के दिवंगत पिता को दी श्रद्धांजलि

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ सीएम ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की

देवबंद। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को जनपद में राज्य मंत्री लोक निर्माण विभाग बृजेश सिंह के पैतृक आवास जड़ौदा जट्ट, देवबंद पहुंचकर उनके दिवंगत पिता स्व. डा. राजकुमार रावत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

श्री योगी गांव जड़ौदा जट्ट में करीब 3.30 बजे पहुंचे एवं 3.40 बजे कुंवर बृजेश सिंह के आवास पहुंचे। मुख्यमंत्री शाम 4.05 पर सरसावा एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान होकर मेरठ के लिए रवाना हो गए। मुख्यमंत्री श्री योगी ने दिवंगत आत्मा की शान्ति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की।

चुनाव आयोग ने पेश किया अपना डिजिटल मंच ईसीआईनेट

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ प्रौद्योगिकी को दूसरे निकायों को और दूसरे देशों के साथ साझा करने का प्रस्ताव किया

■ इसे कानून की कसौटी पर परख कर विकसित किया गया है और यह 22 अनुसूचित भाषाओं और अंग्रेजी में उपलब्ध : ज्ञानेश कुमार

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने यहां लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन पर भारत के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईआईसीडीईएम-2026) में चुनाव से संबंधित सभी जानकारी और सेवाओं के लिए भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म ईसीआईनेट का उद्घाटन किया और इसकी प्रौद्योगिकी को दूसरे देशों के साथ साझा करने का प्रस्ताव किया।

तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन भारत मंडपम में चल रहा है। ईसीआईनेट की परिकल्पना ज्ञानेश कुमार ने अपने साथी चुनाव आयुक्तों डा. सुखबीर सिंह संधू और डा. विवेक जोशी के साथ मिलकर की है। आयोग ने इसके विकास की घोषणा मई 2025 में की थी। श्री कुमार ने विश्व भर में इसे चुनाव प्रबंधन से जुड़ी संस्थाओं और संगठनों के समक्ष ईसीआईनेट को प्रस्तुत करते हुए कहा कि इसे कानून की कसौटी पर परख कर विकसित किया गया है और यह 22 अनुसूचित भाषाओं और अंग्रेजी में उपलब्ध है। उन्होंने इसकी प्रौद्योगिकी को दुनिया के दूसरे देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों (ईएमपी) को अपने देशों के लिए, अपने कानूनों के अनुसार और अपनी-अपनी भाषाओं में, इसी तरह के डिजिटल प्लेटफॉर्म के विकास पर भारत के साथ सहयोग करने की पेशकश की। इस अवसर पर डा. संधू ने कहा कि ईसीआईनेट चुनाव प्रबंधन में विश्वास बढ़ाने वाला एक प्रतिष्ठित उपकरण है, क्योंकि यह अधिक पारदर्शिता लाता है और सभी कार्यों की निगरानी में मदद करता है और त्वरित निर्णय लेने तथा जानकारी के प्रसार की सुविधा प्रदान करता है।चुनाव आयुक्त डा.जोशी ने कहा कि यह सम्मेलन भारत के चुनाव आयोग जैसे दूसरे देशों के चुनाव निकायों को प्रौद्योगिकी और डिजिटल नवाचारों को अपनाने पर वैश्विक प्रथाओं से सीखने और प्रेरणा लेने का अवसर देगा। इन प्लेटफॉर्म के बारे में जानकारी देते हुए आयोग की महानिदेशक (सूचना प्रौद्योगिकी) डा. सीमा खन्ना ने कहा कि साइबर सुरक्षा इसके प्रमुख स्तंभों में से एक है। उन्होंने कहा कि आज तकनीक का प्रयोग रणनीतिक आवश्यकता बन गई है।

संक्षिप्त समाचार

जनकपुरी और विकासपुरी मामले में सज्जन कुमार बरी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान राजधानी के जनकपुरी और विकासपुरी इलाकों में हिंसा भड़काने के आरोपी पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को गुरुवार को बरी कर दिया। विशेष न्यायाधीश दिग विनय सिंह ने संक्षिप्त मौखिक आदेश सुनाते हुए सज्जन कुमार को बरी किया। उन्होंने कहा कि मामले का विस्तृत आदेश बाद में जारी किया जाएगा। यह मामला दंगों के दौरान हुई हिंसा की शिकायतों पर फरवरी 2015 में विशेष जांच दल (एसआईटी) की दर्ज की गई दो प्राथमिकियों से संबंधित था। अगस्त 2023 में निचली अदालत ने सज्जन कुमार के खिलाफ दंगा भड़काने और शत्रुता को बढ़ावा देने के आरोपों में आरोप तय किए थे, जबकि हत्या और आपराधिक साजिश के आरोपों को हटा दिया गया था।

मुंबई समेत 15 नगर निगम में महिला महापौर होंगी

मुंबई। महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों में से मुंबई समेत 15 में महिलाएं मेयर होंगी। गुरुवार को मुंबई में लॉटरी सिस्टम से इन्हें चुना गया। परभणी नगर निगम पर महिला महापौर को लेकर आपत्ति दर्ज की गई है। लॉटरी सिस्टम पर शिवसेना (यूबीटी) नेता और मुंबई की पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर ने विरोध किया। उन्होंने दावा किया कि यह फैसला लेने के नियम बिना किसी को बताए बदल दिए गए। पिछले दो मेयर सामान्य वर्ग के थे, इसलिए नई मेयर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) या अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग से होनी चाहिए थी।

यूपी व हरियाणा के 21 जिलों में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। देश के पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी के बाद अब बारिश-ओलावृष्टि का दौर शुरू होने की चेतावनी है। शुक्रवार से राजस्थान, हिमाचल और पंजाब-हरियाणा में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हो रहा है। यूपी के 15, राजस्थान और हरियाणा के 6-6 जिलों में बारिश हो सकती है। इस दौरान 60 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। कुछ जगहों पर ओले गिरने की चेतावनी भी जारी की गई है। हिमाचल प्रदेश के चंबा, कुल्लू और लाहौल-स्पीति में गुरुवार को बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट था। यहां भी 24 जनवरी तक तेज बारिश और ओलावृष्टि की आशंका जताई गई है। उत्तराखंड के 5 जिलों में शुक्रवार को बर्फबारी का अलर्ट है।

पूजा के साथ नमाज भी अदा होगी

विवादित भोजशाला पर सुप्रीम कोर्ट में बनी बात, सीजेआई ने निकाला बीच का रास्ता

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ सुप्रीम कोर्ट ने भोजशाला में शांतिपूर्ण बसंत पंचमी पूजा और जुमे की नमाज का दिया निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के धार जिले में विवादित भोजशाला, कमाल मौला परिसर में बसंत पंचमी पूजा और शुक्रवार की जुमे की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से कराने के लिए विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ गुरुवार को हिंदू पक्षकारों के आवेदन पर सुनवाई कर रही थी। इसमें 23 जनवरी को पूरे दिन बसंत पंचमी की धार्मिक गतिविधियों की अनुमति मांगी गई थी।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से संरक्षित भोजशाला 11वीं सदी का स्मारक है। हिंदू इसे देवी वाग्देवी (सरस्वती) का मंदिर बताते हैं, जबकि मुस्लिम इसे कमाल मौला मस्जिद मानते हैं। वर्ष 2003 की व्यवस्था के तहत हिंदुओं को मंगलवार को पूजा करने की अनुमति है, जबकि मुसलमान शुक्रवार को नमाज अदा करते हैं। याचिकाकर्ताओं की ओर से उपस्थित अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा कि बसंत पंचमी की पूजा और हवन सूर्योदय से सूर्यास्त तक किए जाने का प्रस्ताव है। वहीं मस्जिद समिति का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद ने अदालत को सूचित किया कि जुमे की नमाज एक से तीन बजे के बीच होती है। इसके बाद मुस्लिम समुदाय के सदस्य परिसर खाली कर देंगे। वहीं अपर महाधिवक्ता (एएसजी) के एम नटराज और मध्य प्रदेश के महाधिवक्ता (एसजी) ने अदालत को आश्वासन दिया कि कानून-व्यवस्था बनाई रखी जाएगी। जब श्री जैन ने सुझाव दिया कि बिना बाधा के पूजा जारी रखने के लिए नमाज 5 बजे के बाद हो तो श्री खुर्शीद ने कहा कि जुमे की नमाज का खास वक्त होता है, इसलिए 5 बजे के बाद ऐसा करने में कठिनाई आएगी और इसे पुनर्निर्धारित नहीं किया जा सकता। एएसजी ने इसके बाद सुझाव दिया कि मस्जिद समिति नमाज में उपस्थित लोगों की अपेक्षित संख्या जिला प्रशासन को उपलब्ध कराए, जिससे प्रशासन अलग से एक स्थान बना सके और यदि आवश्यक हो तो पास जारी कर सके। श्री खुर्शीद ने उसी दिन विवरण प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की। समझौते को रिकॉर्ड करते हुए पीठ ने निर्देश दिया कि दोपहर 1 से 3 बजे के बीच उसी परिसर के भीतर नमाज के लिए एक विशेष और अलग क्षेत्र उपलब्ध कराया जाए, जिसमें अलग प्रवेश और निकास हो। हिंदू समुदाय के लिए भी बसंत पंचमी की रस्में अदा करने के लिए अलग स्थान चिह्नित करने का निर्देश दिया गया। न्यायालय ने आगे निर्देश दिया कि प्रशासन उचित उपाय करे। इसमें पास जारी करना भी शामिल है, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो।

एसआईआर प्रक्रिया पारदर्शी हो: सुप्रीम कोर्ट

कोर्ट बोला: चुनाव आयोग मनमानी नहीं कर सकता

ईसी ने कहा: हमें गाली देकर चुनाव जीतना फैशन बना

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा कि यह प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी होनी चाहिए। चुनाव आयोग मनमानी नहीं कर सकता। कोर्ट ने सवाल किया कि क्या एसआईआर नियमों से हटकर हो सकती है। इस पर चुनाव आयोग की तरफ से दलील दे रहे एडवोकेट राकेश द्विवेदी ने कहा कि वोटर लिस्ट की जांच करना न्यायसंगत और सही है। कोर्ट को इस प्रक्रिया के खिलाफ दायर याचिकाओं को खारिज कर देना चाहिए। द्विवेदी ने आगे कहा कि कुछ एनजीओ और नेताओं के कहने पर हर मामले की जांच नहीं हो सकती। बिहार में जिन 66 लाख लोगों के नाम हटे हैं, उनमें से किसी ने कोर्ट में शिकायत नहीं की। आजकल ईसी को गाली देकर चुनाव जीतना फैशन बन गया है।

भारत की बेटियां हर क्षेत्र में बना रही हैं नए रिकॉर्ड: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि आज भारत की बेटियां हर क्षेत्र में नए रिकॉर्ड बना रही हैं और राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने गुरुवार को बताया कि श्री मोदी ने कहा कि जिस देश में पुत्रियों को लक्ष्मी के समान पूजा जाता है, वहां आज से 11 वर्ष पहले इसी दिन 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान आरंभ किया गया था।

उन्होंने कहा कि यह अत्यंत गर्व की बात है कि आज भारत की बेटियां हर क्षेत्र में नए रिकॉर्ड बना रही हैं और राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने बेटियों के महत्व पर आधारित शाश्वत भारतीय मूल्यों को प्रतिबिंबित करते हुए कहा कि एक पुत्री दस पुत्रों के समान है और दस पुत्रों से प्राप्त पुण्य या सद्गुण एक पुत्री से भी प्राप्त किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा कि कन्या को लक्ष्मी मानने वाले हमारे देश में 11 साल पहले आज ही के दिन बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत हुई थी। यह बड़े गर्व की बात है कि आज भारत की बेटियां हर क्षेत्र में नित-नए रिकॉर्ड बना रही हैं। उल्लेखनीय है कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की शुरुआत 22 जनवरी 2015 को हुई थी। इसका मुख्य उद्देश्य लड़कियों के अस्तित्व, शिक्षा और सुरक्षा को सुनिश्चित करना और लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है।

भारत ने क्रोएशिया में उसके दूतावास पर तोड़फोड़ की निंदा की

नई दिल्ली। भारत ने क्रोएशिया के जाग्रेब में उसके दूतावास में घुसपैठ और तोड़फोड़ की घटना की कड़ी निंदा की है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दूतावास पर तोड़फोड़ की घटना के बाद गुरुवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि भारत ने इस विषय को क्रोएशियाई अधिकारियों के समक्ष मजबूती से उठाया है और भारतीय दूतावास की वियना संधि के तहत सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए उन्होंने कहा कि हम क्रोएशिया के जाग्रेब स्थित हमारे दूतावास में भारत-विरोधी तत्वों द्वारा की गई अवैध घुसपैठ और तोड़फोड़ की घटना की कड़ी निंदा करते हैं।

डोडा में सेना की गाड़ी गहरी खाई में गिरी, 10 जवानों की मौत

■ 11 को एयरलिफ्ट कर उधमपुर मिलिट्री हॉस्पिटल भेजा गया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में गुरुवार को सेना की गाड़ी 400 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 10 जवानों की मौत हो गई, जबकि 11 को एयरलिफ्ट कर उधमपुर मिलिट्री हॉस्पिटल भेजा गया है। सेना के अधिकारी ने बताया कि गाड़ी में 21 जवान सवार थे। सभी डोडा से ऊपरी पोस्ट पर जा रहे थे।

भद्रवाह-चंबा इंटरस्टेट रोड पर खन्नी टॉप के पास ड्राइवर ने गाड़ी से कंट्रोल खो दिया। इस हादसे में जान गंवाने वाले जवानों के बारे में सेना ने अब तक जानकारी नहीं दी है। घायल जवानों को हेलीकॉप्टर से हादसे वाली जगह से एयरलिफ्ट करके उधमपुर के मिलिट्री अस्पताल ले जाया गया। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि इस हादसे से दुखी हूं। इस घड़ी में पूरा देश शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता और समर्थन में खड़ा है। घायल सैनिकों को एयरलिफ्ट करके अस्पताल पहुंचाया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों को बेहतरीन इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के डोडा में हुए सड़क हादसे से मन अत्यंत व्यथित है। इस हादसे में हमने अपने जिन वीर जवानों को खोया है, उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दुखी परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। घायल सैनिकों को मेडिकल केयर मिल रही है और सबसे अच्छा इलाज पक्का करने के लिए सभी जरूरी निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जान गंवाने वाले सैनिकों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। अब्दुल्ला ने त्वरित बचाव और निकासी प्रयासों की भी सराहना की। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि सेना का वाहन गहरी खाई में गिरने की वजह से कई जवानों की शहादत का समाचार अत्यंत दुखद है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें। राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि डोडा से आई दुखद खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। मेरी गहरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायलों के जल्द ठीक होने के लिए प्रार्थना करती हूं।

नई दिल्ली: कांग्रेस द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे।

मोदी को पीछे हटाने का मौका है मनरेगा को बचाने की लड़ाई: राहुल

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ कहा: भाजपा चाहती है देश में लोकतंत्र, संविधान और 'एक व्यक्ति एक वोट' की अवधारणा खत्म हो

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को खत्म करने के खिलाफ शुरू हुई लड़ाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके मंसूबों में कामयाब नहीं होने देने और मनरेगा की बहाली के लिए सबको एकजुट होना पड़ेगा।

श्री गांधी ने रचनात्मक कांग्रेस के प्रमुख संदीप दीक्षित द्वारा मनरेगा बचाओ मोर्चा के कार्यकर्ताओं के गुरुवार को यहां आयोजित राष्ट्रीय संवाद को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा चाहती है कि देश में लोकतंत्र, संविधान और 'एक व्यक्ति एक वोट' की अवधारणा खत्म हो और आजादी से पहले वाला हिंदुस्तान फिर से वापस लाया जाए। इसी सोच का परिणाम है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों को मनरेगा के तहत मिले अधिकार को खत्म करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मनरेगा ने गरीबों को रोजगार की गारंटी और सम्मान से जीने का अधिकार दिया था। मनरेगा के पीछे की सोच थी कि जिसे भी काम की जरूरत हो, वो सम्मान के साथ वह अधिकार के साथ काम मांग सके और अधिकार के साथ उसे काम मिले। मनरेगा को पंचायती राज के तहत चलाया जाता था और यह लोगों की आवाज और उनका अधिकार था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसे खत्म करने में लगे हैं, लेकिन कांग्रेस इसके लिए लड़ रही है और सरकार को मनरेगा की बहाली के लिए मजबूर करेगी। उनका कहना था कि इससे पहले मोदी सरकार किसानों के खिलाफ काले कानून लेकर आई थी, जिसे किसानों ने रोक दिया, जो अन्याय किसानों के साथ किया गया था, वही अब मजदूरों के साथ किया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि कुछ साल पहले भाजपा सरकार 'तीन काले कृषि कानून' लेकर आई और इसके जरिये उसने किसानों पर आक्रमण किया, लेकिन किसानों और हम सबने श्री मोदी पर दबाव डालकर उसे रोक दिया। अब उसी तरह का हमला मजदूरों पर करने की कोशिश हो रही है और अब केंद्र सरकार निर्णय लेगी कि किस राज्य को कितना पैसा भेजा जाएगा। भाजपा शासित राज्य में ज्यादा पैसा जाएगा और विपक्ष शासित राज्य में कम पैसा जाएगा। केंद्र सरकार ही तय करेगी कि कब कहां काम होगा, किसको कितनी मजदूरी मिलेगी, जो अधिकार मजदूरों को मिलते थे, अब वह ठेकेदारों को मिलेंगे। भाजपा की विचारधारा है कि देश की धन, संपत्ति चुने हुए हाथों में हो और वही लोग इस देश को चलाएं। भाजपा चाहती है कि देश का पूरा धन अमीरों के हाथ में चला जाए, ताकि गरीब, दलित और आदिवासी लोग उनपर निर्भर हो जाएं और उनकी बात मानें।

झारखंड में एक करोड़ के इनामी अनल समेत 15 नक्सली ढेर

■ सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़

रांची। नक्सल विरोधी अभियान के तहत गुरुवार को चाईबासा जिले के सारंडा जंगल क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सली संगठन के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। यह मुठभेड़ छोटानागरा थाना क्षेत्र के घने और दुर्गम जंगलों में तब हुई, जब नक्सलियों की मौजूदगी की गुप्त सूचना के आधार पर सुरक्षाबलों ने संयुक्त अभियान शुरू किया था।

मुठभेड़ में 1 करोड़ रुपये के इनामी नक्सली अनल सहित 9 से 14 अन्य साथी नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को सारंडा के जंगलों में नक्सलियों की गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसके बाद कोबरा बटालियन, झारखंड जगुआर और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

सीएम के नेतृत्व में उत्तराखंड में रेल अवसंरचना को मिली नई गति

डीआरएम, मुरादाबाद विनीता श्रीवास्तव ने की मुलाकात, पूर्ण व प्रगतिरत परियोजनाओं की समीक्षा

■ रुड़की-देवबंद रेल लाइन कमीशन, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना 94 फीसदी पूर्ण

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास में डीआरएम, मुरादाबाद विनीता श्रीवास्तव ने शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर राज्य में रेल अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण, पूर्ण एवं प्रगतिरत रेल परियोजनाओं तथा भविष्य की आवश्यकताओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

भेंट के दौरान डीआरएम, मुरादाबाद विनीता श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि उत्तराखंड राज्य में कई महत्वपूर्ण रेल परियोजनाएँ सफलतापूर्वक पूर्ण की जा चुकी हैं। उन्होंने बताया कि रुड़की से देवबंद को जोड़ने वाली नई रेलवे लाइन परियोजना (27.45 किलोमीटर) का कमीशनिंग कर दिया गया है, जिसके अंतर्गत बनहेड़ा खास एवं झबरेड़ा में नए रेलवे स्टेशनों का निर्माण किया गया है। इसके अतिरिक्त राज्य के प्रमुख रेल मार्गों पर गति वृद्धि से संबंधित कार्य भी पूर्ण किए गए हैं, जिनमें लक्सरख्रहरिद्वार रेल खंड को 110 किलोमीटर प्रति घंटा तक उन्नत किया गया है, जबकि सहारनपुरख्रहरिद्वार खंड को 110 किलोमीटर प्रति घंटा करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि 130 किलोमीटर प्रति घंटा गति लक्ष्य के लिए डीपीआर स्वीकृत की जा चुकी है तथा दीर्घकालिक रूप से 160 किलोमीटर प्रति घंटा गति के लिए मार्गों की पहचान की गई है। उन्होंने आगे बताया कि उत्तराखंड खंड में लक्सर, लंढौराख्रधनौरा, रुड़की, चोड़ीआला एवं ऐथल सहित कई स्थानों पर आरओबी, आरयूबी एवं एलएचएस से संबंधित कार्य पूर्ण किए गए हैं, जिससे रेलवे क्रॉसिंग पर सुरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और व्यस्त स्थानों पर यातायात जाम की समस्या में कमी आई है। डीआरएम विनीता श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री को यह भी बताया कि राज्य में कई महत्वपूर्ण रेल परियोजनाएँ वर्तमान में प्रगति पर हैं। उन्होंने अवगत कराया कि हर्रावाला, रुड़की एवं कोटद्वार रेलवे स्टेशनों पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकास कार्य किया जा रहा है, जिसमें नए स्टेशन भवनों का निर्माण, एसी प्रतीक्षालय, फूड कोर्ट, दिव्यांगजन एवं पैदल यात्रियों के अनुकूल डिजाइन, प्लेटफार्म ऊंचाई का मानकीकरण, प्लेटफार्म शेड, नए एवं चौड़े फुट ओवर ब्रिज तथा सर्कुलेटिंग एवं पार्किंग क्षेत्र का विकास शामिल है। उन्होंने यह भी बताया कि हरिद्वार एवं देहरादून रेलवे स्टेशनों के लिए क्षमता वृद्धि के साथ व्यापक पुनर्विकास प्रस्तावित है, जिसमें विश्वस्तरीय यात्री सुविधाएँ, आइकॉनिक टर्मिनल डिजाइन, आगमन एवं प्रस्थान का पृथक्करण तथा बेहतर बाह्य यातायात व्यवस्था विकसित की जाएगी। इसके साथ ही योग नगरी ऋषिकेश से कर्णप्रयाग को जोड़ने वाली नई रेलवे लाइन परियोजना निर्माणाधीन है, जिसकी कुल लंबाई 125.20 किलोमीटर है। इस परियोजना में मार्ग में 12 स्टेशन, 35 पुल एवं 17 सुरंगें शामिल हैं तथा प्रमुख सुरंगों का कार्य लगभग 94 प्रतिशत तक पूर्ण किया जा चुका है। डीआरएम ने यह भी जानकारी दी कि राज्य में नए माल टर्मिनलों के निर्माण की दिशा में कार्य किया जा रहा है, जिसमें पत्री (पीआरआई) में एकीकृत माल टर्मिनल सुविधा का विकास तथा पत्री एवं ज्वालापुर (जेडबलयूपी) स्टेशनों को एलएमवी लोडिंग के लिए उन्नत किया जा रहा है। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने इकबालपुर आरओबी, जिसमें पीडब्ल्यूडी के पास अप्रोच भूमि लंबित है, धनौरा आरओबी, जिसमें रक्षा भूमि से संबंधित प्रकरण लंबित है, तथा लक्सर एलएचएस, जिसे उच्च जलस्तर के कारण संशोधित किया गया है और जहाँ दोपहिया वाहनों के अनुकूल एफओबी प्रस्तावित है, जैसे कार्यों पर राज्य एवं रेलवे के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर शीघ्र समाधान के निर्देश दिए।

हर्रावाला में 24-कोच हैंडलिंग सुविधाओं का विकास

मुख्यमंत्री ने हरिद्वार-देहरादून रेल खंड की क्षमता वृद्धि योजना की समीक्षा करते हुए बताया कि हर्रावाला में 24-कोच हैंडलिंग सुविधाओं का विकास किया जा रहा है, जिसमें लूप लाइन विस्तार एवं गति वृद्धि के लक्ष्य शामिल हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इस परियोजना के अंतर्गत वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सहयोग से वन्यजीव न्यूनीकरण योजना तैयार की जा रही है।

टनकपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए जरूरी कार्यवाही की जाए: सीएम

मुख्यमंत्री धामी ने निर्देश दिए कि टनकपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाए तथा आगामी अर्द्धकुंभ के दृष्टिगत रेल एवं यात्री सुविधाओं से संबंधित सभी तैयारियाँ समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जाएँ, ताकि श्रद्धालुओं एवं यात्रियों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा सके।

दुष्प्रचार और षड्यंत्र में कांग्रेस को महारत : चौहान

■ जनता कांग्रेस के चरित्र से वाकिफ

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस को दुष्प्रचार और धड्यंत्र मे महारत हासिल है और किच्छा विधायक के पुत्र का प्रकरण आँख खोलने वाला है। कांग्रेस को दुष्प्रचार के लिए प्रदेश की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

चौहान ने कहा कि कांग्रेस अब तक हर मामले मे कानून व्यवस्था का हौव्वा खड़ा कर दुष्प्रचार करती रही है और इस घटना से यह साबित भी हो गया है। अब तक पुलिस को कटघरे मे खड़ा कर कानून व्यवस्था पर प्रदेश में नकारात्मक छवि परोस रही कांग्रेस को प्रदेश की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

चौहान ने कहा कि अंकिता हत्याकांड में जांच को लेकर तमाम दावे कर रही कांग्रेस यह कहती रही कि आरोपी आसानी से छूट जायेंगे, लेकिन ठोस तथ्य और कड़ी पैरवी के बदौलत आरोपी आजीवन कारावास भुगत रहे हैं और जब से जेल गए तब से बेल नही ले पाए। हालांकि जन भावनाओं को देखते हुए सीएम पुष्कर सिंह धामी ने सीबीआई जांच की संस्तुति की है, लेकिन मुद्दा हाथ से निकलते देख कांग्रेस फिर भ्रम और दुष्प्रचार के लिए जुट गयी है। उन्होंने कहा कि जनता सब जानती है और देख रही है। उन्होंने कहा कि काशीपुर में सुखवंत आत्महत्या मे भी पुलिस हर तरह से जांच कर रही है। कानून व्यवस्था में जीरो टॉलरेंस को भर्ती घोटाले में सब देख चुके हैं। कांग्रेस सरकार के सरंक्षण में रहे खनन और शराब माफियाओं के दिन लद गए हैं। राज्य को खनन में अब पुरस्कार मिल रहा है और कई गुना राजस्व मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को जांच एजेंसियों के मनोबल तोड़ने की नीति से बाज आना चाहिए। अब थाने चौकी से लेकर मुख्यमंत्री तक जनता की सीधी सुनवाई होती है।

AI सहायता के साथ 23 भाषाओं में उपलब्ध हैं UCC सेवाएं

■ एक साल में उत्तराखंड समान नागरिक संहिता बनी तकनीकी उत्कृटता का मॉडल'

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। उत्तराखंड समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की सेवाएं, अंग्रेजी के अलावा भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी 22 भाषाओं में उपलब्ध है। साथ ही आवेदक एआई की सहायता से भी यूसीसी की प्रक्रिया को समझने के साथ ही अपना पंजीकरण करवा सकता है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने समान नागरिक संहिता लागू करने से पहले ही अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि, यूसीसी के तहत विभिन्न सेवाओं के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया को बेहद सरल रखा जाए। इसी क्रम में आईटीडीए ने यूसीसी की वेबसाइट को आठवीं अनुसूची में शामिल 22 अनुसूचित भाषाओं ख्र असमिया, बंगाली, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मलयालम, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, तमिल, तेलुगु, उर्दू, सिंधी, बोडो, डोगरी, मैथिली, संथाली और मणिपुरी के साथ अंग्रेजी में तैयार किया है। आवेदक अपनी भाषा के अनुसार पंजीकरण के लिए दस्तावेजों की जानकारी ले सकता है।

मुख्यमंत्री ने नेताजी का किया भावपूर्ण स्मरण

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती की पूर्व संध्या पर उनका भावपूर्ण स्मरण करते हुए कहा कि नेताजी भारत के महान और अग्रणी स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे। उन्होंने अपने अद्वितीय नेतृत्व और साहस के बल पर देश की आजादी के आंदोलन को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजाद हिंद फौज के संस्थापक एवं सेनानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए नेताजी द्वारा किया गया संघर्ष, त्याग और उनका अतुलनीय योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

विश्वविद्यालय छात्रों को डीजी लॉकर पर उपलब्ध करायें सर्टिफिकेट: डॉ. रावत

■ 10 फरवरी तक अनिवार्य रूप से भर्ती विज्ञापन जारी करने के दिये निर्देश

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। सूबे के सभी राजकीय विश्वविद्यालयों के अधिकारियों को समस्त छात्र-छात्राओं का शत-प्रतिशत शैक्षणिक डाटा डीजी लॉकर पर अपलोड़ करने के निर्देश दे दिये गये हैं। ताकि छात्र-छात्राओं को अपने अंकप्रमाण पत्र एवं उपाधियां ऑनलाइन प्लेटफार्म पर आसानी से उपलब्ध हो सके। इसके अलावा विश्वविद्यालयों में लम्बे समय से रिक्त शैक्षणिक एवं शिक्षणेत्तर पदों पर आगामी 10 फरवरी तक अनिवार्य रूप से भर्ती विज्ञापन जारी करने को कहा गया है। प्रत्येक सेमेस्टर में 90 दिन कक्षाएं संचालित करने एवं नियत समय पर परीक्षा परिणाम घोषित करने के लिये आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये गये हैं।

सूबे के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने गुरुवार को सचिवालय स्थित सभागार में उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली। जिसमें सभी उच्च शिक्षा विभाग एवं राजकीय विश्वविद्यालयों के उच्चाधिकारियों ने प्रतिभाग किया। बैठक में डॉ. रावत ने विश्वविद्यालयों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये हैं कि 31 मार्च 2026 तक सभी छात्र-छात्राओं के समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्र आनला. इन प्लेटफार्म डीजी लॉकर पर अनिवार्य रूप से अपलोड़ कर लिये जाय। ताकि छात्र-छात्राओं को अंक प्रमाणपत्र व उपाधियां आसानी से उपलब्ध हो सके। उन्होंने विगत शैक्षणिक सत्रों का लैगेसी डाटा भी समर्थ पोर्टल के सहयोग से डीजी लॉकर पर अपलोड़ करने के निर्देश दिये। जिसकी साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट शासन एवं मंत्रालय को भी उपलब्ध कराने को कहा। राजकीय विश्वविद्यालयों में लम्बे समय से रिक्त शैक्षणिक एवं शिक्षणेत्तर पदों को भरने में हो रही देरी पर नाराजगी जताते हुये विभागीय अधिकारियों को सभी रिक्त पदों के सापेक्ष 10 फरवरी तक भर्ती विज्ञापन जारी करने के निर्देश दिये।

बैठक में सभी राजकीय विश्व. विद्यालयों को विभिन्न क्षेत्रों के उद्योगों से एमओयू कर संबंधित विषयों के छात्र-छात्राओं को अनिवार्य रूप से औद्योगिक प्रशिक्षण करने के निर्देश दिये, जिसकी मासिक प्रगति आख्या भी शासन को उपलब्ध कराने को कहा। छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक विकास के साथ-साथ सर्वांगीण विकास के लिये खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के आयोजन को भी अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिये। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि इस वर्ष अंतर. विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, जिसके आयोजन की जिम्मेदारी पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय को दी है।बैठक में सचिव उच्च शिक्षा डॉ. रंजीत सिन्हा, निदेशक उच्च शिक्षा वी.एन. खाली, संयुक्त निदेशक डॉ. ए.एस. उनियाल, उप सचिव उच्च शिक्षा अजीत सिंह, हरीश सागर, राजकीय विश्वविद्यालयों के कुलसचि. चव खेमराज भट्ट, दिनेश चन्द्रा, डॉ. जे.एस. बिष्ट, दुर्गेश डिमरी, वित्त अधिकारी एवं परीक्षा नियंत्रक सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बारिश न होने से हुए नुकसान का आंकलन कर शीघ्र रिपोर्ट करें पेश: जोशी

■ कृषि मंत्री ने कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों के साथ की विभागीय समीक्षा

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने गुरुवार को अपने शासकीय आवास पर कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने प्रदेश में बारिश न होने से फसलों को हो रहे नुकसान की समीक्षा की।

विभागीय मंत्री जोशी ने प्रदेश में बारिश न होने से फसलों को हो रहे नुकसान के सही आंकड़े न देने पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत देते हुए निर्देश दिए कि जिलेवार सर्वे कर बारिश न होने से हुए नुकसान का आंकलन कर शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसानों से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि सर्वेक्षण व रिपोर्टिंग में कोताही पाई गई तो अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर अपर सचिव आनंद श्रीवास्तव, निदेशक कृषि दिनेश कुमार, संयुक्त निदेशक रतन कुमार, औद्यानिकी परिषद सीईओ नरेंद्र यादव सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सीएम ने प्रदेशवासियों को दी बसंत पंचमी की शुभकामनाएं

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को बसंत पंचमी की बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। बसंत पंचमी की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि बसन्तोत्सव प्रकृति के श्रृंगार एवं नई ऊर्जा का संचार करने वाला पर्व है। यह दिन माता सरस्वती को भी समर्पित है, जो ज्ञान, संगीत और कला की देवी हैं। यह पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखने और समाज में ज्ञान, संगीत और कला को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि बसंत पंचमी का अवसर हमें प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन की भी प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि बसन्तोत्सव का यह पर्व हम सभी के जीवन में नई उमंग, उत्साह और खुशियों का संचार करने वाला होगा।

अविमुक्तेश्वरानन्द के साथ किया गया व्यवहार निन्दनीय: कांग्रेस

■ संत समाज के प्रति सम्मान रखना हमारी नेतिक जिम्मेदारी: गोदियाल

शाह टाइम्स प्रमुख सवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने धर्म नगरी प्रयागराज में ज्योतिर्मठ पीठ के जगतगुरू शंकराचार्य अविमुक्तश्वरा नन्द के साथ किये गये दुर्व्यवहार की कडे शब्दों में निन्दा करते हुए कहा कि शंकराचार्य जैसे पूज्य संत के साथ किया गया दुर्व्यवहार न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक व धार्मिक परंपराओं और सनातनी मूल्यों पर सीधा प्रहार है, जिसकी कठोर शब्दों में निन्दा की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि संत समाज हमेशा से देश को दिशा देने का कार्य करता आया है और उनके प्रति सम्मान रखना प्रत्येक सरकार और समाज की जिम्मेदारी है। गोदियाल ने कहा कि दुख की बात है कि आज उत्तर प्रदेश में सत्ता के संरक्षण में ऐसी घटनाएं हो रही हैं, जो राज्य एवं देश की छवि को कलंकित कर रही हैं। यह भाजपा सरकारों की प्रशासनिक असंवेदनशीलता और अहंकार का परिणाम है कि देश में सनातन धर्म के सर्वोच्च पद पर बैठे पूज्य संतों को भी अपमानित होना पड़ रहा है। कांग्रेस पार्टी सभी धर्मों, संत समाज के सम्मान और सनातन धर्म की गरिमा की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रही है। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस पार्टी शंकराचार्य अभिमुक्तेश्वरानन्द के साथ हुई दुर्व्यवहार की इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करती है।

जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस के निवर्तमान मीडिया प्रभारी राजीव महर्षि ने कहा कि जगतगुरू शंक. राचार्य अभिमुक्तश्वरानन्द के साथ किये गये दुर्व्यवहार के विरोध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की और से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के आह्ववान पर 24 व 25 जनवरी 2026 को प्रदेशभर के सभी विधानसभा क्षेत्रों के मन्दिर प्रांगणों में 2 घंटे का मौन उपवास कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर के कांग्रेसजन सभी विधानसभा क्षेत्रों में 24 व 25 जनवरी को मन्दिर प्रांगणों में 2 घंटे का मौन उपवास रखेंगे।

प्रत्येक सेमेस्टर में 90 दिन कक्षाओं का संचालन करने के निर्देश

देहरादून। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने ने अधिकारियों को एनईपी के अनुरूप प्रत्येक सेमेस्टर में 90 दिन कक्षाओं का संचालन करने तथा समय पर परीक्षा का आयोजन कर परीक्षा परिणाम घोषित करने की कार्ययोजना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। चाहे उसके लिये परीक्षा पैटर्न में परिवर्तन ही क्यों न करना पड़े। उन्होंने विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में शैक्षणिक एवं शिक्षणेत्तर कार्मिकों के लिये बायोमेट्रिक उपस्थिति को भी अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्देश दिये।

विजिलेंस का एक्शन: अमीन 10 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

■ विद्युत विभाग के कई अधिकारी वर्षों से जमे, विजलेंस के रडार पर: सूत्र

■ सड़क निर्माण के दौरान कटान हुई भूमि के मुआवजे के एवज में ली थी रिश्वत

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी। देहरादून से आई विजिलेंस टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रांतीय खंड लोनिवि भटवाडी (उत्तरकाशी) के अमीन टीका राम नौटियालको 100 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

गुरूवार को विजिलेंस टीम ने प्रांतीय खंड लोनिवि भटवाडीः के अमीन टीका राम नौटियाल को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

बता दें कि टीका राम नौटियाल, अमीन, प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग भटवाड़ी कैंप कार्यालय, उत्तरकाशी ने सड़क निर्माण के दौरान कटान हुई भूमि के मुआवजे के एवज में शिकायतकर्ता से 10,000 रुपए की रिश्वत की मांग की थी। शिकायत मिलने पर विजिलेंस ने जाल बिछाया और गुरुवार को आरोपी को रिश्वत की धनराशि लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया।

विजिलेंस की इस कार्रवाई से विभागों में हड़कंप मच गया है। धामी सरकार ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। विजिलेंस द्वारा मामले में आगे की जांच की जा रही है।

गौरतलब है कि भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला बनी उत्तरकाशी जनपद के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ा प्रहार माना जा रहा है।सरकार ने साफ किया है कि राज्य में भ्रष्टाचार को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

विजिलेंस की इस कार्रवाई की सरकार ने प्रशंसा की है और कहा है कि दोषियों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे।

विजिलेंस विभाग ने यह भी बताया कि मामले की गहन जांच चल रही है। जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि कहीं इस तरह की गति. विधियों में अन्य लोग भी शामिल तो नहीं हैं। जरूरत पड़ने पर और गिरफ्तारियां भी की जा सकती हैं।

वहीं लोनिवि भटवाडीः के अमीन के गिरफ्तार होने के बाद उत्तरकाशी में कई भ्रष्ट् अधिकारियों में हड़प्पा मचा हुआ है।

सूत्रों के माने तो विद्युत विभाग समेत कई अधिकारी अधिकारी वर्षों से भ्रष्टाचार के बलबूते पर उत्तरक. ाशी जनपद में डटे हैं। उनके ऊपर उनके आकाओं का भी हाथ माना जा रहा है। इस घटना के बाद भ्रष्टाचारियों पर हड़कंप मचा हुआ है।सूत्रों कीर्ति माने तो विद्युत विभाग और कुछ अन्य अफसर लंबे समय से विजलेंस के रडार पर है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के दिल्ली प्रस्थान से पूर्व उन्हें स्मृति चिन्ह के रूप में गंगाजल का कलश भेंट करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी। इस मौके पर राज्यसभा सांसद व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट भी मौजूद रहे।

भारत पर्व पर प्रदर्शित होगी "आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड" की झांकी

■ सूचना विभाग के संयुक्त निदेशक एवं झांकी के नोडल अधिकारी के. एस. चौहान ने दी जानकारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। रक्षा मंत्रालय की और से राष्ट्रीय रंगशाला शिविर, नई दिल्ली में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान विभिन्न प्रदेशों एवं मंत्रालयों की झांकियों को प्रेस के सामने अपने-अपने राज्यों की समृद्ध सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत की।

इस अवसर पर जानकारी दी गई कि उत्तराखण्ड राज्य की झांकी इस वर्ष "आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड" थीम के अंतर्गत भारत पर्व में प्रदर्शित होगी।

भारत पर्व के आयोजन के दौरान 26 से 31 जनवरी तक दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले में उत्तराखण्ड की विकास यात्रा के दर्शन किए जा सकेंगे। इस वर्ष उत्तराखण्ड की झांकी की थीम "आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड" रखी गई है, जो आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप राज्य की सांस्कृतिक, आर्थिक एवं पारंपरिक आत्मनिर्भरता को दर्शाती है।

सूचना विभाग के संयुक्त निदेशक एवं झांकी के नोडल अधिकारी के.एस. चौहान ने बताया कि "आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड" झांकी के ट्रैक्टर सेक्शन में पारंपरिक वाद्ययंत्रों ढोल और रणसिंघा की आकर्षक तांबे की प्रतिकृतियां हैं, जो उत्तराखण्ड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शिल्पी कारीगरों की कलात्मक महारत का प्रतीक हैं। ट्रेलर सेक्शन के पहले भाग में तांबे के मंजीरे की एक बड़ी मूर्ति दिखायी गई है, जो तांबे की कला की बारीकियों को विस्तार से उजागर करती है। बीच का सेक्शन खूबसूरती से बनाए गए तांबे के बर्तन जैसे गागर, सुरही, कुण्डी को दर्शाया गया है, जो उत्तराखण्ड के पारंपरिक घरेलू जीवन के आवश्यक तत्व हैं। इस सेक्शन के नीचे, साइड पैनल पारंपरिक वाद्ययंत्र भोंकोर के प्रमुख चित्रणों से सजाए गए हैं, जो सांस्कृतिक कहानी को और समृद्ध करते हैं।झांकी के पिछले सेक्शन में तांबे के कारीगर की एक आकर्षक और प्रभावशाली मूर्ति है, जो हाथ से तांबे के बर्तन बनाने की प्रक्रिया में लगा हुआ है। कारीगर के चारों ओर बारीकी से बनाए गए तांबे के बर्तन हैं, जो पीढ़ियों से मिले ज्ञान, कौशल और श्रम की गरिमा का प्रतीक हैं।

शिल्पी समुदाय की कारीगरी को दर्शाती है झांकी: चौहान

देहरादून। सूचना विभाग के संयुक्त निदेशक एवं झांकी के नोडल अधिकारी के.एस. चौहान ने कहा कि उत्तराखण्ड की यह झांकी प्रदेश के शिल्पी समुदाय की कारीगरी, सांस्कृतिक योगदान, आर्थिक आत्मनिर्भरता, आजीविका, कौशल एवं परम्परा को दर्शाती है। चौहान ने आगे बताया कि उत्तराखण्ड की झांकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को उसकी प्राचीन शिल्प कला के माध्यम से प्रभावी रूप से प्रस्तुत करती है, जो आज भी जीवंत रूप में समाज का हिस्सा बनी हुई है। स्थानीय कारीगरों द्वारा पारंपरिक तकनीकों से निर्मित तांबे के बर्तन एवं उपकरण उत्कृष्ट शिल्प कौशल का उदाहरण हैं।

ੴ ਸ੍ਰੀ ਵਾਹਿਗੁਰੂ ਜੀ ਕੀ ਫ਼ਤਹਿ

पंजाब एण्ड सिंध बैंक (भारत सरकार का उपक्रम)

Punjab & Sind Bank (A Govt. of India Undertaking)

Where service is a way of life

ई-नीलामी (केवल ई-नीलामी के माध्यम से बिक्री)

परिसंपत्ति वसूली शाखा; ग्राउंड फ्लोर, सिद्धार्थ एन्क्लेव, आश्रम चौक, नई दिल्ली-110014 ई-मेल: d0707@psb.bank.in फोन 011-26346827, 26349590

परिशिष्ट-IV-A, अचल संपत्ति की बिक्री के लिए बिक्री नोटिस

सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के प्रावधानों के साथ पठित वित्तीय परिसंपत्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल परिसंपत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री नोटिस।

इसके द्वारा आम जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता/गारंटरों को नोटिस दिया जाता है कि सुरक्षित लेनदार के पास गिरवी रखी गई नीचे वर्णित अचल संपत्ति, जिसका कब्जा पंजाब एण्ड सिंध बैंक, सुरक्षित लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा ले लिया गया है, उसे 31.12.2014 तक रु. 7,24,29,193.86 (रुपये सात करोड़ चौबीस लाख उनतीस हजार एक सौ तिरानबे और छियासी पैसे) की वसूली के लिए 07.03.2026 को "जैसा है जहां है", "जैसा है जो है", और "जो कुछ भी है" के आधार पर बेचा जाएगा, साथ ही निम्न उधारकर्ता/गिरवीदार/सह-उधारकर्ता/भागीदार/गारंटरों से सुरक्षित लेनदार को देय भविष्य के ब्याज, लागत, शुल्क और खर्च भी वसूल किए जाएंगे :-

1) **मैसर्स अरुण देव बिल्डर्स लिमिटेड,** कंपनी अधिनियम 1956 के तहत विधिवत पंजीकृत एक लिमिटेड कंपनी, जिसका कार्यालयः-612, होली चौक, देवली, नई दिल्ली-110062 पर है, अपने निदेशकों के माध्यम से।
2) **श्री मनोज भारद्वाज पुत्र श्री आर. आर. शर्मा,** निवासी बी-8, राजू पार्क, खानपुर, नई दिल्ली-110062
3) **श्री रमेश चंद्र शर्मा पुत्र श्री ज्वाला प्रसाद,** निवासी 275, सेक्टर 16/29, फरीदाबाद, हरियाणा।
4) **श्री पवन कुमार शर्मा पुत्र श्री रमेश चंद्र शर्मा** निवासी 275, सेक्टर 16/29, फरीदाबाद, हरियाणा।
5) **श्री प्रवीण भारद्वाज पुत्र श्री राम रतन शर्मा,** निवासी बी-8, राजू पार्क, खानपुर. नई दिल्लीः 110062
6) **श्रीमती नीना भारद्वाज पत्नी श्री मनोज भारद्वाज** निवासी बी-8, राजू पार्क, खानपुर, नई दिल्ली-110062
7) **मैसर्स पारस जैन फूड प्राइवेट लिमिटेड** जिसका पंजीकृत कार्यालय अपने निदेशक श्री मनोज भारद्वाज के माध्यम से है।

संपत्ति का विवरण, आरक्षित मूल्य, बयाना जमा राशि और अन्य विवरण संपत्ति के सामने नीचे दिए गए हैं :

ई-नीलामी तिथि एवं समय : 07-03-2026 को दोप. 12.00 से अप. 02.00 बजे, निरीक्षण की तिथि : 05-03-2026 को प्रातः 10.00 से सायं 05.00 बजे के मध्य।

अचल संपत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य / ईएमडी / बोली वृद्धि राशि	ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि और समय खाता विवरण	दिनांक 21.01.2026 तक कुल बकाया (अन्य सुरक्षित परिसंपत्तियों की बिक्री आय से सभी वसूलियों के समायोजन के बाद)
वह संपूर्ण भाग और पार्सल अचल संपत्ति (औद्योगिक संपत्ति) क्षेत्र माप 32210 वर्ग मीटर, खाता संख्या 5, खसरा संख्या 9 में से, क्षेत्रफल 0.8290 हेक्टेयर और खसरा संख्या 79 में से, क्षेत्र माप 23920 हेक्टेयर, औद्योगिक क्षेत्र में गांव दह्याकी परगना मंगलोर, तहसील-रुड़की, जिला-हरिद्वार, उत्तराखंड में स्थित है। **कब्जा प्रकार : प्रतीकात्मक**	रु. 11,50,00,000/- रु. 1,15,00,000/- रु. 1,00,000/- (प्रत्येक बोली)	06/03/2026 को सायं 5:00 बजे तक ईएमडी खाता संख्या- 06125040050001 लाभार्थी : पंजाब एण्ड सिंध बैंक आईएफएससी- PSIB0000612	रु. 7,48,40,972.40/- (रुपये सात करोड़ अड़तालीस लाख चालीस हजार नौ सौ बहत्तर और चालीस पैसे मात्र) प्लस भविष्य का ब्याज और शुल्क

बिक्री की विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया प्राधिकृत अधिकारी श्री पृथ्वी राज (मोबा. नंबर 8094333353) और प्रोणॉय घोष (मोबा. नंबर 9015285882) से संपर्क करें। विस्तृत जानकारी और बिक्री के नियमों और शर्तों के लिए, कृपया https://baanknet.com/ में दिए गए लिंक को देखें।

दिनॉक : 21-01-2026, स्थान : नई दिल्ली — प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब एण्ड सिंध बैंक

135 दुकानों पर लाल निशान

ट्रांसपोर्ट नगर हाइवे के दोनों ओर वन भूमि अतिक्रमण हटाने की तैयारी

शाह टाइम्स संवाददाता

लालकुआं। तराई केंद्रीय वन प्रभाग के टांडा रेंज के स्टाफ ने यहां ट्रांसपोर्ट नगर स्थित हाईवे के दोनों ओर स्थित 135 प्रतिष्ठानों को हटाने के लिए लाल निशान अंकित किए। इस दौरान वन कर्मियों ने कहा कि यदि अतिक्रमणकारियों ने 31 जनवरी तक अपना अतिक्रमण स्वयं हटाने की कार्रवाई नहीं की तो वन विभाग जिला प्रशासन की मदद से बलपूर्वक उक्त अवैध निर्माण ध्वस्त करेगा। गुरुवार की प्रातः से दोपहर बाद तक ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में हाईवे के दोनों ओर लाल निशान लगाते हुए वन विभाग ने सभी दुकानदारों को जल्दी अतिक्रमण हटाने का मौखिक अल्टीमेटम दिया, उक्त टीम का नेतृत्व कर रहे टांडा रेंज के डिप्टी रेंजर विशन राम आर्य ने बताया कि कुल 135 दुकानों को

हटाने के लिए लाल निशान लगाए गए हैं, तथा समयावधि पूर्ण होने के बाद वन विभाग जिला पुलिस प्रशासन से सहयोग लेकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करेगा। इस दौरान जैसे-जैसे दुकानों में वनकर्मी लाल निशान लगा रहे थे, दुकानदारों की धड़कनें तेज हो गई, तथा मोटर मिस्त्रियों समेत अन्य दुकानदारों में हड़कंप मच गया। इधर तराई केंद्रीय वन प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी यूसी तिवारी ने बताया कि हाईवे के किनारे लंबे समय से अवैध तरीके से बसे अतिक्रमणकारियों को हटाने के लिए वन विभाग द्वारा बेदखली की कार्रवाई की गई थी, जिसके खिलाफ उक्त दुकानदार अपील में गए थे, परंतु अपील में भी उनके दावे निरस्त हो गए, इसके बाद वन विभाग द्वारा उन्हें फाइनल नोटिस देकर तत्काल अतिक्रमण स्वयं हटाने के लिए कहा गया है, यदि अभिलंब उक्त लोगों द्वारा अतिक्रमण स्वयं नहीं हटाया गया तो जिला प्रशासन के सहयोग से उक्त अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया जाएगा। डीएफओ तिवारी ने बताया कि सड़क के किनारे लगे अवैध फड़ एवं खो-खो से यातायात में भी व्यवधान होता है, तथा सड़क पर चलना तथा वाहनों से दुर्घटना का खतरा बना रहता है, इसे लेकर भी प्रशासन गंभीर है।

मामूली विवाद में दराती से किया हमला

महिला गंभीर घायल, आठ टांके आए

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। थाना लमगड़ा क्षेत्र के ग्राम सत्युं में एक मामूली घरेलू विवाद अचानक हिंसक हो गया। विवाद के दौरान एक महिला पर दराती से हमला कर दिया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला के सिर पर गहरी चोटें आई हैं और अस्पताल में उनके आठ टांके लगाए गए हैं। जानकारी के अनुसार, ग्राम सत्युं निवासी राम सिंह पुत्र मोहन सिंह ने थाना लमगड़ा में तहरीर दी है।

बताया कि वह रोजगार के सिलसिले में हरियाणा में रहते हैं, उनकी पत्नी लक्षीमा देवी गांव में अकेली रहती हैं। बीते 19 जनवरी को उनकी बकरी का बच्चा पड़ोस में रहने वाली नंदी देवी पत्नी देब सिंह के खेत में चला गया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। आरोप है कि विवाद के दौरान नंदी देवी ने आपा खोते हुए दराती से लक्षीमा देवी के सिर पर वार कर दिया। हमले में लक्षीमा देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं और परिजनों व ग्रामीणों की मदद से उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सिर पर आठ टांके लगाए। घटना की सूचना मिलते ही राम सिंह हरियाणा से गांव पहुंचे और पत्नी के उपचार के बाद थाना लमगड़ा पहुंचकर प्राथमिकी दर्ज कराई। उन्होंने पुलिस से आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस के अनुसार, तहरीर और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। तथ्यों की पुष्टि के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

एक नजर

लालकुआं नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष राम बाबू मिश्रा का निधन

शाह टाइम्स संवाददाता

लालकुआं। नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष राम बाबू मिश्रा का लम्बी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। वह पिछले कई दिनों से दिल्ली के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती थे। बृहस्पतिवार को वहां उन्होंने अंतिम सांस ली। राम बाबू मिश्रा एक सरल, मिलनसार और जनसेवा को समर्पित व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते थे। नगर पंचायत अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने नगर के विकास, स्वच्छता और जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्य कराए। उनके कार्यकाल को स्थानीय लोग आज भी सम्मान के साथ याद करते हैं। उनके निधन पर जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, व्यापार मंडल एवं आम नागरिकों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। लोग उनके आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं और शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधा रहे हैं।

बार अध्यक्ष हरीश जोशी के भाई का निधन

बागेश्वर। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं गरुड़ बार के अध्यक्ष हरीश जोशी के बड़े भाई बंशीधर जोशी का एम्स दिल्ली में इलाज के दौरान निधन हो गया। 58 वर्षीय स्व. बंशीधर जोशी का शुक्रवार को सरयू-गोमती संगम तट पर अंतिम संस्कार किया जाएगा। वह अपने पीछे पत्नी पुत्र सहित दो पुत्रियों को रोटा बिलखता छोड़ गए। उनके निधन पर केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा विधायक सुरेश गड़िया, पार्वती दास, दर्जा मंत्री शिव सिंह बिष्ट, भूपेश उपाध्याय, पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण, बलवंत सिंह भौर्याल, उम्मेद सिंह माजिला, शेर सिंह गड़िया, कुंदन परिहार, जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या, नगर पालिका अध्यक्ष सुरेश खेतवाल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश ऐंठानी, विक्रम शाही, दीपा आर्य, सुबोध लाल साह, बिनोद भट्ट सहित अन्य ने शोक व्यक्त किया गया।

पाठ्यक्रम की बारीकियों से अवगत कराया

बागेश्वर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बागेश्वर में जनपद के माध्यमिक विद्यालयों के व्यायाम शिक्षकों का सेवारत प्रशिक्षण द्वितीय दिवस जारी रहा। द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र में पतंजलि योगपीठ के राज्य सह प्रभारी केवलानन्द योगी जी ने प्रतिभागियों को योग एवं प्राणायाम की बारीकियों का अभ्यास करवाया। इसके अतरिक्त पारम्परिक खेलों का पुनर्जीवन, खेलों में तकनीकी, कार्यस्थल आचरण नियमावली एवं तनाव प्रवन्धन के सत्रों का संचालन किया गया। एनसीईआरटी, नई दिल्ली के खेल विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अतुल दुबे ने प्रतिभागियों को खेलों के बदलते पाठ्यक्रम की बारीकियों से अवगत कराया।

करंट लगने से बिहार के मज़दूर की मौत

बागेश्वर। घर में पेंट लगा रहे बिहारी मजदूर की करंट लगने से मौत हो गई। मकान मालिक आनन फानन में मजदूर को जिला अस्पताल लाए। यहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिला अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार 33 वर्षीय धामू यादव पुत्र जयलाल नदी गांव सैम मंदिर वार्ड में रमेश पांडे के घर में पेंट कर रहा था। तभी अचानक घर के पर से गुजर रही विद्युत लाइन में उसका ब्रश टच हो गया। करंट की चपेट में आने से मजदूर दूर छिटक कर गिर गया। जिसके बाद मकान मालिक ने पुलिस को घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस एवं मकान मालिक व मजदूर के साथियों के साथ घायल को जिला अस्पताल ले गए। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मृतक के परि. जनों को दे दी है। बताया जा रहा है कि मृतक मूल रूप से मोतिहारी पूर्वी चम्बारम बिहार का रहने वाला है। जो बागेश्वर में पेंटिंग का कार्य करता था। पिछले कुछ दिनों से वह नदी गांव में एक मकान में पेंट लगा रहा था। इधर मृतक के शव पीएम के लिए के लिए मोर्चरी में रखा गया है।

जड़ी-बूटी खेती को बढ़ावा देने के लिए संवाद

बागेश्वर। कपकोट क्षेत्र में जड़ी-बूटी मसाले उत्पादन, विशेषकर कुटकी की खेती को बढ़ावा देने के लिए पंचायत भवन में काश्तकारों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी आकांक्षा कोड़े ने जड़ी-बूटी खेती की अपार संभावनाओं पर जोर दिया और पारंपरिक खेती के साथ औषधीय फसलों के उत्पादन को बढ़ाने की बात की। उन्होंने कहा कि क्लस्टर आधारित खेती से अधिक उत्पादन और आर्थिक लाभ संभव है, जिससे पलायन पर भी रोक लगेगी। कुटकी के साथ इंटर-क्रॉपिंग को बढ़ावा देने की बात करते हुए उन्होंने काश्तकारों के प्रस्तावों को स्वीकृत करने का आश्वासन दिया। मुख्य विकास अधिकारी आरसी तिवारी ने बताया कि किसानों को अब तक चार चरणों में प्रशिक्षण दिया जा चुका है और मिनी बैंक के माध्यम से आवश्यक सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। कार्यक्रम में जड़ी-बूटी उत्पादन कर रहे काश्तकारों ने अपने अनुभव साझा किए। इस दौरान कूट, कुटकी, रोजमेरी, डेंडेलियन और काला जीरा जैसी फसलों का उत्पादन कर रहे किसानों ने अपनी सफलता की कहानी प्रस्तुत की।

खरीदारों की भीड़ देख खिले व्यापारियों के चेहरे

बागेश्वर। उत्तरायणी में मेले में खरीदारों की उमड़ती भीड़ से व्यापारियों के चेहरे खिले। नुमाइश मैदान, भोटिया मार्केट, सरयू बगड़, जिला पंचायत में लगे बाहरी व्यापारियों के दुकानों में प्रति दिन हो रहा लाखों का कारोबार। आधिकारिक रूप से उत्तरायणी मेला विधिवत 20 जनवरी को समापन की घोषणा हो चुकी है। लेकिन व्यापारियों के हितों को देखते हुए जिला प्रशासन ने दो दिन और व्यापारियों के लिएरुड़ आदि लगाने की अनुमति दी थी। इन दो दिनों में व्यापारियों का आधा सामान बिक चुका है। बताया जा रहा है कि जिन व्यापारियों से स्थानीय लोगों से दुकानें किराए पर ली है वे आने वाले 25 जनवरी तक यहां अपना व्यापार करेंगे। हालांकि नुमाइश खेत मैदान को 24 जनवरी तक खाली कर दिया जाएगा।

दिव्यांगों और जरूरतमंदों को कंबल वितरण

शाह टाइम्स संवाददाता

लालकुआं। विकलांग विकास एवं जन कल्याण समिति के तत्वावधान में

आज लाल कुआं नगर के फलाहारी आश्रम में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें समा. जसेवियों ने दिव्यांगों और जरूरतमंदों को कंबल वित. रित किए। इस मौके पर समिति द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए वक्ताओं ने इसे समाज के प्रति एक महत्वपूर्ण कदम बताया। समिति के शहर अध्यक्ष संतोष बाबू कश्यप को इस सराहनीय पहल के लिए शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व सैनिक कुंदन सिंह मेहता, भाजपा नेता संजीव शर्मा, मंडल अध्यक्ष अरुण जोशी, श्री महंत केशवानंद पुरी महाराज, देवाशीष, भगवती प्रसाद त्रिकोटी, प्रदीप सिंह बथ्याल और नरेंद्र सिंह बिष्ट उपस्थित रहे।

एमपी चौक व स्टेडियम तिराहे का होगा सौंदर्यीकरण

नगर निगम सभागार में विभागीय अधिकारियों की बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। महापौर दीपक बाली ने कहा है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जो घोषणा की थी की काशीपुर को काशी की तरह सजाया जाएगा उस पर काम चल रहा है और अगले माह से चौराहों के सौंदर्यीकरण का काम भी शुरू हो जाएगा। शुरू में महाराणा प्रताप चौक और स्टेडियम तिराहे के पास सिंह द्वार क्षेत्र का काम फरवरी माह में शुरू हो जाएगा और इन दोनों के सौंदर्यीकरण पर करीब आठ और दस करोड़ रुपए का खर्च आएगा, जो चौराहे जिस नाम पर होंगे वहां पर उनके सौंदर्यीकरण को देखकर ही नाम के अनुरूप ही अनुभूति होगी। चौराहों के सौंदर्यीकरण को लेकर आज यहां नगर निगम सभागार में सौंदर्यकरण से जुड़े सभी विभागों की एक बैठक हुई जिसमें उधम सिंह नगर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष जय किशन नगर आयुक्त रविंद्र सिंह बिष्ट आर्किटेक्ट मनोज जोशी तथा एनएच, पीडब्लूडी, एआरटीओ, जल निगम एवं जल संस्थान आदि विभागों के अधिकारी शामिल रहे और होने वाले सौंदर्य करण की प्रेजेंटेशन को देखा। सौंदर्यीकरण का कार्य उधम सिंह नगर विकास प्राधिकरण के द्वारा कराया जा रहा है। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष जय किशन ने बताया कि सभी घोषित सात चौराहों का सौंदर्यीकरण होगा जिसमें लगभग 1 वर्ष का समय लग जाएगा और उस पर लगभग 30 करोड़ रुपए का खर्चा आ रहा है। फरवरी माह में सिंह द्वार के पास और मुख्य चौराहे पर जो सौंदर्यीकरण शुरू होने जा रहा है उस पर करीब 8 से 10 करोड़ रुपए तक का खर्च आएगा। यहां जनहित की अनेक सुविधाए भी होगी।

ताकुला ब्लाक के तमाम गांवों में जागरूकता अभियान

अल्मोड़ा। ग्रामीण क्षेत्रों में गुलदार के बढ़ते आतंक के बीच वन विभाग अलर्ट मोड पर है। विभाग की ओर से ताकुला ब्लाक के ग्राम पंचायत झिझाड़, तल्ला किरड़ा, पतनियानैला, भैसोड़ा में जागरूकता अभियान चलाया गया। लोगों से सतर्क रहने की अपील की। झिझाड़ में ट्रैप कैमरे लगाए। मुख्यालय से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में गुलदार का आतंक बढ़ रहा है। जिसके चलते विभाग सतर्क है। वन क्षेत्राधिकारी मोहन राम ने बताया कि अल्मोड़ा के गुलदार प्रभावित क्षेत्रो में रात्रि गस्त की जा रही है। बताया कि गुलदार की आवाजाही की सूचना पर राजस्व पुलिस व भूलेख प्रशिक्षण संस्थान अल्मोड़ा में रात्रि गस्त की गई। वन्य जीव की आवाजाही के लिए लगाए गए ट्रैप कैमरों की भी जांच की गई। बताया कि इन दिनों लोगों को लाउडस्पीकर के माध्यम जागरूक किया जा रहा है।

बालरंग कार्यशाला जारी

अल्मोड़ा। जिला मुख्यालय में शीतकालीन बालरंग कार्यशाला जारी हैं। गुरुवार को कार्यशाला के तहत बच्चों को लोकनृत्य, ड्रामा, पेंटिंग, शगुनआखर, ऐपण एवं कुमाऊंनी भाषा में समूह गान का अभ्यास कराया गया। जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। नगर के जीजीआईसी के सभागार में नव हिमालय लोक कला समिति की ओर से आयोजित कार्यशाला के प्रथम सत्र में गोकुल बिष्ट, प्रतिभा जोशी और संतोष मेहरा ने बच्चों को योगा, मेडिटेशन एवं नृत्य का प्रशिक्षण दिया। जबकि दूसरे सत्र में यशौदा तिवारी ने शगुन आखर और तृतीय सत्र में क्राफ्ट, नाटक आदि का प्रशिक्षण दिया गया। संस्था के अध्यक्ष गोकुल बिष्ट ने बताया कि कार्यशाला का समापन 28 जनवरी को किया जाएगा। कार्यशाला में अनुभव मिश्रा, हर्षित तिवारी, उमाशंकर मैडी, नरेश बिष्ट रहे।

8.30 ग्राम स्मैक के साथ दो गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। कोतवाली कुण्डा पुलिस द्वारा स्मैक तस्करी व अवैध हथियार के मामलों में प्रभावी कार्रवाई करते हुए अलग-अलग कार्यवाहियों में तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर 8.30 ग्राम स्मैक, एक बाइक व अन्य सामान तथा तमंचा-कारतूस बरामद करने में सफलता हासिल की है। कुदईयोवाला मोड़ पर गश्त व संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चैकिंग के दौरान पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे बाइक सवार दो व्यक्तियों को पकड़कर ली गई तलाशी में राहिल के कब्जे से 4.90 ग्राम अवैध स्मैक, जबकि यामीन के कब्जे से 3.40 ग्राम अवैध स्मैक तथा स्मैक परिवहन में प्रयुक्त बिना नंबर प्लेट की बाइक, एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू, 1700 रुपये नगद बरामद किये हैं। पुलिस के मुता. बिक बरामद पदार्थ को डीडी किट से जांच करने पर उसके स्मैक होने की पुष्टि हुई। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्तों के विरुद्ध धारा 8/21/60 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। उधर रात्रि गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने पेट्रोल पम्प के पास ट्रकों के समीप खड़े एक व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ लिया। तलाशी में उसके पास एक अदद नाजायज तमंचा 315 बोर व एक

अदद कारतूस बरामद हुआ। बरामद तमंचा चालू अवस्था में पाया गया। गिरफ्तार अभियुक्त बहादुर सिंह पुत्र भंवर सिंह, निवासी छीना गर्म, ढकिया गुलाबो रोड, काशीपुर बताया गया है, जिसके के विरुद्ध धारा 3/25 आयुध अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस टीम में कोतवाली कुंडा के उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार, कां. धर्मेन्द्र भारती, कुंदन, नवीन शर्मा, मुदस्सर आजम थे।

सरकार की योजनाओं से लाभांवित हुई जनता

शाह टाइम्स संवाददाता

कालाढूंगी। उत्तराखंड सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जनता को सीधा मिले इसलिए सरकार द्वारा हर विधानसभा, तहसील व ब्लॉकों में शिविर लगाए जा रहे हैं। इसी के तहत गुरुवार को कालाढूंगी उपजिलाधिकारी बिपिन पंत के नेतृत्व में राजकीय इंटर कॉलेज कोटाबाग में आयोजित किया गया जिसमे जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार बहुद्देशीय शिविर में एसडीएम विपिन चंद्र पंत ने कोटाबाग की जनता की समस्याएं सुनी, साथ ही पात्र व्यक्तियों को केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित किया गया। शिविर के माध्यम से क्षेत्रीय नागरिकों को राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़े जाने के साथ ही

उनकी समस्याओं की सुनवाई कर त्वरित समाधान भी किया गया। शि. विर में विभिन्न विभागों के द्वारा मौके पर विभागीय स्टाल लगाकर विभागीय योजनाओं व सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया। इस दौरान विभिन्न गांव सबसे ज्यादा शिकायत पत्र जंगली व आवारा पशुओं से फसल को हो रही नुकसान की रोकथाम की मांग पर के आए एसडीएम विपिन चंद्र पंत ने वन विभाग को इस संबंध में विभागों से आए। अधिका. रियों को समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। शिविर में एसडीएम विपिन चंद्र पंत ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे इसी उद्देश्य से शिविरों के माध्यम से प्रशासन उनके द्वार पहुँचा है। शिविर में क्षेत्र में जिसमें 50 शिकायत पत्र पहुंचे यूपीसीएल, जंगली जानवर, राजस्व विभाग, सिंचाई विभाग, कृषि विभाग से संबंधित, शिकायतें पहुंची जिसमें से अधिकतर शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही किया गया। अन्य समस्याओं के निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस दौरान शिविर में उत्तराखंड सरकार में दर्जा राज्य मंत्री शांति मेहरा, सुरेश भट्ट, ब्लॉक प्रमुख कोटाबाग मनीषा जंतवाल, भाजपा नेता विकास भगत, वीडियो शोयता सिंह, कनिष्ठ प्रमुख अपूर्वा बिष्ट, ज्येष्ठ प्रमुख गीत तिवारी, जिला पंचायत सदस्य अर्नब कंबोज, क्षेत्र पंचायत सदस्य दीपा ढौंडियाल, मंडल अध्यक्ष कमलेश पांडे, सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, क्षेत्रीय जनता, विभागों के अधिकारी कर्मचारी आदि मौजूद रहे।

पंतनगर विश्वविद्यालय के 20 छात्र फ्रांस में इंटर्नशिप के लिए चयनित

पंतनगर। पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय के 20 छात्र फ्रांस में एक माह के अंतर्राष्ट्रीय इंटर्नशिप कार्यक्रम के लिए चयनित हुए हैं। यह पहल फ्रांस के कृषि और खाद्य संप्रभुता मंत्रालय और विश्वविद्यालय के बीच हुए सहयोगात्मक समझौते का हिस्सा है। चयनित छात्र 8 मार्च से 3 अप्रैल 2026 तक फ्रांस के विभिन्न संस्थानों में डेफिया कंसोर्टियम के तहत कृषि, खाद्य विज्ञान, खाद्य प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, पशु चिकित्सा, और अन्य विषयों में इंटर्नशिप करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डा.) मनमोहन सिंह चौहान ने छात्रों को बधाई दी और कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से छात्रों की शैक्षणिक और व्यावहारिक दक्षता में वृद्धि होगी।

शिरडी साईं कृपा धाम में वार्षिकोत्सव मनाया

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। शिरडी साईं कृपा धाम में वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। दूसरे दिन नगर में छोलिया नृत्य के साथ साईं बाबा की पालकी यात्रा निकाली गई।

साथ ही विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना भी की गई। गुरुवार को शिरडी साईं कृपा धाम से साईं बाबा की पालिका यात्रा की शुरुआत छोलिया नृत्य के साथ हुई। गाजे बाजे के साथ यात्रा एलआरसाह रोड, माल रोड, कचहरी बाजार, चौक बाजार, बाटा चौक, लाला बाजार, नंदा देवी होते हुए वापस धाम पहुंची। इस बीच मार्ग में आने वाले मंदिरों में भी श्रद्धालु साईं बाबा की पालकी को ले गए और पूजा अर्चना भी की। यात्रा में कुमाऊं का प्रसिद्ध छोलिया नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा। आज धाम में भजन कीर्तन के साथ भंडारे का आयोजन किया जाएगा। यहां पालकी यात्रा में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रवि रौतेला, नगर अध्यक्ष विनीत बिष्ट, पूर्व विधायक कैलाश शर्मा, पूर्व विधायक रघुनाथ सिंह चौहान, भाष्कर साह, महेश बिष्ट, मदन बिष्ट, दीपा बिष्ट, अर्चना कोठारी, किरन पंत, अंजू बिष्ट समेत कई लोग मौजूद रहे।

नंदा राजजात यात्रा को लेकर बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। नंदा देवी मंदिर परिसर में गुरुवार को नन्दा देवी मंदिर समिति की बैठक हुई। बैठक में नंदा राजजात यात्रा को स्थगित करने के निर्णय को कुमाऊं की उपेक्षा बताया। यात्रा को स्थगित करने पर आक्रोश व्यक्त किया। नंदा देवी मंदिर कमेटी की ओर से हुई बैठक में वक्ताओं ने कहा कि नंदा राजजात के संबंध में कुमाऊं नंदा राजजात के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों को राजजात नाटी गढ़वाल के अध्यक्ष कुंवर राकेश पवार एवं महामंत्री भुवन नौटियाल की ओर से बिना कुमाऊं नंदा राजजात समिति को विश्वास में लिए एवं वार्ता किए बिना राजजात यात्रा को स्थगित कर दिया गया। कहा कि 75 वर्ष बाद सन 2000 में मानव संसाधन विकास मंत्री रहे डा. मुरली मनोहर जोशी एवं गढ़वाल पवार वंशज कुंवर बलवंत सिंह के आग्रह पर कुमाऊं ने इसमें

अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। लेकिन कुमाऊं राजजात समिति के अध्यक्ष मनोज वर्मा ने अफसोस व्यक्त कर कहा कि अब बिना कुमाऊं नंदा राजजात समिति को विश्वास में लिए नंदा राजजात 2026 को स्थगित करने के निर्णय तुगलकी फरमान जैसा है। कहा कि शीघ्र ही चंद्रवंशी युवराज नरेंद्र चंद्र राज सिंह के नेतृत्व में मुख्यमंत्री उत्तराखंड सरकार पुष्कर सिंह धामी से नंदा राजजात 2026 के संबंध में वार्ता की जाएगी। इसके अलावा कुमाऊं नंदा राज समिति के सभी अन्य जिलों की एक बैठक नंदा देवी मंदिर समिति अल्मोड़ा की अगुआई में की जाएगी। यहां अध्यक्ष मनोज वर्मा, मनोज सनवाल, अनूप साह, पूर्व विस अध्यक्ष रघुनाथ सिंह चौहान, अमरनाथ सिंह नेगी, हरीश सिंह, अमित साह मोनू, अर्जुन बिष्ट, अभिषेक जोशी, रवि गोयल, गोविंद मेहरा, कुलदीप मेर, नमन बिष्ट आदि मौजूद रहे।

नंदी डूंगर गिरी गोस्वामी स्मृति सेवा फाउंडेशन का शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल जनपद के ओखलकांडा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत तुषराड (क्वैराली) के युवा ग्राम प्रधान कुनाल गोस्वामी ने जनसेवा की दिशा में एक बड़ी पहल की है। उन्होंने अपने दिवंगत माता-पिता की पावन स्मृति में नंदी डूंगर गिरी गोस्वामी स्मृति सेवा फाउंडेशन की स्थापना की है। कुनाल गोस्वामी ने इस पुण्य कार्य का श्रेय ईश्वर को देते हुए कहा कि देवगुरु महाराज की असीम कृपा से ही हम

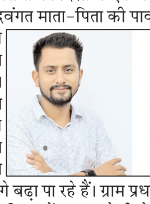

जनसेवा के इन कार्यों को आगे बढ़ा पा रहे हैं। ग्राम प्रधान कुनाल गोस्वामी का कहना है कि उन्हें बचपन से ही सेवा और समर्पण की भावना अपने माता-पिता से विरासत में मिली है। उन्होंने भावुक मन से कहा कि उनके माता-पिता आज शारीरिक रूप से साथ नहीं हैं, लेकिन उनके द्वारा देखे गए ग्रामीण विकास के अधूरे सपनों को पूरा करना ही अब उनके जीवन का मुख्य ध्येय है। इसी अटूट संकल्प के साथ इस फाउंडेशन की नींव रखी गई है। यह फाउंडेशन गांवों के समग्र विकास के लिए कार्य करेगा। इसके अंतर्गत शिक्षा सुधार, स्वास्थ्य सुविधाएं, रोजगार सृजन, युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता जैसे अनेक क्षेत्रों में काम किया जाएगा। कुनाल गोस्वामी ने बताया कि संस्था का लक्ष्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि ज़मीन पर उतरकर गांव के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है। वे चाहते हैं कि पहाड़ का हर गांव शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में मजबूत बने ताकि पलायन रुके और स्थानीय युवाओं को अपने क्षेत्र में ही अवसर मिलें। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे युवाओं से ही गांव और समाज को नई दिशा मिलती है। नंदी डूंगर गिरी गोस्वामी स्मृति सेवा फाउंडेशन आने वाले समय में ग्रामीण विकास का एक मजबूत आधार बनेगा।

जनता भाजपा के कुशासन से त्रस्तः डा. उपाध्याय

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। प्रदेश प्रवक्ता डा. गणेश उपाध्याय ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भाजपा के शासनकाल में प्रदेश में अराजकता का माहौल पैदा हो गया है। उन्होंने भाजपा विधायक अरविंद पांडेय पर आरोप लगाए कि उन पर जमीन कब्जा करने का आरोप लगाया गया है, जो बताता है कि भाजपा विधायकों के अनुशासन और जनप्रिय होने का दावा पूरी तरह झूठा साबित हो चुका है। डा. उपाध्याय ने कहा कि जनता भाजपा के कुशासन से त्रस्त है। गरीबों का शोषण, बेरोजगारों की परेशानियां और किसानों का उत्पीड़न लगातार बढ़ रहा है। इसके साथ ही धन लूट के खुलेआम लाइसेंस दिए जा रहे हैं, जिसका कोई ठोस प्रमाण

सरकार नहीं पेश कर पा रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछले चार वर्षों से पांच कैबिनेट मंत्रियों के पद उत्तराखंड में खाली हैं, जबकि जनता ने भाजपा को दो तिहाई बहुमत दिया था। फिर भी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उन पदों को भरने में असमर्थ हैं। डा. उपाध्याय ने कहा कि भाजपा में आंतरिक लड़ाई लगातार जारी है, जिससे प्रदेश में विकास कार्यों में रुकावटें आ रही हैं। पूरे प्रदेश में भाजपा दो गुटों में बंट चुकी है, और इस आंत. रिक संघर्ष के कारण जनता के काम ठप हो गए हैं। फाइलों में लगने वाली अड़ंगेबाजी के कारण जनता के कार्य रुके पड़े हैं और डबल इंजन का दम भी टूट चुका है। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देने की मांग की।

बालिका इंटर कालेज में जागरूकता कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

हल्दूचौड़। पीएम श्री राजकीय बालि. का इंटर कालेज दौलिया हल्दुचौड़ में गुरुवार को केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गणतंत्र दिवस, पर्यटन दिवस, संविधान दिवस और मतदान दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्या डा. भारती नारायण भट्ट, ग्राम प्रधान दौलिया राधा कैलाश भट्ट, क्षेत्र पंचायत सदस्य सोनी पंत, शिक्षक अभिभावक संघ के अध्यक्ष मंजू बिष्ट और एसएमसी अध्यक्ष रेनू देवी ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही जवाब दिए। प्राची बनोला, जय श्री खोलिया, किरन कांडपाल, योगिता कर्नाटक, मनसा नैनवाल, हिमानी, मीनाक्षी, निर्मला, निर्दोष और प्रियंका ने सही जवाब

देकर पुरस्कार जीते। इसके अलावा, एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें संविधान दिवस, संविधान और एक भारत श्रेष्ठ भारत से संबंधित भाषण बोलकर छात्राओं ने विषय की जानकारी दी। किरण कांडपाल ने प्रथम, मनसा नैनपाल ने द्वितीय और योगिता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ग्राम प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्य ने कार्यक्रम की प्रशंसा की और भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम के आयोजन के लिए केंद्रीय संचार ब्यूरो से अनुरोध किया। इस कार्यक्रम में दीवान सिंह, भूपेंद्र सिंह जड़ौद, डाक्टर दीप जोशी, श्रद्धा गुरु, रानी तिवारी, आनंद सिंह, शोभा चरक, कल्पना जोशी, अभिलाषा कीर्ति, बीना मेहरा, मोनिका आदि लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

वन होंगे तो जल-जीवन सुरक्षित: डीएम

वनाग्नि रोकथाम के लिए डीएम ने जन सहभागिता और अधिकारियों की जिम्मेदारी पर दिया ज़ोर

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। वनों में आग लगना केवल एक घटना नहीं, बल्कि प्रकृति की पीड़ा है, क्योंकि वनाग्नि से एक ओर जहां पर्यावरण प्रदूषण होता है, वही जैव विविधता भी प्रभावित होती है। वनों में आग लगाने जैसी असंवेदनशील और अवैध गतिविधियों को अंजाम देने वाले व्यक्तियों पर सख्त कार्रवाई कर उनपर मुकदमा दर्ज किया जाए।

यह केवल कानून का पालन नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति को बचाने का संकल्प है। यह बात जिलाधिकारी ललित मोहन रायल ने गुरूवार को डीएम कैंप कार्यालय में जिला स्तरीय वनाग्नि सुरक्षा समिति की बैठक के दौरान कहीं। जिलाधिकारी ने वनाग्नि रोकथाम के लिए की जा रही पूर्व

तैयारी की जानकारी लेते हुए इसकी रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि वनाग्नि काल शुरू होने से पहले ही वनाग्नि नियंत्रण के लिए फायर लाइन बनाई जाएं और कंट्रोल बर्निंग के माध्यम से सूखी झाड़ियों एवं आग लगने वाली सामग्री को सुरक्षित रूप से हटाया जाए जिससे आग फैलने की संभावना कम हो। उन्होंने कहा आग की सूचना और राहत व बचाव की कार्यवाही में तेजी लाने के लिए क्रू-स्टेशन स्थापित करते हुए फायर वाचर एवं प्रहरी तैनात किए जाएं। शीघ्र ही सभी फायर वाचरों को आग बुझाने से संबंधित आवश्यक तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाए और उनके बीमा कवरेज की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी निर्देश दिए कि वनाग्नि रोकथाम हेतु किए जा रहे कार्यों की प्रभावी निगरानी की जाए और गतिविधियों की सूचना व्हाट्सअप ग्रुप पर अपडेट की जाएं। साथ ही सूचना तंत्र को मजबूत रखा जाए। डीएम श्री रायल ने निर्देशित करते हुए कहा कि वनाग्नि रोकथाम में जनता की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। इसलिए व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, जिसमें ग्रामीणों, छात्रों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों, वनाग्नि समितियों, समूहों, मंगल दलों ग्रामीणों को जोड़ते हुए बताया जाए कि एक छोटी सी लापरवाही पूरे जंगल को राख बना सकती है। उन्होंने कहा हमारा लक्ष्य केवल आग को बुझाना ही नहीं, बल्कि आग लगने की सोच और लापरवाही को खत्म करना है। वन सुरक्षित होंगे तो जल, जीवन और भविष्य सुरक्षित होगा। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी नैनीताल आकाश गंगवार ने बताया गया कि जनपद में वनाग्नि रोकथाम के लिए 239 क्रू-स्टेशन स्थापित किए गए हैं तथा प्रत्येक क्रू स्टेशन पर 4-4 फायर वाचरों की तैनाती की जाएगी, और सभी को प्रशिक्षण देने के साथ इनका बीमा भी किया जा रहा है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार पांडे, प्रभागीय वनाधिकारी कुंदन कुमार, यूसी तिवारी, पीसी आर्य, आकाश गंगवार, जिला विकास अधिकारी गोपाल गिरी, सहायक परियोजना निदेशक चंद्रा फर्त्याल आदि मौजूद रहे।

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर डीएम सख्त

फीस, किताबें तथा यूनिफॉर्म के लिए कड़े आदेश जारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने जनपद में संचालित निजी विद्यालयों द्वारा फीस निर्धारण, पाठ्य पुस्तकों एवं यूनिफॉर्म के संबंध में विशुद्ध व्यवसायिक व्यवहार अपनाए जाने की शिकायतें प्राप्त होने पर इस संबंध में आदेश जारी करते हुए अवगत कराया कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत शिक्षा एक परोपकारी गतिविधि है इसे लाभ कमाने का साधन नहीं बनाया जा सकता।

उन्होंने कहा माननीय न्यायालयों के स्पष्ट निर्देश है कि विद्यालय किसी एक दुकान अथवा प्रकाशन से पुस्तक या यूनिफार्म खरीदने हेतु बाध्य नहीं कर सकते। उन्होंने कहा ऐसी बाध्यता में अनुचित व्यपार व्यवहार की श्रेणी में आता है। उन्होंने निर्देश जारी करते हुए कहा है कि उत्तराखण्ड शासन में प्रचलित शासनादेशों के प्राविधान, जिनमें निर्देश है कि एनसीईआरटी/एससीईआरटी पुस्तकों को प्राथमिकता दी जाए फीस वृद्धि पारदर्शी औचित्यपूर्ण एवं अभिभावकों से संवाद के उपरान्त ही हो, प्रवेश के समय छात्र-छात्राओं की आयु का ध्यान विशेष रूप से रखा

जाये। शैक्षिक सत्र के प्रारम्भ तिथि 01 अप्रैल को 06 वर्ष आयु पूर्ण कर चुके छात्र-छात्राओं को ही कक्षा-1 में प्रवेश दिया जाए।

जिलाधिकारी ने मुख्य शिक्षाधिकारी को निर्देश दिये है कि जनपद के समस्त निजी संचालित विद्यालयों में फीस निर्धारण एवं वृद्धि में बिनी परामर्श के कोई भी निजी स्कूल बिना किसी ठोस कारण और अभिभावक/विद्यालय प्रबंध समिति (एसएमसी) से परामर्श किए बिना फीस नहीं बढ़ाई जाए। फीस वृद्धि का लिखित औचित्य पिछले वर्षो के रिकॉर्ड के साथ सुरक्षित रखना भी होगा। उन्होने कहा कि यूनिफार्म (ड्रेस) हेतु किसी विशेष दुकान/विक्रेता से यूनिफार्म खरीदने हेतु बाध्य कराना प्रतिबंधित रहेगा। यूनिफार्म का स्वरूप ऐसा होना चाहिए जो सामान्य बाजार में आसानी से मिल सके, अनावश्यक रूप से बार-बार यूनिफॉर्म में परिवर्तन नही किया जाए। उन्होंने कहा कि पाठ्य पुस्तकों में एनसीईआरटी/एससीईआरटी अथवा शासन द्वारा अनुमन्य पाठ्यक्रम की पुस्तकों को प्रथमिकता दी जाये, किसी विशेष प्रकाशन/दुकान से खरीद हेतु प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष दबाव पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा, कापियों में विद्यालय का लोगो नही लगाया जायेगा। पारदर्शिता हेतु प्रत्येक विद्यालय अपने फीस स्ट्रक्चर, यूनिफार्म एवं पुस्तक सूची को विद्यालय परिसर के नोटिस बोर्ड एवं वेबसाइड (यदि उपलब्ध हो) पर प्रदर्शित करेगा। देय शुल्क के अतिरिक्त कोई शुल्क नहीं लिया जायेगा। जिलाधिकारी ने मुख्य शिक्षाधिकारी को निर्देश दिये है कि जनपद के समस्त निजी विद्यालयों का निरीक्षण मुख्य शिक्षाधिकारी/जिला शिक्षाधिकारी द्वारा नामित जांच समिति द्वारा कराया जाये। निरीक्षण रिपोर्ट अभिलेखीय साक्ष्यों सहित उन्हें प्रस्तुत की जाए।

रामपुर रोड पर खड़ी कार में लगी आग

चंद मिनटों में खाक हुई इनोवा गाड़ी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। शहर के रामपुर रोड पर गुरूवार सुबह उस समय

अफरा-तफरी मच गई, जब सड़क किनारे खड़ी एक कार में अचानक आग लग गई। कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और कार धू-धू कर जलते हुए आग के गोले में तब्दील हो गई। गनीमत रही कि घटना के वक्त वाहन में कोई सवार नहीं था। आग देखने के लिए जुटी भीड़ की वजह से रामपुर रोड पर लंबा जाम लग गया। सूचना पर पहुंची दमकल ने आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार कोहली गार्डन निवासी कारोबारी गुरप्रीत सिंह गुरुवार सुबह अपनी इनोवा कार से रामपुर रोड टीपीनगर स्थित एक वैद्य के पास दवा लेने पहुंचे थे। उन्होंने कार सड़क किनारे खड़ी की और वैद्य के पास चले गए। इसी दौरान कार के अगले हिस्से से अचानक धुआं उठने लगा और कुछ ही पलों में आग की लपटें तेज हो गईं। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास मौजूद लोग घबरा गए। राहगीरों ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना के बाद रामपुर रोड पर दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। आग बुझाने और सुरक्षा कारणों से यातायात कुछ समय के लिए रोकना पड़ा। एफएसओ मिंदर पाल सिंह ने बताया कि आग पर समय रहते नियंत्रण पा लिया गया था। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण बैटरी फटना या शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। मामले की जांच की जा रही है।

10 साल का बच्चा घर से भागा, परिजनों के सुपुर्द

हल्द्वानी। परिजनों की पिटाई से क्षुब्ध होकर एक दस साल का बच्चा रुद्रपुर से भागकर हल्द्वानी पहुंच गया। रास्ता भटकने पर वह डर गया और फॉरेस्ट कंपाउंड के पास उत्थान मंच के पास एक पेड़ के नीचे रोते हुए पाया गया। उसका रोता हुआ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसके बाद पुलिस और चाइल्ड हेल्पलाइन मौके पर पहुंची। बच्चे ने पुलिस और चाइल्ड हेल्पलाइन से बताया कि उसके परिजन उसे अक्सर बेवजह पीटते हैं। घर से दूर आने के बाद उसे डर लगने लगा और वह रोते-रोते वहीं रुक गया। घटना की जानकारी उदित नाम के युवक ने पुलिस और चाइल्ड हेल्पलाइन को दी। बच्चे को सुरक्षित ढंग से उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। बच्चों के परिजनों को काउंसलिंग के लिए बुलाया गया है। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि मामला पुलिस के संज्ञान में नहीं है और चाइल्ड हेल्पलाइन ही इसे देख रही है।

बनभूलपुरा क्षेत्र के पांच लोगों के शस्त्र लाईसेंस निरस्त

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बनभूलपुरा थाने क्षेत्र में दर्ज आपराधिक मुकदमों को आधार पर जिला मजिस्ट्रेट ने पांच लोगों के शस्त्र लाइसेंस निरस्त कर दिए है। यह कार्रवाई कानून व्यवस्था और जन सुरक्षा को देखते हुए की गई है। गुरूवार को प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार साजिद नबी पुत्र रहमत नबी निवासी आज़ाद नगर बनभूलपुरा के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत तीन आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इसी प्रकार मो. उस्मान पुत्र इश्तियाक अहमद निवासी लाइन नंबर-18 बनभूलपुरा के खिलाफ भारतीय दंड संहिता एवं लोक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम के तहत तीन मुकदमे पंजीकृत पाए गए हैं। इसके अलावा मो. गुफरान पुत्र मो.

डीएम ने जनसुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था के मद्देनज़र की कार्रवाई

हाजी निवासी लाइन नंबर 6 आज़ाद नगर बनभूलपुरा तथा शाकिर हुसैन पुत्र साबिर हुसैन निवासी लाइन नंबर 10 आज़ाद नगर बनभूलपुरा के विरुद्ध भी भारतीय दंड संहिता एवं लोक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम के अंतर्गत तीन-तीन मुकदमे दर्ज हैं। वहीं मो. जहीर पुत्र खालिद हुसैन निवासी लाइन नंबर 5 बनभूलपुरा के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, लोक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम, क्रिमिनल लॉ अमेंडमेंट एक्ट, विधि विरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम तथा आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज होने की पुष्टि हुई है। इन सभी तथ्यों के आधार पर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा संबंधित व्यक्तियों के शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने के आदेश पारित किए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

रानीबाग कलसिया नाले पर बने वैलीब्रिज की भार क्षमता बढ़ेगी, नया वैलीब्रिज शीघ्र बनेगा

हल्द्वानी। हल्द्वानी-नैनीताल राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित कलसिया नाले में मौजूदा वैलीब्रिज की भार क्षमता बढ़ाई जाएगी, और इसके स्थान पर शीघ्र ही अधिक भार क्षमता वाला नया वैलीब्रिज का निर्माण होगा। इस निर्माण कार्य के दौरान वैकल्पिक मार्ग और यातायात व्यवस्था को लेकर बुधवार को जिलाधिकारी ललित मोहन रायल की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक डीएम कैंप कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ललित मोहन रायल कहा कि कुमाऊं के पहाड़ी जिलों को जोड़ने वाला यह सड़क मार्ग अत्यधिक महत्वपूर्ण है, और इस मार्ग पर वाहनों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। वर्तमान में कलसिया नाले पर स्थित वैलीब्रिज की भार क्षमता 32 टन है, जिसे बढ़ाकर अधिक भार सहने योग्य नया वैलीब्रिज बनाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पुल निर्माण के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारू और सुरक्षित रखना जरूरी है, और इसके लिए वैकल्पिक मार्ग की तैयारी करना भी अनिवार्य है। एनएच, लोक निर्माण विभाग, राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों को शुक्रवार को मौके पर जाकर वैकल्पिक मार्ग की संभावनाओं का निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। एनएच के अधीक्षण अभियंता ने बताया कि इस वैलीब्रिज का निर्माण तीन महीने में पूरा करने की योजना बनाई गई है, और शीघ्र ही वैकल्पिक मार्ग तैयार कर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। बैठक में पुल निर्माण के दौरान यातायात व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में एसपी यातायात डा. जगदीश चंद्र, अधीक्षण अभियंता एनएच हरीश पांगती, एसडीएम राहुल शाह सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

शैलेश साह बने प्रदेश सचिव

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। व्यापारी हितों के लिए निरंतर संघर्ष कर रहे प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल की नीतियों और कार्यशैली से प्रभावित होकर नैनीताल के वरिष्ठ कारोबारी सहित कई व्यापारियों ने संगठन पर आस्था जताई है। इसी क्रम में संगठन ने नैनीताल में अपनी टीम का विस्तार करते हुए तीन व्यापारियों को अहम जिम्मेदारियां सौंपी है।

संगठन के केंद्रीय सह संयोजक देवेश अग्रवाल ने बताया कि नैनीताल के होटल कारोबारी एवं कैंची धाम ट्रस्ट से जुड़े शैलेश साह को प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल का प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है। वहीं मल्लीताल नैनीताल के कारोबारी अक्षय अग्रवाल को जिला उपाध्यक्ष तथा मनीष साह को जिला सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। नवनियुक्त प्रदेश सचिव शैलेश साह ने कहा कि नैनीताल में संगठन को और अधिक मजबूत किया जाएगा तथा सभी व्यापारी बंधुओं को एक सूत्र में जोड़ा जाएगा। वरिष्ठ और कनिष्ठ सभी व्यापारियों को साथ लेकर व्यापारी हितों की लड़ाई लड़ी जाएगी ताकि नैनीताल के साथ-साथ भवाली, भीमताल, कैंची समेत आसपास के क्षेत्रों के कारोबारियों के हितों की भी रक्षा की जा सके। नवनियुक्त पदाधिकारियों को संगठन के संयोजक डा. धर्म यादव, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष मोंगा, प्रदेश महामंत्री राजेंद्र फर्स्वाण, प्रदेश प्रभारी वीरेंद्र गुप्ता, महानगर अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, प्रवीण साह, डा. रमेश पांडे, कुंदन बिष्ट, प्रज्ञान भारद्वाज, ऋषभ पाठक, कुंदन रावत, ललित जायसवाल, सोनी साबरवाल, अश्मित गुजराल आदि ने बधाई दी है।

नैक में नए मैट्रिक्स और चुनौतियां विषय पर मुक्त विवि में व्याख्यान

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन केंद्र सिका की ओर से नैक में नए मैट्रिक्स और चुनौतियां विषय पर गुरुवार को एक विशेष व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम का उद्देश्य विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों को राष्ट्रीय प्रत्यायन प्रक्रिया में प्रस्तावित नवीन परिवर्तनों से अवगत कराना तथा आगामी मूल्यांकन चुनौतियों के लिए समय रहते तैयार करना था। कार्यक्रम में महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय के प्रो. अंकुर सक्सेना ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उच्च शिक्षा संस्थानों के मूल्यांकन की

बदलती प्रणाली पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि डा. के राधाकृष्णन समिति (नवंबर 2023) की सिफारिशों के आधार पर उच्च शिक्षा संस्थानों के मूल्यांकन एवं प्रत्यायन की नई व्यवस्था लागू की जा रही है। इसके अंतर्गत अब पारंपरिक ग्रेडिंग के स्थान पर दो चरणीय मूल्यांकन प्रणाली अपनाई जाएगी। पहले चरण में बाइनरी प्रत्यायन (मान्यता प्राप्त/अप्राप्त) तथा दूसरे चरण में मैच्योरिटी आधारित ग्रेडेड प्रत्यायन जिसमें संस्थानों को स्तर-1 से स्तर-5 तक रैंकिंग प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक सिका प्रो. गिरिजा प्रसाद पांडे ने की, जबकि मंच संचालन डा. नीरजा सिंह ने किया।

नौ लोगों पर मुकदमा दर्ज

हल्द्वानी। बीते मंगलवार की सुबह गोलछा कंपाउंड के पास स्थित रेलवे फाटक पर हुए खूनी संघर्ष मामले में अब दूसरे पक्ष ने भी तहरीर सौंप कर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने दूसरे पक्ष की तहरीर के आधार पर क्रॉस रिपोर्ट दर्ज करते हुए नौ लोगों पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। बता दें कि दो दिन पूर्व मंगलवार की सुबह गोलछा कंपाउंड के पास स्थित रेलवे फाटक पर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई थी। इस मामले में जवाहर नगर निकट जैम फैक्ट्री निवासी अली वारिश ने कोतवाली पुलिस को तहरीर सौंपकर मुकदमा दर्ज कराया था। वहीं अब दूसरी पक्ष से वार्ड-14 टनकपुर रोड निवासी आसिफ अली ने भी पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपने भाई शकील अहमद की पीओपी की दुकान पर बैठा हुआ था। इसी दौरान बंटी, गुड्डे, बॉबी, शानू के अलावा शबाब, खालिद, जेशान, मोनिश और फहीम अपने कुछ अन्य साथियों के साथ आए और आसिफ अली और उनके भाई के साथ मारपीट की। आरोप है कि लात-घूसों से उन्हें बुरी तरह पीटा गया, जिससे वे घायल हो गए। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि मामले में क्रॉस मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ पर झलका भक्तिभाव

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। 22 जनवरी का दिन भारतीय इतिहास और जनमानस में सदैव विशेष स्थान रखेगा। दो वर्ष पूर्व 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ सदियों का प्रतीक्षित स्वप्न साकार हुआ था। इसी पावन अवसर की तीसरी वर्षगांठ गुरुवार को पूरे देश में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई गई। कमलुवागांजा रोड स्थित बैंक्वेट हॉल में में स्थानीय समुदाय ने धूमधाम से इस उत्सव को मनाया। कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन की मधुर धुनों से वातावरण भक्तिमय हो गया। प्रभु श्रीराम की स्तुति में प्रस्तुत भजनों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम की विशेष आकर्षण

कुमाऊँनी लोक संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन रहा। झोड़ा और चाचरी जैसे पारंपरिक लोकनृत्यों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। लोक नृत्यों के माध्यम से कुमाऊं की सांस्कृतिक विरासत, प्रकृति और परंपराओं की सुंदर झलक देखने को मिली। आयोजकों ने बताया कि रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के पहले दिन से लेकर अब तक यह भक्ति परंपरा निरंतर जारी है। हर वर्ष की तरह इस बार भी मातृशक्ति की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को और भव्य बना दिया। महिलाओं की श्रद्धा, समर्पण और सामूहिक ऊर्जा ने आयोजन को यादगार बना दिया। इस अवसर पर विधायक बंशीधर भगत ने कहा कि यह उत्सव इस बात का प्रतीक है कि भगवान श्रीराम केवल मंदिर में ही नहीं, बल्कि हर उस हृदय में निवास करते हैं जो प्रेम, भक्ति और संस्कृति से परिपूर्ण हो। कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बेला तोलिया, प्रमोद तोलिया, आभा गोस्वामी, चंदन बिष्ट, विनोद मेहरा, लाखन बिष्ट, कमल किशन पांडे, धीरज पांडे, कंचन उप्रेती, निर्मला पाटनी, मीना सुयाल, मीना भौरियाल, हंसा बिष्ट, ललिता ऐरी, कमला ऐरी, रेखा बिष्ट, मधु मनराल, निधि मेहरा, गरिमा बिष्ट सहित बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं मौजूद रहे।

श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया

हल्द्वानी। श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ (आंग्ल कैलेंडर के अनुसार) गुरुवार को सनातन पुनर्जागरण के रूप में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर पीतांबरा धाम कुसुमखेड़ा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र हुए

और मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। प्रात: कालीन सत्र में गोस्वामी तुलसीदास रचित रामचरितमानस के सुन्दरकाण्ड खंड का सस्वर वाचन किया गया। द्वितीय सत्र ईश्वर की लीलाओं के मंचन एवं संगीत के नाम रहा। दिव्या जोशी ने मंद मंद मुसकनिया राम को देखकर जनक नन्दनी, बाग में वो खड़ी की खड़ी रह गई..जैसे कर्णप्रिय भजनों से भक्त जनों को भाव विभोर कर दिया। श्री दुर्गा दत्त कपिलाश्रमी संस्कृत विद्यालय के छात्रों ने शिव ताण्डव स्तोत्र का मंचन किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हल्द्वानी नगर प्रचारक प्रभाकर ने सभी सनातनी को संगठित रहने का मंत्र दिया और युवाओं को अपनी एतिहासिक धरोहरों से सीखने की प्रेरणा दी। इस मौके पर मेयर गजराज सिंह बिष्ट, पूर्व मेयर जोगेंद्र रौतेला, विधायक बंशीधर भगत, पार्षद अमित बिष्ट, पार्षद सुरेन्द्र मोहन, चंद्रशेखर जोशी, गिरीश चंद्र काण्डपाल, बीडी जोशी, उर्वा दत्त मैलानी, भुवन चंद्र काण्डपाल मौजूद रहे।

कब्जा न हटा तो पुलिस-प्रशासन को घेरेंगे पूर्व फौजी

हल्द्वानी। ग्राम पंचायत पनियाली के एक रिटायर्ड फौजी ने अपनी निजी भूमि से अवैध कब्जा हटाने की मांग को लेकर मुखानी पुलिस को शिकायती पत्र सौंपा है। सूबेदार सेनि. दयाकिशन पाठक ने अपनी तहरीर में बताया कि 2015 में उन्होंने पनियाली में 1800 स्क्वायर मीटर जमीन खरीदी थी, जिसकी रजिस्ट्री और दाखिल खारिज के दस्तावेज उनके पास उपलब्ध हैं। दयाकिशन पाठक ने आरोप लगाया कि उनकी जमीन का एक हिस्सा अवैध तरीके से कब्जा कर लिया गया है, और उस पर सड़क बनाई गई है, जो मानकों के खिलाफ है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि अगर शीघ्र ही कार्रवाई नहीं की गई, तो वे पुलिस और प्रशासन का घेराव करेंगे।

घर के बाहर से बाइक चोरी

हल्द्वानी। घर के बाहर खड़ी बाइक अज्ञात वाहन चोरों ने चोरी कर ली। पीड़ित ने बनभूलपुरा थाने पहुंचकर बाइक चोरी की शिकायत दर्ज कराई। जानकारी के अनुसार बनभूलपुरा वार्ड-25 नई बस्ती निवासी मो. इमरान ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि बीते 20 जनवरी को उसने अपनी बाइक रोजना की तरह अपने घर के बाहर खड़ी कर रखी थी। सुबह जब वह घर के बाहर आया तो उसकी बाइक चोरी हो चुकी थी। पीड़ित बाइक स्वामी ने बताया कि बाइक में ही उसके गाड़ी का दस्तावेज रखे हुए थे। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

फर्जी खाता: बैंक और डिस्ट्रीब्यूटर की मिलीभगत, मुकदमा

धोखाधड़ी: जिसके नाम से खुला था खाता, वह पहले टेलीकॉम कंपनी में करता था मार्केटिंग

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। एक खाता खुलवाने के लिए कई बार चक्कर लगाने वाला व्यक्ति अब फर्जी खाता खोलने के मामले में उलझ गया है। बैंक और एक टेलीकॉम कंपनी के डिस्ट्रीब्यूटर ने मिलकर न केवल पीड़ित के नाम पर फर्जी खाता खुलवाया, बल्कि उसमें लाखों रुपये का लेन-देन भी कर दिया। अजीब बात यह है कि जिस व्यक्ति के नाम पर खाता खोला गया, उसे दो साल तक इस फर्जीवाड़े का पता नहीं चला। जब मामले का खुलासा हुआ, तो पुलिस भी कार्रवाई में लापरवाह रही, और पीड़ित को आखिरकार कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। जिसके बाद पुलिस ने कोर्ट के आदेश के बाद मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार गौजाजाली निवासी अनुभव पंत ने कोर्ट में बताया कि पिछले साल 4 सितंबर 2025 को उनके अकाउंटेंट ने उन्हें जानकारी दी कि उनके नाम पर कैनरा बैंक में एक खाता संचालित हो रहा है, जबकि उन्होंने कभी वहां खाता नहीं खुलवाया। जांच में पता चला कि बरेली रोड स्थित बैंक शाखा में 2023 से उनके नाम पर खाता चल रहा था। यह खुलासा तब हुआ जब उनके खाते से टीडीएस काटने की सूचना आई और उनके इनकम टैक्स रिटर्न में अनियमितता सामने आई। पीड़ित ने बताया कि खाते में उनका आधार कार्ड, पैन कार्ड और फोटो लगाए गए थे, लेकिन उनके हस्ताक्षर पूरी तरह से फर्जी थे। उन्होंने न तो कभी ये दस्तावेज बैंक को दिए थे, न ही खाता खुलवाने का आवेदन किया था। जांच के दौरान पीड़ित ने आरोप लगाया कि जब वह मोबाइल कंपनियों की मार्केटिंग करता था, तब उसके डिस्ट्रीब्यूटर संजय कोहली के पास उसके दस्तावेज थे। उन्हीं दस्तावेजों का दुरुपयोग करके बैंक कर्मचारियों के साथ मिलकर फर्जी खाता खुलवाया गया। पीड़ित ने बताया कि इस मामले को लेकर जब वह पुलिस के पस पहुंचे तो कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिसके बाद उन्होंने हल्द्वानी के अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में 17 सितंबर 2025 को प्रार्थनापत्र दाखिल किया था। इसके बाद अदालत के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि पुलिस ने अब्दुल्ला बिल्डिंग, मंगलपड़ाव निवासी संजय कोहली और बरेली स्थित कैनरा बैंक के खिलाफ आईपीसी की धारा 420 (धोखाधड़ी) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से की शिकायत, लेकिन नहीं हुई कार्रवाई

हल्द्वानी। पीड़ित ने 6 सितंबर 2025 को कोतवाली हल्द्वानी में शिकायत दी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद, 17 सितंबर को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल को रजिस्टर्ड डाक से शिकायत भेजी गई, जिसकी तामील भी हुई, लेकिन आज तक मामले में किसी के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। फर्जी खाते के कारण पीड़ित को अपने कार्यस्थल पर भी बदनामी का सामना करना पड़ा और अनियमितता के आरोप झेलने पड़े। पीड़ित का कहना है कि पुलिस की निष्क्रियता के कारण वह मानसिक रूप से परेशान है।

खाता अनुभव का और मोबाइल नंबर कोहली का

हल्द्वानी। पीड़ित अनुभव पंत ने बताया कि संजय कोहली, जो टेलीकॉम कंपनियों का डिस्ट्रीब्यूटर था, के पास उनके दस्तावेज थे। जब उन्हें फर्जी खाता खुलवाने का पता चला, तो वह बैंक गए, लेकिन जो मोबाइल नंबर खाता खुलवाने के लिए इस्तेमाल किया गया, वह उनका नहीं था। जांच करने पर पता चला कि वह मोबाइल नंबर संजय कोहली का था। इसके बाद पूरा मामला साफ हो गया। यह सवाल अब उठ रहा है कि बिना खाताधारक की मौजूदगी और अनुमति के बैंक में खाता कैसे खोला गया? क्या बैंकिंग सिस्टम की खामियों पर जवाबदेही तय की जाएगी?

तेज रफ्तार वाहन ने डिलीवरी बॉय को मारी टक्कर, मौत

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। घर-घर खाने की डिलीवरी करने वाले एक डिलीवरी बॉय की बीते बुधवार रात एक सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। बरेली रोड पर जब वह अपनी बाइक से डिलीवरी देने जा रहा था, तभी एक तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दी। इसके बाद वाहन ने डिलीवरी बॉय को काफी दूर तक घसीटा, जिससे उसकी सिर और पैर बुरी तरह कुचल गए और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गुरूवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराके शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया और वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार सुभाषनगर भोटिया पड़ाव निवासी 35 वर्षीय नितिन गुणवंत पिछले दो सालों से हल्द्वानी में एक फूड डिलीवरी कंपनी में काम कर रहे थे। पुलिस के अनुसार बीते बुधवार की रात्रि नितिन को हल्दूचौड़ के पास मोतीनगर से खाने का ऑर्डर मिला था। खाना पैक कर वह डिलीवरी देने के लिए निकले थे। मोतीनगर के पास रात पौने बारह बजे उनकी बाइक को सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वाहन चालक रुका नहीं, बल्कि नितिन को काफी दूर तक घसीटता हुआ ले गया। इस सड़क हादसे में नितिन का सिर और पैर बुरी तरह कुचल गए। घटना की सूचना मिलते ही एंबुलेंस मौके पर पहुंची और नितिन को सुशीला तिवारी अस्पताल लाया गया जहां पर मौजूद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस अब वाहन और चालक की पहचान करने के लिए जांच शुरू कर दी।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎05946-250286

मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सौरभ बेहड़ ने खुद ही रची थी जानलेवा हमले की साजिश

- पुलिस ने चार आरोपियों को पकड़ा
- पत्नी से चल रहे विवाद के कारण खुद को पिटवाया

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। पूर्व मंत्री तिलकराज बेहड़ के पार्षद पुत्र सौरभ बेहड़ पर हुए जानलेवा हमले के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। चार दिनों की गहन तफ्तीश के बाद यह साफ हो गया है कि सौरभ बेहड़ पर कोई दुश्मन का हमला नहीं हुआ था, बल्कि उन्होंने खुद अपने ही दोस्त की मदद से इस पूरी घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने इस मामले में साजिश का हिस्सा रहे मुख्य मास्टर इंदर नारंग सहित चार युवकों को गिरफ्तार कर लिया है।

बता दें कि बीती 18 जनवरी की शाम को आवास विकास मुख्य मार्ग पर पार्षदसौरभ बेहड़ पर हमले की खबर से हड़कंप मच गया था। बताया गया था कि बाइक सवार तीन युवकों ने सौरभ की स्कूटी को लात मारकर गिरा दिया और उनके साथ मारपीट कर फरार हो गए। घायल अवस्था में सौरभ को अस्पताल भर्ती कराया गया, जहां कांग्रेस और भाजपा के दिग्गजों समेत समर्थकों का भारी जमावड़ा लग गया। घटना के विरोध में तिलकराज बेहड़ के आवास पर आक्रोश बैठक बुलाई गई, जिसमें आरोपियों की गिरफ्तारी न होने पर उग्र आंदोलन और बाजार बंद करने तक की चेतावनी दे दी गई थी। मामला हाईप्रोफाइल होने के कारण एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने एसओजी और पुलिस की कई टीमें गठित कर जल्द खुलासे के निर्देश दिए थे। एसएसपी के निर्देश पर पुलिस ने घटनास्थल से लेकर संदिग्धों के भागने के रास्तों तक कई सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जब पुलिस ने सर्विलांस और तकनीक की मदद से कड़ियों को जोड़ा, तो मामला पूरी तरह पलट गया।

जांच में सामने आया कि सौरभ बेहड़ ने अपने करीबी दोस्त इंदर नारंग के साथ मिलकर खुद पर हमले का नाटक रचा था। इंदर नारंग ने सौरभ के कहने पर तीन अन्य युवकों को इस काम के लिए तैयार किया, जिन्होंने नासमझी में इस फर्जी घटना को अंजाम दे दिया। पुलिस के मुताबिक सौरभ अपने किसी पारिवारिक विवाद को सुलझाने और विरोधियों को सबक सिखाने के लिए सहानुभूति बटोरना चाहता था, जिसके लिए उसने यह ताना-बाना बुना। पुलिस ने इस फर्जी साजिश को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपी घासमण्डी निवासी इंदर नारंग के अलावा वंश और ठाकुर नगर निवासी दीपक को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि साजिश में शामिल तीनों युवक पढ़ने वाले छात्र हैं जो इस हाईप्रोफाइल साजिश का मोहरा बन गए। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि आरोपियों से दो तमंचे और एक चाकू भी बरामद किया गया है।

एसएसपी के मुताबिक पूछताछ में इंदर नारंग ने खुलासा किया कि 18 जनवरी को सौरभ बेहड़ ने उसे अपने घर बुलाया। सौरभ ने खुद कहा कि वह पत्नी से चल रहे विवाद के कारण खुद को पिटवाना चाहता है। जिस पर इंदर नारंग ने इस साजिश में तीन और युवकों को शामिल करके पूरी योजना समझाई। पहचान छुपाने के लिए चेहरा ढकने और बाइक की नंबर प्लेट हटाने को कहा।

घटना के समय इंदर नारंग अपनी बैगनार कार से हमलावरों के पीछे-पीछे चल रहा था, भीड़ अधिक होने पर स्थान बदलकर शिव शक्ति पीजी गेट के पास हमला करवाया गया। घटना के बाद आरोपियों को भगाने में भी इंदर ने भूमिका निभाई। उसने तीनों आरोपियों को बैगनार कार से सुरक्षित उनके इलाकों तक छोड़ा।

अपना ही सिक्का निकला खोटा दूसरे को क्या दोष दूं: बेहड़

बेटे की करतूत बयां कर रो पड़े विधायक तिलक राज बेहड़

- बेहड़ ने पुत्र के कृत्य पर सार्वजनिक रूप से पश्चाताप व्यक्त कर पूरे समाज से माफी मांगी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। पार्षद सौरभ राज बेहड़ के साथ मारपीट प्रकरण को लेकर किच्छा विधायक तिलक राज बेहड़ द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस उस समय बेहद भावनात्मक हो गए, जब उन्होंने अपने पुत्र के कृत्य पर सार्वजनिक रूप से पश्चाताप व्यक्त करते हुए पूरे समाज से माफी मांगी। इस दौरान उनकी आंखें भर आई और वह बार-बार खुद को संभालने की कोशिश करते नजर आए। बेहड़ की इस प्रेस कॉन्फ्रेंस ने सभी का दिल जीत लिया।

प्रेस वार्ता में विधायक बेहड़ ने कहा कि वह किसी के गलत का समर्थन नहीं करते, भले ही वह उनका अपना बेटा ही क्यों न हो। उन्होंने समाज के सामने सिर झुकाते हुए कहा इस पूरे मामले में मेरा ही सिक्का खोटा निकला। मुझसे चूक हुई है और इसके लिए मैं दिल से माफी मांगता हूं। भावुक स्वर में उन्होंने इसे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते उनका कर्तव्य है कि वह निष्पक्षता और नैतिकता का उदाहरण पेश करें। विधायक की इस भावुक अपील ने सभी का दिल जीत लिया। विधायक बेहड़ द्वारा अपने आवास पर बुलाई गई पत्रकार वार्ता में वातावरण काफी भावुक बना रहा। श्री बेहड़ ने भावुक होकर कहा कि पूरे मामले में उनका बेटा ही खोटा सिक्का निकला। उन्होंने बताया कि पुत्र सौरभ ने ही अपने पारिवारिक मामलों के चलते स्वयं पर हमले का षड्यंत्र रचकर उसे अंजाम दिया। जिसके बाद उनके समर्थकों के साथ ही कई राजनैतिक, सामाजिक, व्यापारिक के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने घटना पर रोष प्रकट कर उनका साथ दिया। श्री बेहड़ ने बताया कि मामले पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीन संदिग्ध युवकों को पूछताछ के लिए अपनी हिरासत में लिया गया था। जिनसे की गई पूछताछ के बाद यह सामने आया कि पूरा षड़यंत्र पुत्र सौरभ द्वारा ही रचा गया था। यह जानकर उन्हें व उनके परिवार को काफी ठेस पहुंची। उन्होंने बताया कि सौरभ ने जो भी किया अच्छा नहीं किया। इससे समाज में उनके परिवार की प्रतिष्ठा को काफी चोट पहुंची है। इसके लिए वह पुत्र सौरभ बेहड़ को कभी भी माफ नहीं करेंगे। श्री बेहड़ ने कहा कि वह सौरभ से सभी पारिवारिक सम्बंध भी विच्छेद करते हैं। अपने आंसुओं को रोकते हुए श्री बेहड़ ने कहा कि वह इस मामले में उन्हें समर्थन देने आए कांग्रेस, भाजपा सहित सभी राजनैतिक दलों के नेताओं ,कार्यकर्ताओं के साथ ही सभी सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक संगठनों के लोगों से हाथ जोड़कर माफी मांगते हैं। उन्होंने कहा कि बुधवार की रात्रि हमले के आरोपी इन्दर के परिजनों ने भी उनसे मुलाकात की थी। जिनसे खुलकर बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि इस मामले में उनके पुत्र गौरव बेहड़ ने पुलिस को मारपीट की तहरीर दी थी,अब उन्होंने पुलिस से कार्रवाई न करने के साथ ही मामले में जिन युवकों को पकड़ा है उन्हे माफ कर देने के लिए कहा है। श्री बेहड़ ने यह भी कहा कि सौरभ बेहड़ ने जो कृत्य किया है उसकी उसे सजा अवश्य मिलनी चाहिए।

एक नजर

तबियत बिगड़ने से पीएसी के एएसआई की मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। बगवाड़ा पुलिस चौकी क्षेत्र के कौशल्या एनक्लेव में रह रहे 31वीं पीएसी के एएसआई पुष्कर सिंह चौधरी की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। अचानक हुई इस घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है ताकि मृत्यु के स्पष्ट कारणों का पता चल सके।

मूल रूप से ग्राम बिसराड़ी, चंपावत निवासी पुष्कर सिंह चौधरी 31वीं पीएसी में एडिशनल प्लाटून कमांडर के पद पर कार्यरत थे।बुधवार को अचानक तबीयत खराब होने पर परिजन उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले गए, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित करदिया।घटना की सूचना मिलते ही बगवाड़ा चौकी से उपनिरीक्षक मोहन चंद जोशी अस्पताल पहुंचे और परिजनों से मामले की जानकारी ली। एसएस आई केसी आर्या ने बताया कि सिडकुल पुलिस के माध्यम से विभाग को सूचना प्राप्त हुई थी, जिसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अचानक हुई इस घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है ताकि मृत्यु के स्पष्ट कारणों का पता चल सके।

सितारगंज में भव्य राम कथा का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

सितारगंज। रामलीला ग्राउंड में आज भव्य राम कथा का आयोजन किया गया, जिसमें वृंदावन से पधारे प्रसिद्ध कथा वाचक लक्ष्मण दास महाराज ने श्रद्धालुओं को राम कथा सुनाई। इस अवसर पर सात कन्याओं का विवाह भी विधि-विधान के साथ संपन्न कराया जाएगा।

कथा वाचक लक्ष्मण दास महाराज ने बताया कि आज का दिन विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इसी दिन अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम भगवान की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई थी। कार्यक्रम के आयोजक संतोष गुप्ता ने बताया कि उनके द्वारा हर तीन वर्ष बाद राम कथा का आयोजन किया जाता है, जिसमें सभी धर्म प्रेमी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। 26 जनवरी के दिन आकर्षक झांकियां भी देखने को मिलेगी, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर नाम की झांकी आकर्षण का केंद्र बनेगी। राम कथा को लेकर आज नगर के मुख्य मार्गो से क्लेश यात्रा निकाली गई, जो रामलीला ग्राउंड में पहुंची। इस मौके पर संतोष गुप्ता, सभासद सतीश उपाध्याय, राकेश त्यागी, चौहान शिवपाल चौहान, इकबाल सिंह भुल्लर, सुरेश गर्ग, धर्मा देवी, गौरव सक्सेना, कौशल सक्सेना आदि उपस्थित रहे।

आठ फरवरी से पांच दिवसीय कांवड़ यात्रा पर रवाना होगा उफं शिव कांवड़ दल

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। ऊं शिव कांवड़ दल के महंत राजेंद्र कुमार उर्फ बंटी ठक्कर की अगुवाई में दल से जुड़े शिवभक्तों का जत्था आठ फरवरी को पांच दिवसीय कांवड़ यात्रा पर रवाना होगा। गुरुवार को नगरपालिका शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के समीप स्थित ब्रह्मदेवखशनिदेव मंदिर में महंत बंटी ठक्कर की अध्यक्षता में दल के सदस्यों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई और सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने पर जोर दिया गया। महंत बंटी ठक्कर ने बताया कि इस वर्ष 15 फरवरी को महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाएगा। इसी क्रम में आठ फरवरी की सायं शिवभक्तों का जत्था हरिद्वार के लिए प्रस्थान करेगा। अगले दिन नौ फरवरी की सायं हरिद्वार से 251 लीटर गंगाजल से भरे कलश को रथ पर स्थापित कर कांवड़ यात्रा का विधिवत शुभारंभ किया जाएगा। करीब 180 किलोमीटर की पैदल यात्रा पूर्ण कर शिवभक्त रथ को हाथों से खींचते हुए 14 फरवरी की सायं बाजपुर पहुंचेंगे। 15 फरवरी की प्रात: शुभ मुहूर्त के अनुसार मुख्यमार्ग पर हल्द्वानी बस अड्डे के समीप स्थित प्राचीन शिव मंदिर में शिवलिंग पर जलाभिषेक कर कांवड़ यात्रा का समापन किया जाएगा। बताया गया कि कलश में लाया गया गंगाजल आमजन में भी वितरण किया जाएगा। बैठक में संदीप गुप्ता, नवनीत गोयल, जयपाल सिंह यादव, प्रतीक ग्रोवर, सन्नी चानना, ध्रुव चानना, प्रियांशु गुप्ता, सार्थक गुप्ता, सिद्धार्थ गर्ग, देवांश गर्ग, सुजल गुप्ता, आयुष, पृथ्वीराज पांडेय सहित अनेक शिवभक्त मौजूद रहे।

गांजे के साथ युवक दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। कोतवाली पुलिस ने दो लोगी को गांजे के साथ गिरफ्तार किया है।

कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि राहुल सिंह पुत्र इन्द्रपाल सिंह निवासी ग्राम पच्चावाला कुण्डेश्वरी जिला उधम सिह नगर और मनप्रीत सिंह पुत्र स्व प्रकाश सिंह निवासी ग्राम पच्चावाला पोस्ट कुण्डेश्वरी जिला उधम सिह नगर को रामनगर पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान नया गांव झिरना नंबर 13 काशीपुर मार्ग से अलग अलग मोटर साइकिलो मे 10.786 किग्रा गांजा और 8.210 किग्रा. गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया है। कोर्ट ने आरोपियों को जेल भेज दिया है। इस दौरान पुलिस टीम में एसआई गणेश जोशी, कांस्टेबल प्रयाग कुमार, संदीप सिंह, कविन्द्र सिंह शामिल रहे।

बंजारी द्वितीय गेट पर वाहन स्वामी यूनियन का गठन, सतनाम सिंह बने अध्यक्ष

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। बंजारी द्वितीय गेट कोसी नदी क्षेत्र में वाहन स्वामियों की गुरुवार को बैठक आयोजित की गई। जिसमें सर्वसम्मति से वाहन स्वामी यूनियन का गठन किया गया। बैठक में बंजारी द्वितीय गेट पर कार्यरत समस्त वाहन स्वामी उपस्थित रहे।

यूनियन गठन को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया, जिस पर किसी भी वाहन स्वामी ने आपत्ति नहीं जताई। यूनियन गठन की जानकारी देते हुए नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं एडवोकेट सतनाम सिंह ने बताया कि संगठन के माध्यम से वाहन स्वामियों की समस्याओं के समाधान हितों की रक्षा तथा आपसी समन्वय को मजबूत किया जाएगा। सर्वसम्मति से गठित यूनियन में सतनाम सिंह को अध्यक्ष, मलकीत सिंह को अध्यक्ष प्रतिनिधि, रंजीत सिंह को उपाध्यक्ष, हरकेश सिंह केशी को सचिव, जगदीश सिंह को उपसचिव तथा जसवंत सिंह चमकैला को कोषाध्यक्ष बनाया गया। इसके अतिरिक्त यूनियन के सदस्यों में अजमेर सिंह, जसवंत सिंह, राज सिंह, गज्जन सिंह, युवराज सिंह, निरवैर सिंह, जसपाल सिंह, बलदेव सिंह, रनजीत सिंह, विजय कंबोज, गुरमीत सिंह सहित अन्य वाहन स्वामी शामिल हैं। बैठक के अंत में सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने यूनियन को मजबूत बनाने तथा वाहन स्वामियों के हित में एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

पुलिस ने ब्लाइंड मर्डर का खुलासा

- दो शातिर हत्यारे दबोचे, मृतक की बाइक, घटना में प्रयुक्त मफलर (आला-ए-कत्ल) बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। पुलिस ने किच्छा क्षेत्र में हुए ब्लाइंड मर्डर का सफल अनावरण करते हुए दो शातिर हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्तों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त मफलर (आला-ए-कत्ल), मृतक का मोबाइल फोन तथा मृतक के जीजा की मोटरसाइकिल संख्या UP-25-CA-9583 बरामद की गई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऊधमसिंहनगर मणिकांत मिश्रा ने बताया कि दिनांक 11/01/2026 को थाना किच्छा क्षेत्रांतर्गत एक अज्ञात युवक का शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया तथा शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम की कार्यवाही कराई गई। मृतक की शिनाख्त के प्रयासों के क्रम में मृतक की पहचान दिनेश कुमार पुत्र रूपलाल निवासी मेथी नवदिया, बरेली (उ0प्र0) के रूप में हुई। परिजनों द्वारा बताया गया कि दिनांक 09/01/2026 को मृतक अपनी बहन को भोजीपुरा रेलवे स्टेशन छोड़कर रुद्रपुर के लिए निकला था, लेकिन वापस घर नहीं पहुंचा। मृतक के भाई वीरेंद्र गंगवार की तहरीर के आधार पर थाना किच्छा में अज्ञात अभियुक्तों के विरुद्ध हत्या का मुकदमा पंजीकृत किया गया। घटना कर सफल अनावरण हेतु कोतवाली किच्छा पर पुलिस टीमों का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा मैनुअल इंटेलिजेंस, तकनीकी साक्ष्य, संदिग्ध मोबाइल नंबरों का डेटा एनालिसिस एवं मृतक के भोजीपुरा से किच्छा आने के मार्ग तथा घटनास्थल के आसपास लगे लगभग 250-300 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का गहन अवलोकन किया गया। सीसीटीवी फुटेज में मृतक भोजीपुरा रेलवे स्टेशन से अपनी मोटरसाइकिल पर दो अज्ञात व्यक्तियों के साथ किच्छा की ओर आते हुए दिखाई दिया। फुटेज के आधार पर अभियुक्तों के फोटो स्केच तैयार कर मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। मुखबिर की सूचना, डिजिटल सर्विलांस व फोटो स्केच के आधार पर प्रकाश में आए अभियुक्तों को 21/01/2026 गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की पहचान विजय पाल पुत्र जोगराज निवासी ग्राम रसूलपुर पोस्ट खास, थाना शीशगढ़, जिला बरेली (उ0प्र0) और दीपक मौर्या पुत्र अतेन्द्र सिंह निवासी ग्राम सिररा, थाना मिलक, जिला रामपुर (उ0प्र0) के रूप में हुई। अभियुक्तों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त मफलर (आला-ए-कत्ल), मृतक का मोबाइल फोन तथा मृतक के जीजा की मोटरसाइकिल संख्या UP-25-CA-9583 बरामद की गई।

पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे लोन फाइल के सिलसिले में हल्द्वानी से भोजीपुरा गए थे, जहां भोजीपुरा रेलवे स्टेशन के पास शराब की दुकान पर उनकी मुलाकात मृतक दिनेश से हुई। मृतक की नई मोटरसाइकिल देखकर दोनों अभियुक्तों के मन में लालच आ गया और उसे लूटने की योजना बनाई। दोस्ती का ढोंग कर अभियुक्तों ने मृतक को भोजीपुरा से किच्छा तक साथ चलने के लिए मनाया तथा रास्ते में अलग-अलग स्थानों पर उसे अत्यधिक शराब पिलाई। सुनसान स्थान पर ले जाकर विवाद किया और दोनों ने मिलकर मफलर से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी।

हत्या के बाद शव को सुनसान स्थान पर फेंककर मृतक की मोटरसाइकिल, हेलमेट व मोबाइल लेकर फरार हो गए। लूटी गई मोटरसाइकिल को हल्द्वानी (राजपुरा क्षेत्र) में मात्र 20,000 में बेच दिया तथा पहचान छुपाने के लिए वाहन पर फर्जी नंबर प्लेट लगा दी। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक प्रकाश सिंह दानू, उ.नि. जयप्रकाश चंद्र, पवन जोशी, बसंत प्रसाद, दीपक जोशी, मनोज कुमार, अ. उ. नि. जगदीश सिंह, हे.का. आनंद ग्वासाकोटी, का भगवत परिहार, दीपक बोरा, SOG/सीसीटीवी/सर्विलांस टीम का. भूपेंद्र, पंकज बिनवाल शामिल थे।

रोड पर विशालकाय हाथी से यातायात बाधित, लोगों में दहशत

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। गुरुवार को नैनीताल-बाजपुर रोड पर ग्राम बरहैंनी के निकट उस समय हड़कंप मच गया, जब एक विशालकाय हाथी अचानक सड़क पर आ गया। हाथी के रोड पर आ जाने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया। हाथी को देखकर राहगीरों और वाहन चालकों में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपने-अपने वाहनों में ही रुककर हाथी के जंगल की ओर लौटने का इंतजार करते रहे। करीब काफी देर तक हाथी सड़क पर ही घूमता रहा। जिससे लोग सहमे रहे। काफी मशक्कत के बाद हाथी सड़क छोड़कर जंगल की ओर चला गया। इसके बाद यातायात सामान्य हुआ और लोगों ने राहत की सांस ली। स्थानीय लोगों ने वन विभाग से इस मार्ग पर गश्त बढ़ाने और सुरक्षा के इंतजाम करने की मांग की है। ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

सपनों की उड़ान प्रतियोगिता का आयोजन किया

- पूर्व विधायक डा. प्रेम सिंह राना दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ

शाह टाइम्स संवाददाता

नानकमत्ता। न्याय पंचायत स्तरीय सपनों की उड़ान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजित प्रतियोगिताओं का पूर्व विधायक द्वारा शुभारंभ किया गया।

गुरुवार को नगर के निकटवर्ती राजकीय प्राथमिक विद्यालय सिद्धा में न्याय पंचायत स्तरीय सपनों की उड़ान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ पूर्व विधायक डॉ प्रेम सिंह राणा द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में नींबू दौड़, कुर्सी दौड़, लोक नृत्य लोक गायन नुक्कड़ नाटक, रैंप वॉक, टीएलएम प्रदर्शनी आदि प्रतियोगिताएं संपन्न हुई। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक नेता खिलानंद अटवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक प्रेम सिंह राना ने कहा की पढ़ाई लिखाई के साथ-साथ इस तरह की प्रतियोगिताएं कराने से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। संकुल समन्वयक मोहम्मद हसन सिद्दीकी ने उपस्थित शिक्षक शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं का स्वागत करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को संपन्न करने के लिए निमाई चंद्र माझी वरिष्ठ प्रधानाध्यापक, सेवानिवृत शिक्षक राधे सिंह राणा, दया शंकर शर्मा, पुष्पेंद्र कटियार, कांता उपाध्याय, प्रज्ञा पांडे, शुभम पांडे ,मनीष राणा, ललिता मिश्रा, उर्मिल विश्वकर्मा, पवन कुमार, कुंवर सिंह राणा, सुरेश प्रसाद,, हिमाचल कुमार, त्रिलोकचंद, नवीन पांडे, रामरूप सिंह ,परमजीत सिंह, आशीष सैनी, रिंकी, राहुल कुमार, मुरारी लाल, विशाल राणा, ब्लॉक कोऑर्डिनेट ए पी फ कुलवंत सिंह, कृष्ण चंद्र, नरेश राणा, शिव सिंह बिष्ट, सुरेंद्र रावत , सुमन लता मंडोला, सहित आदि मौजूद रहे।

दूषित पेयजल आने से गुस्साए करनी सेना के कार्यकर्ता

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। रामनगर में दूषित पेयजल आने से गुस्साए करनी सेना ने जल संस्थान के खिलाफ धरना प्रदर्शन कर जल्द से जल्द सुधार की मांग की है।

रामनगर क्षेत्र के उपभोक्ताओं को लंबे अरसे से दूषित पानी की आपूर्ति किए जाने से नाराज करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सूरज चौधरी के नेतृत्व में जल संस्थान परिसर में धरना प्रदर्शन कर जल संस्थान के अधिकारियों से जल्द से जल्द सुधार की मांग की। संगठन के मुताबिक विभागीय लापरवाही के चलते स्थानीय उपभोक्ताओं को दूषित पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। इस दूषित पेयजल से किडनी, हार्ट,खुजली और लीवर जैसी बीमारियां हो सकती हैं। जल संस्थान के अधिशासी अभियंता मनोज कुमार गंगवार ने जल्द कार्य करने का आश्वासन दिया है। इस अवसर पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सूरज चौधरी, कल्पना वर्मा, हरीश प्रकाश, सोनू प्रजापति, दीपू आर्य, हिरदेश शर्मा, किशोर शर्मा, अंकित जोशी, आर्यन, प्रशांत तिवारी, पवन सैनी , भारत सैनी, शंकर आदि मौजूद रहे।

घटनाओं की रोकथाम को ग्रामीणों को किया जागरूक

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। तराई पश्चिम वन प्रभाग बैलपडाव रेंज के अन्तर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालय पवलगढ़ में जन-जन की सरकार जन-जन के द्वार थीम के तहत मानव वन्यजीव संघर्ष की दृष्टि से क्षेत्रों के निवासियों को जागरूक करने और मानव वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं की रोकथाम करने को लेकर एक गोष्ठी का आयोजन किया गाया।

रेंजर विजेन्द्र अधिकारी ने बताया कि लगभग 80 क्षेत्रीय ग्रमीण, जनप्रतिनिधि, ग्राम प्रधानो व विभाग के कर्मचारियों द्वारा भाग लिया गया। जिसमें विभाग के कर्मचारियों द्वारा मानव वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम के सम्बंध में स्थानीय ग्रामीणो को अवगत कराया गया।

जनसमस्याओं को लेकर कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। पार्वती कुंज जन कल्याण समिति के अध्यक्ष शिशुपाल सिंह रावत की अगुवाई में पदाधिकारियों द्वारा कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज को रामनगर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पार्वती कुंज फेज-2 कॉलोनी में नालियों एवं सड़क निर्माण की गंभीर समस्या को लेकर एक ज्ञापन सौंपा गया।

दिए गए ज्ञापन में उन्होंने बताया कि बरसात के मौसम में कॉलोनी में जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण जल भराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जिससे स्थानीय निवासियों को आवागमन सहित दैनिक जीवन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि पूर्व में कॉलोनी की सड़क का निर्माण पूर्व कैबिनेट मंत्री अमृता रावत के प्रयासों से पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा कराया गया था। जन समस्याओं को देखते हुए समिति ने सतपाल महाराज से पार्वती कुंज फेज-2 कॉलोनी में शीघ्र ही नालियों का निर्माण एवं सड़क सुधार कार्य कराए जाने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने का अनुरोध किया। कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने ज्ञापन को गंभीरता से लेते हुए समस्या के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

अभिराज डंगवाल अंडर-14 उत्तराखंड क्रिकेट टीम में चयन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। रामनगर स्पोर्ट्स अकादमी के एक होनहार खिलाड़ी अभिराज डंगवाल पुत्र विकास डंगवाल का चयन अंडर-14 उत्तराखंड क्रिकेट टीम में हुआ है। यह खिलाड़ी मध्यप्रदेश में आयोजित राज सिंह डूंगरपुर ट्रॉफी में उत्तराखंड टीम का प्रतिनिधित्व करेगा।

अकादमी के कोच हिमांशु चौहान, मोहम्मद इकरार व भास्कर नंद ओर मोहम्मद दानिश और रामनगर सपोर्ट्स अकादमी के सदस्य भूपेंद्र मेहरा, वीरेंद्र पाल ,गौतम फर्त्याल एवं सतीश पोखरियाल स्वाति राजपूत ने खिलाड़ी की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बसंत उत्सव का किया गया आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। प्रगतिशील सांस्कृतिक पर्वतीय समिति पैठपड़ाव मे संस्कार भारती के नेतृत्व में बसंत उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। तीन दिवसीय इस महोत्सव का आगाज गुरुवार से शुरू हो गया है। महोत्सव का शुभारंभ विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने किया है। आज शंक बजाओ प्रतियोगिता स्कूल के बच्चे और ऐपण प्रतियोगिता में महिलाओं ने बढ़ चलकर हिस्सा लिया है। वहीं दुर्गापुरी मंदिर से जुलूस निकाला गया। जुलूस में 9 महिला सहायता समूह, स्कूल की 8 टीम, संस्कृति विभाग की 4 टीमों व झोलिया टीम ने उत्तराखंड कि संस्कृति पर आधारित झाकियों को शामिल किया गया है। वही बालम सिंह बिष्ट व राजीव शाह के साथ तारा सती निर्णायक मंडल मे शामिल रही। इस दौरान भगीरथ लाल चौधरी, राकेश नैनवाल, भूपेंद्र सिंह खाती, कमल बेलवाल, गिरीश मठपाल, दीप जोशी,कमल सती, मोहन बिष्ट, नवीन करगेती, विनीत रिखाड़ी, मनोज पपने, मानवेन्द्र कालाकोटी, रोहित गोस्वामी, भावना भट्ट, भरत तिवारी, ऋषि अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

नैनीताल जिले में नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की कवायद शुरु

डीएम ललित मोहन रयाल ने 26 जनवरी तक सड़कों को गड्ढामुक्त करने के निर्देए दिए

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल जिले में गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) तक जिले में बीरवार से एक विशेष अभियान शुरु किया जा रहा है। बता दें राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप जनपद में गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) तक नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण एवं स्वच्छ व सुरक्षित तथा सुव्यवस्थित परिवेश के निर्माण हेतु एक विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इस संबंध में विभागों को आदेश जारी करते हुए जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने अवगत कराया कि इस अभियान के अंतर्गत सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त किया जाए। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक मार्गों पर विद्यमान गड्ढों की पहचान कर त्वरित मरममत की जाए। विशेष रूप से विद्यालय, अस्पताल, बाजार, बस अड्डा एवं आबादी से जुड़े मार्गों को प्राथमिकता के ठीक करें। स्वच्छता अभियान में जन सहभागिता से सड़क किनारे, नालियों, सार्वजनिक स्थलों तथा आबादी के प्रवेश बिंदुओं एवं बसासतों के अंतिम छोर पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाए इसमें नागरिकों, सामाजिक संगठनों, व्यापार मंडलों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं एवं युवाओं की सक्रिय भागीदारी रहे। शहरी निकाय क्षेत्रों नगर निगम, नगर पालिका तथा नगर पंचायत क्षेत्रों में नगर आयुक्त, अधिशासी अधिकारी स्वयं नेतृत्व करते हुए अभियान का संचालन करेंगे। अभियान में अधिकाधिक संख्या में आमजन की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाएगी। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था (ग्राम पंचायत), क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत के निर्वाचित प्रतिनिधि एवं अधिकारीगण स्वेच्छा से सक्रिय सहभागिता करेंगे। जिसमें विशेष रूप से सड़क किनारे, आबादी के आरंभिक बिंदुओं तथा बसासतों के अंतिम छोर पर सफाई एवं सुधार कार्य किए जाएंगे। जिलाधिकारी रयाल ने मुख्य विकास अधिकारी समेत अपर जिलाधिकारी तथा सभी उप जिलाधिकारियों व जिला स्तरीय अधिकारियों तथा खण्ड विकास अधिकारियों एवं तहसीलदारों को निर्देश दिए हैं कि वह इस अभियान का व्यक्तिगत संज्ञान लेते हुए क्षेत्रवार निगरानी एवं अनुश्रवण सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि यह अभियान केवल औपचारिकता न होकर जन संवेदना एवं जन उत्तरदायित्व का उदाहरण बने यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की है कि वह भी इस अभियान में बढ़ चढ़कर भाग लेंए स्वच्छता बनाए रखें तथा प्रशासन का सहयोग करें तथा गणतंत्र दिवस को एक स्वच्छ, सुरक्षित एवं गरिमामय वातावरण में मनाने में सहभागी बनें।

राजस्व न्यायालयों में अनियमितताओं पर भड़के वकील

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल में राजस्व न्यायालयों में व्याप्त गंभीर अनियमितताओं और कार्यप्रणाली से नाराज अधिवक्ताओं ने आंदोलन का ऐलान किया है। अधिवक्ताओं में राजस्व न्यायालयों की कार्यशैली को लेकर गहरा रोष है, इस संबंध में अधिवक्ताओं द्वारा जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल को पत्र भेजकर अपनी समस्याओं और आपत्तियों से अवगत कराया है। पत्र में आरोप लगाया गया है कि राजस्व न्यायालयों में बाहरी व्यक्तियों की सक्रिय भूमिका बनी हुई है जिससे न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित हो रही है वहीं पीठासीन अधिकारी समय पर न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहे जिससे वादकारियों और अधिवक्ताओं को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अधिवक्ताओं का कहना है कि जिला विकास प्राधिकरण में मामलों की सुनवाई के लिए मानकों के अनुरूप तिथियां निर्धारित नहीं की जा रही हैं साथ ही ऑर्डर शीट में न तो अधिवक्ताओं और न ही वादकारियों के हस्ताक्षर कराए जा रहे हैं जो न्यायिक नियमों का खुला उल्लंघन है। पत्र में एडीएम के व्यवहार पर भी कड़ी आपत्ति जताई गई है और कहा गया है कि अधिवक्ताओं के साथ लगातार अमर्यादित एवं अनुचित व्यवहार किया जा रहा है जो किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है वहीं राजस्व वादों में सम्मन तामीली की रिपोर्ट समय से दाखिल नहीं होने के कारण मामलों के निस्तारण में अनावश्यक विलंब हो रहा है। अधिवक्ताओं का यह भी कहना है कि वादों से संबंधित सामान्य जानकारी प्राप्त करने के लिए भी उन्हें संघर्ष करना पड़ रहा है। जिला प्रशासन को पूर्व में भी अवगत कराया जा चुका है लेकिन राजस्व न्यायालयों प्राधिकरण और संबंधित अधिकारियों की कार्यप्रणाली में कोई सुधार नहीं हुआ। आक्रोशित अधिवक्ताओं ने कहा कि 27 जनवरी को डीएम कार्यालय में धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

एक नजर

हिडिंबाधाम में पेयजल समस्या का होगा समाधान

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल जिले के भीमताल स्थित पाण्डव कालीन सातताल से लगभग तीन किलोमीटर ऊपर की ओर स्थित वनखंडी आश्रम हिडिंबा धाम में पानी की किल्लत का समाधान जल्द होगा। बता दें सामाजिक कार्यकर्ता पूरन चंद्र बृजवासी की लगातार कोशिशों के बाद जल संस्थान ने 173 लाख की डीपीआर गठित कर शासन को भेजी है और शासन स्तर से ईएफ सी की कार्यवाही पूर्ण हो चुकी है। जल संस्थान के अधिशासी अभियंता गर्बियाल ने बताया कि शीघ्र ही इस योजना की निविदा की कार्यवाही की जाएगी, जिससे हिडिंबा धाम में पेयजल समस्या का समाधान होगा। यह योजना देश दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी राहत होगी, जो सालभर यहां आते रहते हैं और धार्मिक कार्यक्रम तथा अनुष्ठान व पूजा पाठ करते हैं। पूरन बृजवासी ने बताया कि उन्होंने इस मामले को लेकर विभाग, जिला प्रशासन व शासन के अधिकारियों के साथ लगातार लाइजेन बनाई रखी जिससे यह योजना धरातल पर उतरने जा रही है।

सीलमोड़ीया ने ट्राफी पर जमाया कब्जा

नैनीताल। ग्रामीण क्षेत्रीय प्रीमियम लीग खुर्पाताल क्रिकेट प्रतियोगिता में वीरवार को फाइनल मुकाबला खेला गया। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले के मुख्य अतिथि भाजपा के वरिष्ठ नेता व समाजसेवी हेम चंद्र आर्य रहे। इस दौरान आयोजकों ने मुख्य अतिथि आर्य को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। इससे पूर्व प्रतियोगिता का शुभारंभ सांस्कृतिक कार्यक्रमों से किया गया। इस दौरान मैदान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में नैनीताल जिले की 20 टीमों ने प्रतिभाग किया। वीरवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में जोगयूड़ा की टीम ने 12 ओवर में सभी विकेट खोकर 136 रन बनाए, वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए सीलमोड़ीया की टीम ने 10 ओवर में एक विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। मुख्य अतिथि ने विजेता टीम को 12 हजार रुपए और उपविजेता टीम को 8 हजार रुपए का नगद इनाम देकर सम्मानित किया गया। अंपायर की भूमिका में भूपेंद्र कुमार और अजय कनवाल ने निभाई। मैच का देखा हाल उत्तराखंड राज्य गीत के लेखक हेमंत बिष्ट ने सुनाया। इस दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवकी बिष्ट समेत गोविंद अधिकारी, हंसी नेगी, प्रेमा मेहरा, क्षेत्र पंचायत सदस्य त्रिलोक राठौर, पूर्व प्रधान बजून गोविंद राणा, भूतपूर्व जिला पंचायत सदस्य गणेश मेहरा, विक्रम कनवाल, तारा कनवाल, मनीष कनवाल, बब्लू राठौर, दीपक बिष्ट, दर्शन कनवाल व दिगंबर सिंह आदि मौजूद रहे।

कच्ची शराब पर प्रतिबंध लगाने की मांग

हल्द्वानी। लामाचौड़ क्षेत्र में बढ़ रही शराब तस्करी पर अंकुश लगाने की मांग को लेकर गुरूवार को एकता जनसेवा फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी ललित मोहन रायल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। डीएम को सौंपे गए ज्ञापन में कहा संगठन ने कहा कि लामाचौड़ क्षेत्र में कच्ची शराब का कारोबार लंबे समय से चल रहा है, और पुलिस प्रशासन इस पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा। न तो शराब बेचने वालों का सत्यापन किया गया है और न ही किसी प्रकार की कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही उन्होंने कहा आबकारी विभाग द्वारा आवंटित दुकानों का कार्य समय कम किया जाए ताकि रात्रि के समय होने वाली मारपीट की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। ज्ञापन में कहा कि रात्रि के समय महिलाओं और युवतियों के साथ छेड़छाड़ की घटनाएं बढ़ रही हैं। इसके लिए अराजक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। ज्ञापन देने वालों में प्रदेश अध्यक्ष शिवम सिंह ठाकुर, मोहम्मद नबी, शशि गुप्ता, प्रदेश मीडिया प्रभारी रोहित दिवाकर, बीसी पंत आदि मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा के लिए पुलिस ने किया जागरूक

नैनीताल। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार यातायात दुर्घटनाओं में प्रभावी रोकथाम लगाने हेतु प्रदेश में बीते 16 जनवरी से सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है। एसएसपी नैनीताल डा. मंजुनाथ टीसी द्वारा सभी थानाध्यातायात प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में यातायात जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें उक्त अभियान के तहत डा. जगदीश चन्द्र एसपी नैनीताल के पर्यवेक्षण में नैनीताल पुलिस द्वारा लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सड़क सुरक्षा सप्ताह अभियान के तहत ही मनोज नयाल थानाध्यक्ष तल्लीताल के नेतृत्व में एएसआई अंजुला जॉन व पुलिस टीम द्वारा तल्लीताल स्थित गांधी चौक में यातायात नियमों के प्रति स्थानीय लोगों तथा पर्यटकों को जागरुक किया गया।

अखिल ब्राह्मण उत्थान महासभा ने की शोकसभा

काशीपुर। अखिल ब्राह्मण उत्थान महासभा की शोक सभा अखिल ब्राह्मण उत्थान महासभा के कार्यालय स्व. सत्येंद्र चंद्र गुड़िया मार्ग स्थित श्री जगदीश प्रेरणा भवन में हुई, जिसमें अखिल ब्राह्मण उत्थान महासभा की युवा विंग के महामंत्री शिवम शर्मा के दादा पं. हरिशंकर शर्मा संरक्षक ब्राह्मण सभा समिति काशीपुर के निधन पर शोक व्यक्त किया गया तथा दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हुए उनके परिजनों को इस गहन दुख को सहने की क्षमता प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। शोक सभा में प्रदेश अध्यक्ष हेमभट्ट, प्रदेश महामंत्री उमेश जोशी एडवोकेट, नगर अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार मिश्रा, बसंत बल्लभ भट्ट, विमल गुड़िया, दीपिका गुड़िया, पंकज पंत, डा. रजनी शर्मा, संदीप चतुर्वेदी, प्रदीप जोशी, मोहन चंद्र पपने, भास्कर त्यागी एडवोकेट, देवांग मिश्रा एडवोकेट आदि मौजूद थे।

18 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन

नैनीताल। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद जनपद नैनीताल के तत्वावधान में भीमताल में बीरवार को आठवें दिन गेट मीटिंग कर सरकार से कर्मचारियों की 18 सूत्रीय मांगों को यथा शीघ्र मंजूर के जाने का आह्वान किया गया। गेट मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए परिषद के जिलाध्यक्ष असलम अली ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कर्मचारियों की पुरानी एसीपी, गोल्डन कार्ड की विसंगति तथा वेतन विसंगति से जुड़े प्रकरणों पर राज्य सरकार द्वारा अभी तक कोई भी ठोस निर्णय नहीं ले जाने से प्रदेश भर के कर्मचारियों मे व्यापक आक्रोश फैल गया है, जिस कारण प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर प्रथम चरण के अंतर्गत 15 जनवरी से प्रदेश भर में कर्मचारी आंदोलन कर रहे हैं लेकिन अभी तक सरकार द्वारा सकारात्मक पहल नहीं की जा रही है जिससे कर्मचारियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। कहा कि जनपद नैनीताल के विभिन्न संगठनों के कर्मचारी आंदोलन में व्यापक भागीदारी निभाने के लिए पूर्ण रूप से तैयार हैं। बैठक का संचालन सतीश कुमार द्वारा किया गया। बैठक में परिषद के भोपाल सिंह बिष्ट, रश्मि, प्रकाश चंद, सोनिया अरोरा, बृजमोहन सिंह, ललित कुमार, हरीश चन्द्र, मनोज कुमार, रीना, ज्योति पांडे, कुसुम, दीपा बिष्ट, विजय भट्ट, संदीप कुमार, शकुंतला, लक्ष्मी सिंह, जितेंद्र भास्कर, सुनीत शाह, दीपक खुल्बे, हीरा सिंह रोतेला, डा. कनिका साह, कमला रैखोला, शशि, रमेश चन्द्र भट्ट, सुनील जोशी, सुरेश जोशी, भूपेंद्र लाल, दलीप सिंह, पीसी ध्यानी, मुकेश कुमार, अमरनाथ गोस्वामी, बिशन सिंह तथा शमशेर सिंह उपस्थित थे।

ग्राफिक एरा में एंग्री बर्ड्स एडिशन का उद्घाटन

देशभर से प्रतिभाशाली युवाओं ने किया प्रतिभाग, हैकाथॉन को मिली राष्ट्रीय पहचान

शाह टाइम्स संवाददाता

भीमताल। ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल परिसर में बुधवार को राष्ट्रीय स्तर के हैकाथॉन हैक द विंटर-द सेकंड वेव (एंग्री बर्ड्स एडिशन) का भव्य उद्घाटन हुआ। इस आयोजन में देशभर से प्रतिभाशाली युवा भागीदारों ने हिस्सा लिया, जिनमें करीब 65 प्रतिशत प्रतिभागी उत्तराखंड के बाहर से थे, जिससे इस हैकाथॉन को राष्ट्रीय पहचान मिली। इस हैकाथॉन का उद्देश्य नवाचार, टीमवर्क और अनुकूलन क्षमता को बढ़ावा देना है। चयनित फाइनलिस्टों ने दो कठिन ऑनलाइन स्क्रीनिंग राउंड पार किए थे, और वे देशभर के विभिन्न हिस्सों से आए, जैसे चेन्नई और मुंबई से। 24 घंटे चलने वाले इस हैकाथॉन ने प्रतिभागियों को वास्तविक जीवन की

समस्याओं पर काम करने का अवसर दिया। उद्घाटन समारोह में पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन किया गया, जिससे कार्यक्रम को प्रेरणादायक माहौल मिला। भीमताल परिसर के निदेशक ने कहा कि आज के समय में हैकाथॉन केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि समाजोपयोगी समाधान विकसित करने का एक सशक्त मंच बन चुके हैं। डा. अंकुर बिष्ट, विभागाध्यक्ष कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग ने ग्राफिक एरा के वैश्विक तकनीकी साझेदारियों और प्रयोगशालाओं की जानकारी साझा की। समारोह में कुमाऊं की समृद्ध संस्कृति को दर्शाती सांस्कृतिक प्रस्तुति ने आयोजन को रंगीन बनाया। इसके अलावा, प्रसिद्ध यूट्यूबर श्रीधर मंकर ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कोडिंग पर अपना संवादात्मक सत्र आयोजित किया। हैकाथॉन के विजेताओं के लिए आकर्षक पुरस्कार तय किए गए हैं, जिनमें प्रथम पुरस्कार 1,30,000 रुपए के आईपैड, द्वितीय पुरस्कार 60,000 रुपए, तृतीय पुरस्कार 30,000 रुपए और श्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन के लिए 10,000 रुपए का विशेष पुरस्कार शामिल हैं। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, और इसके बाद प्रतिभागी अंतिम चरण इंपैकट जोन में जुट गए।

हाईकोर्ट ने दी राज्य सरकार व जल संस्थान को तीन हफ्ते की मोहलत

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने जल संस्थान में अवर अभियंता के पद पर कार्यरत याचिकाकर्ता को पुरानी पेंशन योजनाओं का लाभ दिए जाने को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद शीतकालीन अवकाशकालीन न्यायमूर्ति आलोक महरा की पीठ ने राज्य सरकार सहित जल संस्थान से तीन सप्ताह में जवाब पेश करने को कहा है, साथ में कोर्ट ने यह भी कहा है कि याचिकाकर्ता के देयकों का भुगतान, याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रहेंगे। मामले के अनुसार ललित मोहन पांडे ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर कहा है उन्होंने जल संस्थान में अवर अभियंता पद के लिए आवेदन किया था। वर्ष 2002 की चयन प्रक्रिया के तहत 15 जून 2004 को उनका परीक्षा परिमाण घोषित हुआ था। वे इस पद के लिए पात्र पाए गए लेकिन शासन की देरी की वजह से उनको जनवरी 2006 में अवर अभियंता के पद पर जल संस्थान में नियुक्ति दी गयी। याचिकाकर्ता पुरानी पेंशन योजनाओं के तहत दी जाने वाली समस्त लाभों को पाने का हकदार था और पुरानी पेंशन योजनाओं का लाभ पाने का विकल्प भी शासन को दे चुका है, जिसकी संस्तुति भी जल संस्थान ने शासन को भेज दी गयी लेकिन शासन ने 15 दिसंबर 2025 को एक आदेश पारित कर उस संस्तुति को निरस्त करते हुए कहा कि आपको पुरानी पेंशन योजनाओं का लाभ नहीं दिया जा सकता क्योंकि आपकी नियुक्ति 2006 में हुई है जबकि याचिकाकर्ता 31 जनवरी 2026 को सेवानिवृत हो रहा है। वीरवार को कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद जल संस्थान व राज्य सरकार से तीन सप्ताह में जवाब प्रस्तुत करने के साथ ही यह भी कहा है कि याचिकाकर्ता के देयकों का भुगतान याचिका के निर्णयाधीन रहेगा।

नाला डायवर्जन के लिए त्वरित शुरू हुई कवायद

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बिठौरिया नम्बर-1 स्थित बनचौकी से बरसाती नाले के डायवर्जन के कार्य को शीघ्र शुरू करने के लिए नगर मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में माइन्स और सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने स्थलीय निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के बाद बृहस्पतिवार को संयुक्त आख्या जिलाधिकारी (डीएम) को भेजी गई। 18 जनवरी को गैरवैशाली क्षेत्र के जलभराव से प्रभावित 16 कालोनियों की एक बृहद बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में विधायक बंशीधर भगत, नगर मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान, खान अधिकारी और सिंचाई विभाग के एसडीओ ने भाग लिया। विधायक की डीएम से हुई वार्ता के बाद यह तय किया गया था कि संबंधित अधिकारियों द्वारा शीघ्र संयुक्त आख्या डीएम को भेजी जाएगी, ताकि डायवर्जन कार्य के लिए 1 करोड़ 88 लाख रुपये का बजट उपलब्ध कराने के लिए खनन न्यास की बैठक आहूत की जा सके। इस सहमति के तहत नगर मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान, खान अधिकारी मनोज कुमार और सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता डीएस रावत के संयुक्त हस्ताक्षर वाली आख्या और प्रभावितों के ज्ञापन को नगर मजिस्ट्रेट ने डीएम को प्रेषित किया। देवकीबिहार विकास समिति के अध्यक्ष रिटायर्ड असिस्टेंट आडिट ऑफिसर रमेश चन्द्र पाण्डे ने नगर मजिस्ट्रेट से मुलाकात कर आख्या समय पर डीएम को भेजे जाने पर खुशी जाहिर की और उनका धन्यवाद व्यक्त किया।

सरकारी भूमि पर रेस्टोरेंट सील

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल जिले के भीमताल विकास खंड के नैनीताल-कालाढूंगी मोटर मार्ग में स्थित मंगोली में सरकारी भूमि पर बने रेस्टोरेंट लंबे समय से विवाद के बाद एसडीएम कोर्ट से संपत्ति को सील करने के आदेश पारित होने के बाद राजस्व की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने पहुंच मुनादी के बाद अवैध रेस्टोरेंट को सील कर दिया है। बता दें कि मंगोली क्षेत्र स्थित चशेड़ी रेस्टोरेंट संचालन को लेकर संचालक व ग्रामीणों में विवाद की स्थिति बनी हुई थी। बीते दिसंबर माह-2025 में रेस्टोरेंट संचालक उमा देवी की तहरीर पर ग्रामीणों पर मुकदमा दर्ज होने के बाद विरोध प्रदर्शन हुआ था। मामले की जांच की मांग के बाद तहसीलदार अक्षय भट्ट ने जांच की तो रेस्टोरेंट सरकारी भूमि पर होने की

पुष्टि हुई। मामला एसडीएम कोर्ट में चलने के बाद कोर्ट ने संपत्ति को सील करने के आदेश जारी किये थे। मामले में बीरवार को तहसीलदार अक्षय भट्ट के नेतृत्व में राजस्व व पुलिस की टीम मौके पर पहुंची, जहां टीम ने रेस्टोरेंट को सील कर दिया है। कार्रवाई के दौरान हंगामे की आशंका के चलते क्षेत्र में भारी पुलिस बल भी तैनात रहा। एसडीएम नवाजिश खलीक ने बताया कि सरकारी भूमि पर बने रेस्टोरेंट को सील कर उस पर कबजा ले लिया गया है। इस दौरान कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक हेम चंद्र पंत, कानूनगो एचआर ममगई व अन्य लोग मौजूद थे।

पांच करोड़ से चकाचक होगी सड़क

शाह टाइम्स संवाददाता

धारी। धारी ब्लॉक के धारी से पोखराड और चौखुटा कसियालेख तक का मोटर मार्ग लंबे समय से खस्ताहाल था, जिसके कारण ग्रामीणों, किसानों और पर्यटकों को यात्रा में कफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। इस स्थिति को देखते हुए, ग्रामीणों ने विधायक राम सिंह कैड़ा से मार्ग पर डामरीकरण करने की मांग की। विधायक कैड़ा ने जनता की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश दिए। इसके बाद, विधायक कैड़ा ने मुख्यमंत्री से इस मोटर मार्ग पर डामरीकरण के लिए धनराशि स्वीकृत करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने विधायक की मांग

को स्वीकार करते हुए मोटर मार्ग पर डामरीकरण के लिए 5 करोड़ 47 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की है, जिसका शासनादेश अब जारी हो चुका है। विधायक कैड़ा ने कहा कि इस मार्ग पर डामरीकरण का कार्य शीघ्र शुरू किया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भीमताल विधानसभा क्षेत्र के अन्य क्षतिग्रस्त मार्गों पर भी डामरीकरण का कार्य लगातार किया जा रहा है। विधायक कैड़ा ने हाल ही में भीमताल विधानसभा क्षेत्र के पटरानी, ककोड गैना, नैथना, हरीशताल, लुगड जैसे गांवों का दौरा कर ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने अधिकारियों को ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए।

दुकान पर जाकर गाली गलौच व धमकी देने का मुकदमा खारिज

काशीपुर। सिविल जज/न्यायिक मजिस्ट्रेट, काशीपुर की अदालत ने अधिवक्ताओं की बहस व तर्कों से संतुष्ट होकर दुकान पर जाकर गाली गलौच व धमकी देने का मुकदमा खारिज कर दिया है। मौहल्ला खत्रियान, पुरानी सब्जी मण्डी, काशीपुर निवासी कृष्ण गोपाल गुप्ता पुत्र स्व. नरेन्द्र कुमार गुप्ता ने धारा 246, 316 (2), 351(2), 352 बीएनएस के अन्तर्गत सिविल जज/न्यायिक मजिस्ट्रेट, काशीपुर जिला उधमसिंहनगर के यहां वाद दायर कर कहा कि ललित गुप्ता, निवासी कृष्णा इन्क्लेव, चीमा चौराहा, काशीपुर ने उनके खिलाफ 32,25,000 रुपये का चैक बाउंस का मुकदमा देहरादून में कर रखा है। कहा कि ललित गुप्ता ने वर्ष 2018 में ब्लैंक चैक और सादे कागज पर हस्ताक्षर ले लिये थे और उसके बाद चैक का मुकदमा होने के बाद 12 अगस्त 2025 को शाम 6.30 बजे ललित गुप्ता, कृष्ण गोपाल गुप्ता की मेन मार्केट, टण्डन इलैक्ट्रिक के पास वाली दुकान पर आया और गालिया देते हुए कहने लगा कि पैसे तो तेरे बाप को देने पड़ेंगे। हम फाईनेंसर हैं, तेरा कत्ल करा देंगे। इस घटना की रिपोर्ट जब पुलिस ने नहीं लिखी तो कृष्ण गोपाल गुप्ता ने परिवाद न्यायालय में दायर किया। कृष्ण गोपाल गुप्ता द्वारा इस मुकदमे के सम्बन्ध में मुकेश, निवासी रहमखानी, काशीपुर व अपनी पुत्री हर्षि गुप्ता एडवोकेट के बयान कराये। इस मामले में ललित गुप्ता की ओर से अधिवक्ता अमरीश अग्रवाल, मुनिदेव विश्नोई व भारत भूषण ने आपत्ति दायर कर कहा कि कृष्ण गोपाल गुप्ता पर देहरादून में चैक बाउंस का मुकदमा चल रहा है, और जहां की घटना बताई है, वह मेन मार्केट है। कोई सीसीटीवी फुटेज नहीं है। इस प्रकार चैक का मुकदमा खत्म कराने के उद्देश्य से वर्तमान मुकदमा किया गया है।

बड़े बूथों को शक्तिकेन्द्रों में स्थापित करेगी भाजपा

बागेश्वर। विकसित भारत गारंटी फार रोजगार एण्ड आजीविका मिशन ग्रामीण की एक कार्यशाला भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष प्रभा गढ़िया की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश किसान मोर्चा प्रभारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट रहे। कार्यशाला में तय किया गया कि जिले में जल्द सभी मोर्चों का गठन किया जाएगा। जिले के सभी बूथों में जनसंख्या बड़ी हुई है, बड़े हुए बूथों को शक्ति केंद्र में समायोजित करना है। बैठक में चर्चा हुई कि वी.सी राम जी की कार्यशाला प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर एवं प्रत्येक बूथ स्तर पर की जाएगी। प्रत्येक गांव स्तर पर कार्यशाला करते हुए ग्रामीणों को जी राम जी के बारे में बारीकी से जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विधायक बागेश्वर पार्वती दास, कपकोट सुरेश गढ़िया, राज्य मंत्री शिव सिंह बिष्ट, पूर्व कैबिनेट मंत्री बलवंत सिंह भौरयाल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जी राम जी के संबंध में आने वाले दिनों में होने वाले कार्यशालाओं के बारीकी के बारे में बताता। इस मौके पर कुंदन सिंह लटवाल ने कार्यशाला को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को समन्वय से कार्य करने की बात कही। इस मौके पर जिला पदाधिकारी मंडल पदाधिकारी जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र पंचायत सदस्य ग्राम प्रधान एवं बूथ स्तर के सभी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लिफ्ट सिंचाई योजना का भूमिपूजन

बागेश्वर। जिला योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत गैरखेत में सिंचाई विभाग द्वारा 1 करोड़ 18 लाख 87 हजार रुपये की लागत से निर्माणाधीन गैरखेत लिफ्ट सिंचाई योजना के भूमिपूजन कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ। जल्द ही इस परियोजना के निर्माण कार्य को पूर्ण कर क्षेत्र की जनता को समर्पित किया जाएगा। विधायक कपकोट सुरेश गड़िया ने कहा कि यह योजना ग्रामीणों के लिए मील का पत्थर साबित होगी। इस अवसर ग्राम प्रधान गैरखेत मंजू देवी, निवर्तमान ज्येष्ठ प्रमुख हरीश मेहरा, चंद्र सिंह कपकोटी, बूथ अध्यक्ष आनंद कपकोटी, गोविंद कपकोटी, दरवान कपकोटी, भूपाल कपकोटी, मोहन कपकोटी, प्रताप कपकोटी, लक्ष्मण कपकोटी, रवि शाही, कमल कपकोटी, राजेंद्र नगरकोटी रहे।

जंगलों को हरा बनाने का प्रयास

बरसात के समय जंगलों में फेंकी जाएंगी डिस्क व सीड बॉल

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। जंगलों को हरा भरा करने के लिए जैव प्रौद्योगिकी परिषद में सीड बॉल या सीड डिस्क तैयार की जा रही हैं जिनको बरसात व उससे पूर्व जंगलों में फेंका जाएगा। परिषद के निदेशक डा. संजय कुमार के निर्देशन में संस्थान की ओर से किसानों व अन्य लोगों को भी सीड बाल बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

बता दें कि सीड बॉल या बीज बम बीजों को मिट्टी, खाद और कभी-कभी अन्य पदार्थों के मिश्रण में लपेटकर बनाई गई गेंदें होती हैं जो बिना खुदाई किए या पारंपरिक रोपण विधियों के वनीकरण में मदद करती हैं। इनको आसानी से खाली या पहुंच से बाहर स्थानों पर फेंका जा सकता

है। जहाँ बारिश होने पर ये अपने आप अंकुरित हो जाते हैं। जैव प्रौद्योगिकी संस्थान पटवाडांगर के प्रभारी डा. सुमित पुरोहित ने बताया कि परिषद में हर वर्ष सीड डिस्क या सीड बॉल बनाई जाती हैं। जिनको ऐसे स्थानों में फेंका जाता है जहां पेड़ पौधे कम हों। जहां पौधरोपण की आवश्यकता हो लेकिन आसानी से जाना मुश्किल हो। बताया कि इस वर्ष भी परिषद में सीड बॉल तैयार की जा रही हैं जिनको वन विभाग की मदद से जंगलों में फेंका जाएगा। बताया कि स्थानीय किसानों को भी इसका प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि वह भी अपने क्षेत्रों में वनीकरण के लिए आसानी से इनका प्रयोग कर सकें। डा. सुमित पुरोहित के मुताबिक सीड बॉल में मिट्टी की बाहरी परत बीजों को पक्षियों, कीड़ों और अन्य छोटे वन्यजीवों द्वारा खाए जाने से बचाती है और साथ ही उन्हें हवा या बारिश से बह जाने से भी रोकती है। बताया कि यह पारंपरिक रोपण का एक आसान तथा कुशल और किफायती तरीका है। सीड बॉल आसपास के क्षेत्रों को हरा भरा बनाने, स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद करती है। इस विधि से पौधे बिना किसी प्रत्यारोपण आघात के स्वाभाविक रूप से विकसित होते हैं जिससे उनकी जड़ें मजबूत होती हैं।

राशन कार्ड के 33 मामलों का शिविर में हुआ निस्तारण

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल जिले के रामगढ़ विकास खण्ड के अंतर्गत न्याय पंचायत बिछखाली में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग की ओर से क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी सुरेन्द्र सिंह बिष्ट ने शिविर में पहुंचकर जनता को विभाग से संबंधित जानकारी दी गई। बिष्ट ने कहा कि बहुउद्देशीय शिविर में खाद्य विभाग को न्यायपंचायत के विभिन्न ग्राम पंचायतों से राशन कार्ड में संशोधन किए जाने अर्थात नाम जोड़े जाने तथा नाम हटाए जाने और नए राशन कार्ड बनाने के संबंध में कुल 35 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 33 आवेदन पत्रों का मौके पर ही निस्तारण किया गया और बचे 2

आवेदन पत्र पर मौके पर दस्तावेज मुहैया न होने के कारण कार्यवाही गतिमान है। इस मौके पर न्याय पंचायत बिछखाली के विभिन्न ग्राम पंचायतों से ग्रामीणों द्वारा शिविर में पहुंचकर शिविर का लाभ उठाया। खाध विभाग द्वारा मौके पर ही राशन कार्ड संबंधी समस्या का समाधान कर जनता को लाभ प्रदान किया गया। शिविर का समापन होने के पश्चात भी खाद्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी कार्य करने में जुटे रहे। इस मौके पर क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी बिष्ट द्वारा शिविर में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रीय जनता से अपील की कि सभी राशन कार्ड धारक अपने राशन कार्ड में दर्ज परिवार के सभी सदस्यों की अनिवार्य रूप से संबंधित उचित दर विक्रेता की दुकान में राशन कार्ड और आधार कार्ड ले जाकर 30 जनवरी तक अनिवार्य रूप से ई केवाईसी करवा लें।

नगर निगम जनसुनवाई कार्यक्रम में समस्याओं का लगा अंबार

जल भराव को लेकर मेयर प्रतिनिधि व पार्षद प्रतिनिधि में नोंक-झोक

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। नगर निगम द्वारा वार्ड संख्या 1 शेरपुर और 2आदर्श नगर के निवासियों के लिए 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वारा' जनसुनवाई शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मेयर अनीता अग्रवाल और मुख्य नगर आयुक्त राकेश चंद्र तिवारी ने अधिकारियों के साथ जनता की समस्याएं सुनीं। कार्यक्रम में जल निकासी, नाला निर्माण और अतिक्रमण जैसे मुद्दे प्रमुखता से छाए रहे।

शिविर में नगर निगम और अन्य विभागों के उच्चाधिकारी मौजूद रहे, जिनमें सहायक नगर आयुक्त शिवानी सलार, कर अधीक्षक एसपी गुप्ता, निर्माण विभाग के जेई गुरदयाल सिंह, जल संस्थान की एई प्रीति सिंह, पीडब्ल्यूडी से एई दीपा सिंह और सिंचाई विभाग से विपिन सैनी शामिल थे। अधिकारियों ने मौके पर ही जनता की शिकायतों को पंजीकृत कर संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। वार्ड संख्या 1 व 2 की मुख्य मांगें-नाला निर्माण: वार्ड 1 के पार्षद प्रतिनिधि अमित कुमार ने मलकपुर चुंगी से न्यू आदर्श नगर और फिर पठारपुरा से होते हुए नदी तक बड़े नाले के निर्माण

की मांग की। उन्होंने बताया कि इस नाले के बिना क्षेत्र को जलभराव से मुक्ति मिलना असंभव है। जलभराव व अवैध कब्जा: वार्ड 2 के पार्षद सचिन कश्यप ने जलभराव की विकट समस्या उठाई। उन्होंने निगम की विवादित भूमि पर हो रहे अवैध कब्जों और वहां संचालित

❖जल निकासी, नाला निर्माण व अतिक्रमण जैसे मुद्दों की गूंज

अवैध नर्सरी का कड़ा विरोध करते हुए अधिकारियों से कार्रवाई की मांग की। शिविर में हुई तीखी नोकझोंक...कार्यक्रम के दौरान उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई जब वार्ड संख्या 14 के पार्षद प्रतिनिधि अनुराग त्यागी अपने समर्थकों के साथ जलभराव की समस्या लेकर पहुंचे। उन्होंने नगर निगम पर वार्ड की अनदेखी का आरोप लगाया। इस दौरान मेयर प्रतिनिधि ललित मोहन अग्रवाल और पार्षद प्रतिनिधि के बीच तीखी बहस हुई। मेयर प्रतिनिधि ने नाराजगी जताते हुए कहा कि कुछ लोग राजनैतिक द्वेष के चलते शिविर की व्यवस्था को बाधित करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि निगम हर वार्ड के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और कार्यों में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जा रहा है। मेयर अनीता अग्रवाल ने जनता को आश्वस्त करते हुए कहा कि, ष्जनता की समस्याओं का समाधान हमारी

प्राथमिकता है। जल निकासी और नाला निर्माण की फाइलों पर तेजी से कार्य किया जाएगा और अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध सख्त रुख अपनाया जाएगा। मुख्य नगर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सात दिनों के भीतर समस्याओं की स्टेटस रिपोर्ट पेश की जाए।

पुलिस ने दबोचे दो वाहन चोर रॉयल इनफील्ड बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। जनपद में वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार द्वारा चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत कोतवाली रुड़की पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। चोरी कर अपने शौक पूरे करने वाले दो शातिर वाहन चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की गई रॉयल एनफील्ड बुलेट बरामद की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 20 जनवरी 2026 को वादी मुकदमा हरीश चन्द्र शर्मा पुत्र सुनील शर्मा, निवासी शिवाजी कॉलोनी ढंडेरा, द्वारा कोतवाली रुड़की में एक लिखित तहरीर दी गई। तहरीर में बताया गया कि दिनांक 18 जनवरी 2026 को दोपहर लगभग 3 बजे शिव चौक बुचड़ी फाटक के पास स्थित श्मशान घाट क्षेत्र से उनकी रॉयल एनफील्ड मेट्योर 350 मोटरसाइकिल संख्या न्ज्ञ17-9544 अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गई। तहरीर के आधार पर कोतवाली रुड़की में मुकदमा संख्या 25/2026 पंजीकृत किया गया। वाहन चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक मनीष उपाध्याय द्वारा अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की गहनता से जांच की तथा स्थानीय मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। डिजिटल और मैनुअल पुलिसिंग के संयोजन से प्राप्त सुरागों के आधार पर पुलिस ने गोल चौराहे के पास से दो संदिग्धों को दबोच लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई रॉयल एनफील्ड मेट्योर 350 मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम, जिशान पुत्र फुरकान, निवासी ढंडेरा, साबरी मस्जिद के पास, कोतवाली रुड़की, जनपद हरिद्वार , हिमांशु पुत्र सोमपाल, निवासी ढंडेरा, साबरी मस्जिद के पास, कोतवाली रुड़की, जनपद हरिद्वार। पुलिस टीमउप निरीक्षक ध्वजवीर सिंह, हेड कांस्टेबल यूनुस बेग,कांस्टेबल गुलबहार शामिल रहे

पुलिस ने दो वारंटी दबोचे

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। न्यायालय द्वारा जारी वारण्टों की तामील कर अभियुक्तगण के विरुद्ध गंगनहर पुलिस की निरन्तर प्रभावी कार्यवाही मैं एक वारण्टी को धर दबोचा है। वारन्टियों की गिरफ्तारी हेतु अभियान चला कर गठित टीम द्वारा फरार चल रहे वारंटी प्रवीण पुत्र वेद प्रकाश निवासी ग्राम माजरी थाना गागलहेड़ी जिला सहारनपुर उम्र 32 वर्ष को भगवानपुर जनपद हरिद्वार से गिरफ्तार किया गया वारंटी को समय से न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। आरोपी को पकडने वाली पुलिस टीम में अपर उप निरीक्षक मनीष कवि व कांस्टेबल अर्जुन आदि शामिल शामिल रहे।

इमाम हुसैन की विलादत पर लंगर बांटकर दिया

सामाजिक सौहार्द व मोहब्बत का संदेश

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। बृहस्पतिवार को मौला अली इब्ने अबी तालिब (अ.स.) के फरजंद, हजूर-ए-अकरम पैगम्बर मोहम्मद के लख्ते-जिगर, नवासा-ए-रसूल, नौजवानाने जन्नत के सरदार, हक, इंसाफ और कुर्बानी के अमर प्रतीक इमाम हुसैन (अ. स.) की विलादत पूरी अकीदत, एहतराम और खुशी के माहौल में मनाई गई। इस पावन अवसर पर अंजुमन गुलामाने मुस्तफा सोसाइटी (रुड़की चैप्टर) की ओर से रामपुर रोड स्थित उमर कॉलोनी के बाहर एक विशाल आम लंगर का आयोजन किया गया। इस नेक पहल में सभी धर्मों के लोगों, आसपास के नागरिकों, स्थानीय दुकानदारों तथा अंजुमन से जुड़े जिम्मेदार साथियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और आयोजन को सफल बनाने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर अंजुमन के सचिव कुंवर शाहिद ने बताया कि इमाम हुसैन (अ.स.) का जीवन इंसानियत, सब्र, त्याग और जुल्म के खिलाफ डटकर खड़े रहने की एक अनुपम मिसाल है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में भाईचारे, आपसी मोहब्बत और इंसानी मूल्यों को मजबूत करते हैं और यही इमाम हुसैन (अ.स.) की शिक्षाओं का मूल संदेश है। लंगर कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने राजमा-चावल और देसी घी के हलवे का लंगर ग्रहण किया तथा इमाम हुसैन (अ.स.) के प्रति अपनी गहरी अकीदत, श्रद्धा

और सम्मान प्रकट किया। इस अवसर पर हैदर उर्स आसिफ अली, सुहैल खघन (कैटरर्स), सलमान अहमद, शहजाद अहमद, बिलाल खघन, राशिद अहमद (केबल ऑपरेटर), अमजद अली (ठेकेदार), रामपाल सिंह, साहिल मलिक, शादाब कुरैशी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने वाला सराहनीय प्रयास बताया।

बच्चों के विवाद में भिडे दो पक्ष, आधा दर्जन घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। कलियर क्षेत्र के नागल प्लुनी गांव में बच्चों के विवाद को लेकर दो पक्षों में झगड़ा हो गया। दोनो पक्षों में लाठी डंडे ईंट पत्थर चले। झगड़े में दोनो पक्षो के 5 लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुचीं पुलिस ने घायलों को मेडिकल के लिए भेजा।

पिरान कलियर थाना क्षेत्र के नागल प्लुनी गांव में मंगलवार को दो पक्षों के बच्चों को बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। कहासुनी इतनी बढ़ी की दोनो पक्षो में मारपीट शुरू हो गई। उसके बाद दोनों पक्षो में खूब जमकर लाठी डंडे ईंट पत्थर चलने लगे।गांव में अफरा तफरी मच गई।झगड़े में एक पक्ष रियासत,साहिब और गफ्फार और दूसरे पक्ष की और सेशहजाद और मुजफ्फर घायल हो गए।सूचना पर पहुंची पुलिस और आसपास के लोगों ने मामला शांत कराया। पुलिस ने घायलों को मेडिकल के लिए भेजा।वहीं एक पक्ष की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई है। थाना प्रभारी रवींद्र कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों के 5 लोग घायल हो गए है। घायलों को मेडिकल के लिए भेजा गया हैं।मामले की जांच की रही हैं।

बिजली के बिल पर सरचार्ज माफ करने को लेकर लक्सर विद्युत कार्यालय पर प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। अधिशासी अभियंता कार्यालय विद्युत विभाग लक्सर पर सैकंडो फरियादीयो के साथ कार्यालय पर पहुंचे पूर्व राज्य मंत्री किया प्रदर्शन बिजली के बल पर सर चार्ज माफ करें राज्य सरकार नहीं तो पब्लिक को साथ लेकर सड़कों पर होगा संग्राम जिसके जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी

पूर्व राज्य मंत्री रविंद्र आनंद ने कहा कि पिछले वर्ष बाढ़ के कारण किसानों मजदूरों व्यापारियों को बाढ़ के कारण बहुत भारी नुकसान हो गया था जिसको सरकार के द्वारा सभी नेताओं ने आकर 3 महीने का बिजली बिल माफ करने की घोषणा की थी उन्होंने कहा बिजली बिल तो माफ बहुत दूर की बात है बिजली के बिलों पर लगा हुआ सर चार्ज भी यह सरकार माफ नहीं कर रही है उन्होंने यह भी कहा कि बिल ₹1000 का और सर चार्ज ₹2000 का इस तरह से बिल किसी के ऊपर 50 हजार किसी के 1 लाख किसी का दो लाख जिसकी आमदनी कुछ भी नहीं है वह कहां से सरकार को बिल देगा उन्होंने कहा या तो उत्तराखंड सरकार लोगों के बिजली बिलों पर लगाया हुआ सर चार्ज माफ कर दे अन्यथा सड़क पर हजारों लोगों के साथ संग्राम होगा जिसकी जिम्मेदारी

सरकार की होगी वहीं फरियादियों में एक महिला के द्वारा कहा गया कि मैं विधवा औरत हूं कहां से बिल जमा करूं कोई आमदनी नहीं है अगर उत्तराखंड सरकार बिजली के बिलों पर लगा हुआ सर चार्ज माफ कर दे तो किसी से मांग कर बिजली का बिल जमा किया जा सकता है

कलियर में दो बाइक सवार युवक का मोबाइल छीनकर हुए फरार

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। कलियर पुल पर बात करते हुए जा रहे एक युवक से दो बाईक सवार युवकों ने झप्पटा मारकर आईफोन छीनकर फरार हो गए।पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार मंगलौर निवासी शारिक ने बताया कि बुधवार की रात करीब 9 बजे वह कलियर पुरानी गंगनहर के पुल से पैदल कलियर की ओर जा रहा था। इसी दौरान वह अपने आईफोन फोन से बातचीत कर रहा था। तभी पीछे से एक बाइक पर सवार दो युवक आए और झपट्टा मारकर उसके हाथ से मोबाइल फोन छीनकर नए पुल से होते हुए कांवड़ पटरी के रास्ते रुड़की की ओर फरार हो गए।पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। एसओ रविंद्र कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर जांच कर रही हैं।साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

नौचंदी जुमेरात पर दरगाहों पर उमड़ी जायरीनों की भारी भीड़ उमड़ी

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। कलियर में नोचन्दी जुमेरात के अवसर पर दरगाह साबिर पाक, दरगाह इमाम साहब, किलकिलि साहब, पीर गैब अली साहब और अब्दाल साहब पर जायरीनों की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही जियारत का सिलसिला शुरू हो गया जो देर शाम तक जारी रहा।

नोचन्दी जुमेरात इस्लामी कैलेंडर के अनुसार महीने की पहली जुमेरात होती है, जिसे जायरीन बेहद मान्यता रखते हैं। बरेली, रामपुर, मुरादाबाद, बिजनौर, पंजाब, दिल्ली, सहारनपुर, हरियाणा सहित विभिन्न राज्यों और जिलों से बड़ी संख्या में जायरीन कलियर पहुंचे और दरगाह साबिर पाक में चादर पेश कर देश में अमन-चौन की दुआएं मांगी।दरगाह परिसर से लेकर पिपल चौक और मुख्य बाजारों तक जायरीनों की भीड़ देखी गई। एसएसआई सुनील पंत ने बताया कि भीड़भाड़ को देखते हुए दरगाह परिसर सहित कई महत्वपूर्ण स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल लगाया गया था।

पुलिस ने युवक को 315 बोर तमंचा व कारतूस के साथ दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। जनपद में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से हरिद्वार पुलिस द्वारा चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के तहत थाना झबरेड़ा पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को अवैध अस्लाह के साथ गिरफ्तार कर लिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जनपद हरिद्वार के निर्देशानुसार जनपद भर में संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों एवं सक्रिय अपराधियों के विरुद्ध विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 21 जनवरी 2026 को थाना झबरेड़ा पुलिस टीम ग्राम शेरपुर पुलिया के पास चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति की गतिविधियाँ संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर तथा एक जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद हुआ। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मौके से ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान संसार सिंह पुत्र ऋषिपाल, निवासी ग्राम शेरपुर खेलमऊ, थाना झबरेड़ा, जनपद हरिद्वार के रूप में हुई है। आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में आर्म्स एक्ट के तहत वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक रोहित कुमार, हेड कांस्टेबल हरेंद्र सिंह तथा कांस्टेबल नसीबुद्दीन शामिल रहे। स्थानीय स्तर पर पुलिस की इस कार्रवाई को अपराध नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जंगल में चरने गई वनगुर्जर की भैंसें चोरी

रुड़की। जंगल में चरने गई वन गुर्जरों की दो भैंसें चोरी हो गई। सीसीटीवी में कुछ लोग भैंसों को लोडर वाहन में ले जाते नजर आए। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। कोतवाली क्षेत्र के तिलकपुरी डेरा निवासी वन गुर्जर सफरूद्दीन ने पुलिस को बताया कि वह पशुपालक है और तिलकपुरी गांव के बाहर जंगल में डेरे पर रहता है। 11 जनवरी को वह अपनी 8 भैंसों को जंगल में चराने के लिए लेकर गया था। इस दौरान कुछ काम पड़ने पर वह भैंसों को चरता हुआ छोड़कर डेरे पर आ गया। कुछ देर बाद जब वह वापस पहुंचा तो उसकी दो भैंस गायब थी।

आबादी के करीब हाथी दिखने से लोगों में दहशत

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। कलियर क्षेत्र में आबादी के समीप जंगली हाथी दिखाई देने से इलाके में हड़कंप मच गया है। जवाईखेड़ा मोहल्ले बके पास आबादी से सटे खेतों में हाथी के अचानक आ जाने से किसानों और स्थानीय लोगों में भय का माहौल बन गया है। खेतों में काम कर रहे किसानों ने हाथी को देखते ही भागकर अपनी जान बचाई, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई। हाथी की मौजूदगी से किसानों की फसलों को भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है। भय के कारण किसान अपने खेतों में जाने से कतरा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि आए दिन हाथी आबादी क्षेत्र में घुस आते हैं, जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।स्थानीय लोगों और किसानों ने वन विभाग से हाथी को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़े जाने की मांग की है। रेंजर शैलेंद्र नेगी ने बताया कि हाथी पथरी के जंगल से भटककर आबादी की ओर आ गया है। हाथी की तलाश में वन विभाग की टीम लगी हुई है और उसे सुरक्षित रूप से आबादी से दूर जंगल की ओर भेजा जाएगा।

बीएसएम इंटर कॉलेज के मैनेजमेंट ने गरीब छात्रो को बाटें स्वेटर

आर्थिक रूप से गरीब बच्चों की हमेशा संस्थान करता रहा है मदद : ममतेश

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। बी.एस.एम इंटर कॉलेज रुड़की में आज आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को नि:शुल्क स्वेटर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बी.एस.एम शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष, बी.एस.एम इंटर कॉलेज के प्रबंधक परम ममतेश कुमार शर्मा व विशिष्ट अतिथि के रूप में डिग्री कॉलेज के सचिव रजनीश कुमार शर्मा की गरिमामई उपस्थिति रही।

मुख्य अतिथि ममतेश कुमार शर्मा एवं रजनीश कुमार शर्मा ने कहा कि प्रत्येक वर्ष निर्धन गरीब छात्रों को नि:शुल्क स्वेटर वितरित की जाती है। पूर्व में इस नेक कार्य को बी. एस.एम शिक्षण संस्थान के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय मनोहर लाल शर्मा एडवोकेट, पूर्व राज्य मंत्री उत्तराखंड सरकार प्रत्येक वर्ष विद्यालय में पढ़ रहे प्रत्येक गरीब छात्र को स्वेटर वितरित किया करते थे अत: उनकी इस सोच को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी इस कार्यक्रम को आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में गरीब परिवारों के छात्र अध्ययनरत हैं कई छात्रों की

पारिवारिक स्थिति ऐसी है कि वे शीतकाल में अपने लिए स्वेटर तक नहीं खरीद सकते अत: ऐसे जरूरतमंद छात्रों को चिन्हित कर प्रबंध समिति द्वारा स्वेटर वितरित की जाती है। गरीब छात्रों के अध्ययन में किसी भी प्रकार की कमी न रहने पाए इसलिए जरूरत

❖विद्यालय द्वारा छात्रों को निशुल्क अनेकों पाठ्य सामग्रियों को कराया जाता है उपलब्ध

के अनुसार प्रत्येक छात्र का ध्यान रखा जाता है।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य कैप्टन अजय कौशिक ने कहा कि विद्यालय में विभिन्न वर्गों के छात्र आते हैं बहुत से ऐसे छात्र हैं जो गरीब एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवार में से हैं। ऐसे छात्रों की शिक्षा में उनकी पारिवारिकआर्थिक स्थिति अवरोध पैदा न करे इसलिए छात्रों की हर उस आवश्यकता का ध्यान रखा जाता है जिससे वह अपने अध्ययन को जारी रख सकें। विद्यालय एवं प्रबंध समिति द्वारा छात्रों को निशुल्क अनेकों पाठ्य सामग्रियों को उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने बताया कि अनेकों गरीब छात्रों की फीस भी माफ की जाती है। इस अवसर पर कार्यक्रम में अमित कपिल, डॉ. अभय ढौंडियाल, प्रमोद कुमार शर्मा, डी. एन. पाण्डेय,

संगीता गौड़, डॉ. उदयन, कमल मिश्रा, विशाल कुमार शर्मा, विकास गौतम, नीरज कुमार वर्मा, विशेष कुमार, जितेश कुमार, विनय कुमार, मोहित कुमार, संजय, देवराज, नितिन मिश्रा, अंकित कौशिक आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

शुक्रवार, 23 जनवरी 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

राहुल के आरोप

कांग्रेस महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को जिस तरह सरकार ने खत्म किया है, उसको लेकर वह पीएम मोदी पर सीधे निशाना साध रही है। गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय संवाद को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा चाहती है कि देश में लोकतंत्र, संविधान और एक व्यक्ति एक वोट की अवधारणा खत्म हो और आजादी से पहले वाला हिन्दुस्तान फिर से वापस लाया जाए। वह यह भी कहते हैं कि यह इसी सोच का परिणाम है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों को मनरेगा के तहत मिले अधिकार को खत्म करने का काम किया है। मनरेगा रोजगार की गारंटी और सम्मान से जीने का अधिकार देता था और इसके पीछे उसकी सोच थी कि जिसे भी काम की जरूरत हो वह सम्मान के साथ व अधिकार के साथ काम मांग सके। कांग्रेस ने साफ किया कि वह सरकार को अपने मिशन में कामयाब नहीं होने देगी और इसके लिए बराबर लड़ेगी। उन्होंने याद भी दिलाया कि अब से पहले मोदी सरकार किसानों के खिलाफ काले कानून लेकर आई थी, जिससे किसानों ने रोक दिया जो अन्याय किसानों के साथ किया जाता था वही मजदूरों के साथ किया जा रहा है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि किस तरह दबाव के चलते किसानों के तीन काले कानून वापस लिए गए थे। राहुल गांधी मोदी सरकार को किसान विरोधी व मजदूर विरोधी बता रहे हैं। अपने तर्क में वह यह कहते हुए दिखाई देते हैं कि यह सबकुछ पूंजीपतियों के इशारे पर हो रहा है, क्योंकि भाजपा ऐसी व्यवस्था चाहती है जो देश की आजादी से पहले बनी हुई थी। उनकी मंशा है कि हिन्दुस्तान के चुने हुए लोगों के पास शक्ति हो और वह जिस तरह से चाहें देश को चलाएं। मोदी सरकार गरीबों को कुचलने और उन्हें चलाने का अधिकार भाजपा, अडाणी व अंबानी को देना चाहती है। इसके पीछे उसकी सोच यह है कि जब सारे अधिकार उन्हें मिल जाएंगे, तब गरीब पूरी तरह से देश के अमीरों पर निर्भर हो जाएगा। गरीब उनकी बात मानेगा, नहीं मानने पर वह भूखा मरेगा। यही ये लोग चाहते हैं। इसलिए गरीबों के रोजगार का अधिकार देने वाले मनरेगा को खत्म किया गया है। वह देश की आजादी से पहले राजा-महाराजाओं की सरकार जिस तरह चलती थी उसी तरह सरकार चलाना चाहते हैं, जहां संविधान के लिए कोई जगह नहीं है। राहुल गांधी लोगों से आह्वान भी करते हैं वह इस लड़ाई में कांग्रेस का साथ दें। वह पूरे विपक्ष को भी एकजुट रखकर इस लड़ाई को लड़ने की बात भी कह रहे हैं। राहुल गांधी के इन तमाम आरोपों को केवल राजनीति से प्रेरित रहकर खारिज नहीं किया जा सकता। आखिर मनरेगा जैसी योजना में संशोधन की क्या जरूरत थी। उस वक्त तो और भी नहीं जब संशोधन करने की कहीं से भी आवाज न उठ रही हो। मजदूरों को लेकर राजनीति करना ठीक नहीं है।

मनरेगा बचाने की लड़ाई बहुत लंबी

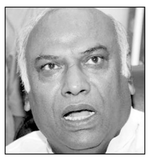

भाजपा और आरएसएस का संबंध अमीरों से है और गरीबों की पीड़ा को वे नहीं समझते हैं, इसलिए गरीबों को गुलाम बनाए रखने के इरादे से ग्रामीण श्रमिकों के हित की महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना (मनरेगा) कानून को खत्म करने का कदम उठाया गया है, मनरेगा बचाने की लड़ाई बहुत लंबी है और इस लड़ाई को एक जगह पर बैठकर या सिर्फ नारे लगाकर नहीं लड़ा और जीता जा सकता है, सरकार मनरेगा खत्म करने का कानून संसद के शीतकालीन सत्र में लाई थी और कांग्रेस ने इसका जमकर विरोध किया था, अब जल्द ही बजट सत्र शुरू होने वाला है और कांग्रेस शीतकालीन सत्र की तरह ही बजट सत्र में भी इस मुद्दे को उठाएगी और सरकार के इस कदम का विरोध करेगी, कांग्रेस इस लड़ाई को तब तक लड़ती रहेगी, जब तक इस कानून को बहाल नहीं किया जाता है। **-मल्लिकार्जुन खड़गे, अध्यक्ष, कांग्रेस**

अंतरिक्ष में वायरस में होने वाले परिवर्तन महत्वपूर्ण अध्ययन का विषय

अंतरिक्ष मानव सभ्यता के लिए केवल तारों और ग्रहों का रहस्यमय विस्तार नहीं है, बल्कि यह जीवन की परिभाषा, उसके व्यवहार और उसके विकास को समझने की एक अनोखी प्रयोगशाला भी है। जैसे-जैसे मनुष्य अंतरिक्ष में अधिक समय बिताने लगा है, वैसे-वैसे यह प्रश्न भी गंभीर होता जा रहा है कि वहां मौजूद सूक्ष्मजीव, विशेष रूप से वायरस, किस प्रकार व्यवहार करते हैं। पृथ्वी पर वायरस पहले से ही जीवन के सबसे रहस्यमय रूपों में गिने जाते हैं, और जब यही वायरस अंतरिक्ष जैसे अत्यधिक भिन्न वातावरण में पहुंचते हैं, तो उनके भीतर होने वाले परिवर्तन वैज्ञानिकों के लिए गहन अध्ययन का विषय बन जाते हैं। अंतरिक्ष में विक. सित या परिवर्तित वायरस को अक्सर स्पेस-एवॉल्व्ड वायरस कहा जाता है, और यह अवधारणा भविष्य की अंतरिक्ष यात्राओं, मानव स्वास्थ्य और जैविक सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बनती जा रही है।

वायरस पृथ्वी पर हर जगह पाए जाते हैं हवा में, पानी में, मिट्टी में और यहां तक कि हमारे शरीर के भीतर भी। वे जीवित और निर्जीव के बीच की एक अनोखी कड़ी माने जाते हैं, क्योंकि वे स्वयं स्वतंत्र रूप से प्रजनन नहीं कर सकते, बल्कि किसी जीवित कोशिका का सहारा लेते हैं। पृथ्वी का वातावरण, गुरुत्वाकर्षण, तापमान और विकिरण का स्तर वायरस के व्यवहार को प्रभावित करता है, लेकिन अंतरिक्ष में ये सभी कारक नाटकीय रूप से बदल जाते हैं। वहां सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण, तीव्र कॉस्मिक विकिरण, सीमित पोषण और अलग प्रकार की जैविक परिस्थितियां मौजूद होती हैं। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि वायरस भी इन परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने लगें। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर किए गए अनेक प्रयोगों से यह सामने आया है कि सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में सूक्ष्मजीवों का व्यवहार बदल जाता है। बैक्टीरिया और वायरस दोनों ही अंतरिक्ष में अलग ढंग से बढ़ते और विकसित होते हैं। कुछ अध्ययनों में यह पाया गया है कि अंतरिक्ष में मौजूद वायरस अधिक सक्रिय हो सकते हैं या उनके संक्रमण की क्षमता में बदलाव आ सकता है। यह परिवर्तन किसी जादुई प्रक्रिया का परिणाम नहीं, बल्कि जैविक अनुकूलन की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। जब कोई जीव या सूक्ष्मजीव नए वातावरण में पहुंचता है, तो उसका जीनोम धीरे-धीरे उन परिस्थितियों के अनुसार ढलने लगता है। कॉस्मिक विकिरण अंतरिक्ष का एक प्रमुख कारक है, जो पृथ्वी के वातावरण में मौजूद ओजोन परत द्वारा काफी हद तक रोका जाता है। अंतरिक्ष में यह सुरक्षा कवच नहीं होता। यह विकिरण वायरस के डीएनए या आरएनए में उत्परिवर्तन कर सकता है। कुछ उत्परिवर्तन वायरस को कमजोर बना सकते हैं, जबकि कुछ उसे अधिक अनुकूल और कभी-कभी अधिक खतरनाक भी बना सकते हैं। यही कारण है कि वैज्ञानिक अंतरिक्ष में वायरस के विकास को लेकर सतर्क रहते हैं।

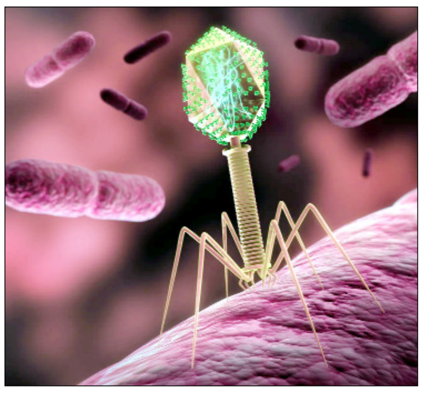

यह केवल अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य का सवाल नहीं है, बल्कि पृथ्वी पर वापस लौटने वाले अंतरिक्ष यानों के साथ संभावित जैविक जोखिम का भी प्रश्न है। स्पेस-एवॉल्व्ड वायरस की अवधारणा केवल सैद्धांतिक नहीं है। कई प्रयोगों में देखा गया है कि अंतरिक्ष में रखे गए वायरस पृथ्वी पर लौटने के बाद अपने मूल रूप से कुछ अलग व्यवहार करते हैं। कुछ वायरस अधिक तेजी से कोशिकाओं को संक्रमित करते पाए गए, जबकि कुछ की प्रतिरक्षा प्रणाली से बचने की क्षमता में बदलाव देखा गया। इसका अर्थ यह नहीं है कि हर अंतरिक्ष-विकसित वायरस खतरनाक ही होगा, लेकिन यह अवश्य दर्शाता है कि अंतरिक्ष जैविक विकास को एक नई दिशा दे सकता है। मानव शरीर स्वयं भी अंतरिक्ष में बदलता है। लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने से अंतरिक्ष यात्रियों की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो सकती है। ऐसे में यदि कोई वायरस अधिक सक्रिय या अनुकूलित रूप में मौजूद हो, तो संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। यही कारण है कि अंतरिक्ष मिशनों में जैविक निगरानी को अत्यधिक महत्व दिया जाता है। अंतरिक्ष यात्रियों के शरीर में मौजूद वायरस, जैसे कि हर्पीस वायरस, अंतरिक्ष में अधिक बार सक्रिय होते देखे गए हैं। यह इस बात का संकेत है कि अंतरिक्ष का वातावरण वायरस और मेजबान दोनों के बीच के संतुलन को बदल सकता है। स्पेस-एवॉल्व्ड वायरस का अध्ययन केवल जोखिमों तक सीमित नहीं है। इसके सकारात्मक पहलू भी हो सकते हैं। अंतरिक्ष में वायरस के व्यवहार को समझकर वैज्ञानिक नई दवाओं, वैक्सीन और जैव-प्रौद्योगिकी के नए रास्ते खोल सकते हैं। यदि यह समझ में आ जाए कि सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण या विकिरण वायरस की संरचना को कैसे बदलता है, तो उसी ज्ञान का उपयोग पृथ्वी पर रोगों के उपचार में किया जा सकता है। कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि अंतरिक्ष अनुसंधान से प्राप्त जानकारी कैंसर चिकित्सा, जीन थेरेपी और प्रतिरक्षा विज्ञान में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है। इसके अतिरिक्त, स्पेस-एवॉल्व्ड वायरस जीवन की उत्पत्ति से जुड़े प्रश्नों को भी नई दृष्टि से देखने का अवसर देते हैं। कुछ सिद्धांतों के अनुसार, जीवन के मूल घटक अंतरिक्ष से पृथ्वी पर आए होंगे। यदि वायरस अंतरिक्ष में विकसित हो सकते हैं, तो यह संभावना और भी मजबूत होती है कि जीवन के सरल रूप ब्रह्मांड में व्यापक रूप से मौजूद हों। यह विचार हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि पृथ्वी पर जीवन शायद अकेला नहीं है, बल्कि ब्रह्मांड के अन्य हिस्सों में भी सूक्ष्म स्तर पर जीवन पनप रहा हो सकता है। अंतरिक्ष में जैविक सुरक्षा एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। जैसे-जैसे मानव मंगल, चंद्रमा और उससे आगे की यात्राओं की योजना बना रहा है, वैसे-वैसे यह सुनिश्चित करना आवश्यक हो जाता है कि हम अपने साथ पृथ्वी के वायरस को अनियंत्रित रूप से अन्य ग्रहों पर न ले जाएं। इसी प्रकार, किसी अन्य ग्रह से संभावित जैविक तत्वों को पृथ्वी पर लाने से पहले भी सावधानी बरतनी होगी। स्पेस-एवॉल्व्ड वायरस इस संदर्भ में एक चेतावनी की तरह हैं, जो हमें यह याद दिलाते हैं कि जीवन और जैविक पदार्थ अत्यंत अनुकूलनशील होते हैं। अंतरिक्ष में वायरस का विकास हमें यह भी सिखाता है कि प्रकृति सीमाओं को नहीं मानती। जहां जीवन के लिए परिस्थितियां अत्यंत कठोर प्रतीत होती हैं, वहां भी जैविक तत्व अपने अस्तित्व के रास्ते खोज लेते हैं। यह अनुकूलनशीलता ही जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है। वायरस, जो स्वयं जीवन की सीमाओं पर खड़े होते हैं, अंतरिक्ष में जाकर इस सत्य को और भी स्पष्ट कर देते हैं। भविष्य में स्पेस-एवॉल्व्ड वायरस पर शोध और अधिक गहन होगा। नई तकनीकों, जैसे कि उन्नत जीनोमिक विश्लेषण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, की सहायता से वैज्ञानिक यह समझने की कोशिश करेंगे कि अंतरिक्ष में कौन-से उत्परिवर्तन होते हैं और उनके दीर्घकालिक प्रभाव क्या हो सकते हैं। यह शोध न केवल अंतरिक्ष विज्ञान को आगे बढ़ाएगा, बल्कि पृथ्वी पर मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और जैविक संतुलन को समझने में भी सहायक होगा। अंततः, स्पेस-एवॉल्व्ड वायरस की अवधारणा हमें यह एहसास कराती है कि अंतरिक्ष केवल भौतिक अन्वेषण का क्षेत्र नहीं है, बल्कि यह जैविक और दार्शनिक प्रश्नों का भी मंच है। यह हमें जीवन की नाजुकता और उसकी अद्‌भुत अनुकूलन क्षमता दोनों से परिचित कराता है। जैसे-जैसे मनुष्य अंतरिक्ष की ओर अपने कदम बढ़ाता जाएगा, वैसे-वैसे यह आवश्यक होगा कि वह न केवल तकनीकी रूप से, बल्कि जैविक और नैतिक रूप से भी तैयार हो। अंतरिक्ष में विक. सित वायरस इस यात्रा के मूक साक्षी हैं, जो हमें लगातार यह याद दिलाते हैं कि जीवन जहां भी जाता है, वहां परिवर्तन और विकास अनिवार्य होते हैं।

-साभार

भू-तापीय ऊर्जा स्वच्छ ऊर्जा की नई दावेदार

भूकंप का खतरा में मुख्य चिंता हाइड्रोलिक फ्रैक्चरिंग से होने वाले भूकंपों की है। स्विट्जरलैंड और दक्षिण कोरिया में ऐसे प्रोजेक्ट्स को भूकंपीय गतिविधियों के कारण बंद करना पड़ा था। इस समस्या से निपटने के लिए फेर्वो जैसी कंपनियां अमेरिकी ऊर्जा विभाग के सख्त दिशानिर्देशों का पालन कर रही हैं। वे लगातार भूकंपीय गतिविधियों की निगरानी करती हैं और अगर झटके सुरक्षित सीमा से अधिक होते हैं, तो संचालन बंद कर देती हैं। बोरहोल ड्रिलिंग की लागत बहुत अधिक होती है-प्रति बोरहोल लाखों डॉलर। हालांकि ड्रिलिंग तकनीकों में तेल और गैस उद्योग से प्रेरित हुए सुधार ने EGS को अधिक दक्ष और किफायती बना दिया है।

लंबे समय तक नजरअंदाज की गई भूतापीय ऊर्जा इन दिनों स्वच्छ ऊर्जा का एक आशाजनक विकल्प बनकर उभर रही है। जहां अमेजॉन, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी टेक्नो-कंपनियां हाल ही में परमाणु ऊर्जा समझौतों के लिए सुर्खियां बटोर रही हैं, वहीं मेटा और गूगल जैसी कंपनियां नई पीढ़ी की भूतापीय तकनीक में भारी निवेश कर रही हैं। दरअसल, पारंपरिक भूतापीय प्रणालियां धरती के गर्भ में मौजूद प्राकृतिक गर्म पानी के चश्मों पर निर्भर हैं। दूसरी ओर, नई पीढ़ी की भूतापीय प्रणाली, जिन्हें एन्हांस्ड जियोथर्मल सिस्टम्स कहा जाता है, में जमीन में कई किलोमीटर गहरी बोरिंग करके पानी और रेत को उच्च दबाव पर डालकर चट्टानों में दरारें बनाई जाती हैं। इन दरारों से पानी गुजरते हुए चट्टानों की गर्मी से तपता है और भाप के रूप में सतह पर लौटता है। इस भाप का उपयोग बिजली बनाने में किया जाता है। वास्तव में, नई पीढ़ी की भूतापीय तकनीक को बढ़ावा देने में कंपनियां महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। ह्यूस्टन स्थित फेर्वो एनर्जी कंपनी ऊटा में 2000 मेगावॉट क्षमता का भूतापीय संयंत्र बना रही है। यह क्षमता दो बड़े परमाणु रिएक्टरों के बराबर है। 2028 तक यह संयंत्र गूगल जैसे ग्राहकों को 400 मेगावॉट बिजली की आपूर्ति करेगा।

मेटा के साथ साझेदारी में सेज जियोसिस्टम्स, 2027 तक मेटा के डैटा सेंटर्स को 150 मेगावॉट तक भूतापीय ऊर्जा प्रदान करने वाली है। कनाडाई कंपनी एवर फ्रैंकिंग (चट्टान तोड़े) बगैर क्लोज्ड-लूप प्रणाली बनाएगी, जिसमें पानी भूमिगत सील्ड पाइपों में घूमता है। एवर का पहला व्यावसायिक संयंत्र जर्मनी में

अगले वर्ष से शुरू होगा, जो स्थानीय कस्बों को ऊष्मा और बिजली की आपूर्ति करेगा।

चुनौतियां और समाधान

भूकंप का खतरा में मुख्य चिंता हाइड्रोलिक फ्रैक्चरिंग से होने वाले भूकंपों की है। स्विट्जरलैंड और दक्षिण कोरिया में ऐसे प्रोजेक्ट्स को भूकंपीय गतिविधियों के कारण बंद करना पड़ा था। इस समस्या से निपटने के लिए फेर्वो जैसी कंपनियां अमे. रिकी ऊर्जा विभाग के सख्त दिशानिर्देशों का पालन कर रही हैं। वे लगातार भूकंपीय गतिविधियों की निगरानी करती हैं और अगर झटके सुरक्षित सीमा से अधिक होते हैं, तो संचालन बंद कर देती हैं।

लागत की चुनौती

बोरहोल ड्रिलिंग की लागत बहुत अधिक होती है-प्रति बोरहोल लाखों डॉलर। हालांकि ड्रिलिंग तकनीकों में तेल और गैस उद्योग से प्रेरित हुए सुधार ने EGS को अधिक दक्ष और किफायती बना दिया है। साथ ही, भूतापीय ऊर्जा की एक बड़ी खासियत है कि यह दिन-रात लगातार बिजली बनाती है। यह स्थिरता इसे सौर और पवन जैसे अनियमित नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का महत्वपूर्ण पूरक बनाती है।

बाजार और संभावनाएं

भूतापीय ऊर्जा की सफलता काफी हद तक भौगोलिक स्थिति पर निर्भर करती है। जिन क्षेत्रों में ज्वालामुखीय गतिविधि अधिक हैं या जहां पृथ्वी की पर्पटी पतली है जैसे पश्चिमी अमे. रिका वहां गर्म चट्टानें सतह के करीब होती हैं, जिससे ऊर्जा उत्पादन आसान और किफायती हो जाता है। अध्ययन बताते हैं कि अगर ऊर्जा संयंत्रों को बदलती ऊर्जा मांगों के अनुसार अनुकूल बनाया जाए, तो पश्चिमी अमेरिका में भूतापीय ऊर्जा परमाणु ऊर्जा की तुलना में अधिक किफायती हो सकती है। बहरहाल, भूतापीय ऊर्जा के सामने अभी कई चुनौतियां हैं, लेकिन यह सतत और स्वच्छ ऊर्जा प्रदान करने की क्षमता रखती है, जो इसे भविष्य के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाती है।

-स्रोत फीचर्स

साइबर अपराध का बढ़ता आतंक और लाचार सरकारी तंत्र

रजनीश कपूर

साइबर अपराध आज की डिजिटल दुनिया में एक ऐसी महामारी बन चुका है जो न केवल आम आदमी की मेहनत की कमाई को चंद मिनटों में उड़ा देता है, बल्कि समाज के सबसे कमजोर वर्गोंरू बुजुर्गों और अशिक्षितोंको भी अपना शिकार बनालेता है। हाल ही में दिल्ली के ग्रेटर कैलाश इलाके में रहने वाले एक बुजुर्ग एनआरआई दंपत्ति, ओम तनेजा और डॉ. इंदिरा तनेजा, के साथ हुई घटना इसकी एक दर्दनाक मिसाल है। यह दंपत्ति अमेरिका से 2014 में अपनी मातृभूमि की सेवा करने के इरादे से भारत लौटे थे, लेकिन साइबर ठगों ने उन्हें 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर दो सप्ताह से अधिक समय तक मानसिक रूप से प्रताड़ित कर 14.85 करोड़ रुपये ठग लिए। यह दिल्ली में हुई अब तक के सबसे बड़े साइबर फॉड मामलों में से एक है, जहां ठगों ने खुद को दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई), मुंबई पुलिस और सीबीआई अधिकारी बताकर दंपति को मनी लॉन्ड्रिंग और ड्रग्स से जुड़े झूठे आरोपों में फंसाया। इस घटना ने न केवल इस दंपत्ति की जीवनभर की बचत छीन ली, बल्कि पूरे देश में साइबर सुरक्षा की कमजोरियों को उजागर कर दिया है।

इस मामले में मुंबई पुलिस और सीबीआई के फर्जी अधिकारियों ने उन्हें डर धमका कर 'डिजिटल अरेस्ट' में रखा, जहां वे घर से बाहर नहीं निकल सकते थे और लगातार निगरानी में रहने को मजबूर थे। ठगों ने धमकी दी कि अगर वे सहयोग नहीं करेंगे, तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा और उनके बच्चे भी फंस जाएंगे।

दंपत्ति, जो शिक्षित और अमेरिका में दशकों तक काम कर चुके थे, डर के मारे इनकी हर गैरकानूनी शर्तों पर सहमत हो गए। उन्होंने अपनी म्यूचुअल फंड और बचत खातों से 8 अलग-अलग ट्रांसफर में 14.85 करोड़ रुपये 'वेरिफिकेशन' के नाम पर ठगों के खातों में ट्रांसफर कर दिए, जिसमें हर ट्रांसफर लगभग 2 करोड़ का हुआ। गौरतलब है कि यह कोई इकलौता मामला नहीं है, भारत में 'डिजिटल अरेस्ट' घोटाले की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2022 से 2024 के बीच ऐसे मामले तीन गुना बढ़कर 1,23,000 हो गए और पीड़ितों से करोड़ों रूपए ठगे गए। उदाहरण के तौर पर, मुंबई में एक 86 वर्षीय महिला से 20 करोड़ रुपये ठगे गए, जहां ठगों ने खुद को अधिकारियों के रूप में पेश किया। बेंगलुरु में एक महिला टेकी से 32 करोड़ रुपये की ठगी हुई, जो इनसाइडर ट्रेडिंग और इन्वेस्टमेंट स्कैम से जुड़ी थी। मुंबई में एक 72 वर्षीय व्यवसाई और उनकी पत्नी से 58 करोड़ रुपये उड़ाए गए, जहां ठगों ने उन्हें दो महीने तक 'डिजिटल अरेस्ट' में रखा। दिल्ली में ही एक और बुजुर्ग व्यवसाई महिला से 6।9 करोड़ रुपये ठगे गए। यह मामले दिखाते हैं कि ठग बुजुर्गों और शिक्षितों को निशाना बनाते हैं, क्योंकि वे डर और अकेलेपन का फायदा उठाते हैं। कुल मिलाकर, 2025 में केवल दिल्ली में ही 1,250 करोड़ रुपये की साइबर ठगी हुई और पूरे भारत में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। सवाल उठता है कि आज के टेक्निकल युग में देश का सिस्टम क्यों फेल हो रहा है? अपराधी मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व एशियाकंबोडिया, म्यांमार, लाओस और चीनसे ऑपरेट करते हैं, जहां वे भारतीयों को ट्रैफिक कर 'स्लेव कंपाउंड्स' में साइबर अपराध करवाते हैं। फर्जी कॉल्स, फेक आईडी और एआई का इस्तेमाल कर वे भारतीय सिस्टम को चकमा देते हैं। जानकारों के अनुसार, भारतीय पुलिस में कुशल कर्मचारियों की कमी, पुरानी इंफ्रास्ट्रक्चर और कानूनी खामियां इसका एक बड़ा कारण हैं। जांच धीमी है, क्योंकि अपराध सीमा पार से हो रहे हैं और पैसा विदेशी खातों में जाता है। बैंक वाले ट्रांसफर को रोकने में असफल रहते हैं, क्योंकि पीड़ित खुद ही पैसा ट्रांसफर करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि बिना अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के अपराधियों को पकड़ना मुश्किल है। अपराधी कम जोखिम में ज्यादा कमाई करते हैं और पकड़े जाने की दर काफी कम है। सोचने वाली बात है कि क्या सरकार केवल जागरूकता फैलाने तक ही सीमित है? नहीं, लेकिन सरकार द्वारा किए जाने वाले प्रयास अपर्याप्त हैं। गृह मंत्रालय ने इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर I4C स्थापित किया है, जहां नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल और हेल्पलाइन 1930 काम करते हैं। अब तक 9.42 लाख सिम और 2।63 लाख आईएमईआई ब्लॉक किए गए। सिटीजन फाइनेंशियल साइबर फॉड रिपोर्टिंग सिस्टम ने 5,489 करोड़ रूपए बचाए। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में जागरूकता फैलाई और विज्ञापन, रेडियो, मेट्रो में अभियान चलाए। 26 दिसंबर 2025 को इंटर-डिपार्टमेंटल कमिटी बनी, जो गूगल, व्हाट्सएप जैसी कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रही है। फाइनेंशियल फ्रॉड के लिए नई एसओपी बनी और एआई-बेस्ड फॉड डिटेक्शन पर जोर दिया जाने लगा। लेकिन शायद इतना सब भी काफी नहीं। इसके लिए कड़े चेक सिस्टम होने चाहिए। बैंक में असामान्य ट्रांसफर पर अलर्ट और अंतर्राष्ट्रीय समझौतों जैसे यूएन साइबरक्राइम ट्रीटी को दृढ़ करना भी जरूरी है। गौरतलब है कि ऐसे में आम आदमी क्या करे? सबसे पहले, याद रखें कि भारत में 'डिजिटल अरेस्ट' जैसा कोई कानून नहीं है। कोई कॉल आए तो उसकी जांच करें, पुलिस स्टेशन जाकर सूचना दें और इसे चेक करें। किसी भी स्थिति में पैसे ट्रांसफर न करें, ओटीपी शेयर न करें। अपने घर परिवार में बुजुर्गों को शिक्षित करें, अकेले न छोड़ें। सरकारी जागरूकता अभियान के अनुसार यदि आप भी साइबर फ्रॉड के शिकार होते हैं तो तुरंत 1930 पर कॉल करें या cyber-crime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें। बैंक को सूचित कर ट्रांसफर फीज करवाएं। एफआईआर दर्ज कराएं और कोर्ट ऑर्डर से पैसा वापस पा सकते हैं। जैसे कि बेंगलुरु में एक दंपत्ति ने अपने 1.4 करोड़ रिकवर किए। जागरूकता फैलाएं, क्योंकि परहेज इलाज से बेहतर होता है। ऐसी घटनाएं साइबर अपराध की गंभीरता दर्शाती है। सरकार को जागरूकता से आगे बढ़कर सख्त चेक सिस्टम, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और तकनीकी अपग्रेडेशन पर फोकस करना चाहिए। अन्यथा, 'डिजिटल इंडिया' का सपना एक डरावना सपना बन जाएगा। आम आदमी की सुरक्षा राज्य की जिम्मेदारी है, समय है कड़े कदम उठाने का।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

यूरोपीय यूनियन ने भारत से रक्षा समझौते को दी मंजूरी

अगले हफ्ते दिल्ली में डील होगी, ईयू बोला: आतंकवाद के खिलाफ लड़ने में मदद मिलेगी

ब्रुसेल्स। यूरोपीय यूनियन (ईयू) ने भारत के साथ नए रक्षा समझौते (सिक्योरिटी और डिफेंस एग्रीमेंट) को मंजूरी दे दी है। अगले हफ्ते नई दिल्ली में होने वाले भारत-ईयू शिखर सम्मेलन में इस पर साइन होंगे। ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कलास ने यूरोपीय संसद में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा यह साझेदारी एक बड़े रणनीतिक एजेंडे का हिस्सा होगी।

इस एजेंडे में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट यानी मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए), डिफेंस एंड सिक्योरिटी डील, साइबर सिक्योरिटी, समद्री सुरक्षा और काउंटर टेरर्जिम शामिल है। यूरोपियन काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वान डेर लेयेन भारत आ रहे हैं। वे 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। भारत-ईयू शिखर सम्मेलन अगले दिन 27 जनवरी को होगा। ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कलास ने

■ ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कलास ने सिक्योरिटी और डिफेंस एग्रीमेंट को मंजूरी देने का ऐलान किया

सिक्योरिटी और डिफेंस एग्रीमेंट को मंजूरी देने का ऐलान किया। कलास ने बताया कि भारत और ईयू के बीच सिक्योरिटी और डिफेंस एग्रीमेंट से आतंकवाद के खिलाफ लड़ने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि इससे समुद्री सुरक्षा और साइबर सिक्योरिटी जैसे सेक्टर्स में सहयोग बढ़ेगा। कलास ने कहा कि यूरोप भारत के साथ एक नए और मजबूत एजेंडे पर आगे बढ़ने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत, यूरोप की आर्थिक मजबूती के लिए बहुत जरूरी होता जा रहा है। भारत आ रहे ईयू के प्रतिनिधिमंडल में लगभग 90 सदस्य शामिल होंगे। इनमें काजा कलास, ट्रेड कमिश्नर मारोस सेफकोविक और कई डायरेक्टर्स रहेंगे। भारत और ईयू के बीच 27 जनवरी को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर साइन हो सकते हैं। इसके लिए दोनों देश कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करेंगे। पहले यूरोपीय संसद को हां करनी होगी। यूरोपीय काउंसिल की मंजूरी के बाद ट्रेड कमिश्नर सेफकोविक इसे भारत के सामने साइन के लिए पेश करेंगे। समिट के दौरान भारत और ईयू 2030 तक के लिए एक राजनीतिक एजेंडा भी पेश करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिलहाल दोनों देश अभी कार्बन बार्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म (सीबीएएम) जैसे विवादित मुद्दों पर सहमति बनाने के लिए बात कर रहे हैं। सीबीएएम के तहत स्टील और सीमेंट जैसे उत्पादों पर कार्बन टैरिफ के लिए बनाए गए नियम है। अगर कोई देश बहुत प्रदूषण करके सामान बनाता है। फिर उसे यूरोप में लाया जाता है, तो यूरोप उस पर अतिरिक्त टैक्स लगाता है। ईयू ने इस पालिसी को लेकर अब तक कोई बदलाव नहीं किया है। दोनों देश इसका हल निकालने की कोशिश कर रहे हैं। कलास ने कहा है कि आज की खतरनाक दुनिया में मिलकर काम करना दोनों के लिए फायदेमंद होगा। फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से बाजार खुलेगा, जिससे देशों के सामान पर टैक्स और रुकावटें कम होंगी। इसकी वजह से ज्यादा कंपनियां और व्यापारी एक-दूसरे के देश में सामान बेच और खरीद सकते हैं।

जम्मू। गणतंत्र दिवस से पहले जम्मू-अखनूर-पूंछ राष्ट्रीय राजमार्ग पर गश्त करते सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सदस्य संख्या 15 से 25 की जाए: भारत

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के समयबद्ध सुधारों को लागू करने में हो रही देरी के प्रति आगाह करते हुए सुझाव दिया है कि अफ्रीका एवं एशिया प्रशांत को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने के लिए स्थाई तथा अस्थाई सीटों की संख्या बढ़ाकर 15 से 25 की जानी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि राजदूत पी. हरीश ने बुधवार को जी-4 (भारत, ब्राजील, जर्मनी और जापान) की ओर से बयान देते हुए कहा कि सुरक्षा परिषद में उन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व बघया जाना चाहिए जिनका प्रतिनिधित्व नहीं है या बहुत कम है।

ग्रीस में खराब मौसम के कारण दो लोगों की मौत

एथेंस। ग्रीस में खराब मौसम के कारण बुधवार को दो लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार दक्षिणी ग्रीस के पेलोपोन्नीस पेनिनसुला में एस्ट्रोस किनौरियास बंदरगाह पर तेज लहरों में बह जाने और सिर में गंभीर चोटें आने के कारण एक तटरक्षक अधिकारी की मौत हो गई। ग्रीक नेशनल ब्रॉडकास्टर ईआरटी ने बताया कि दक्षिणी एथेंस के सबअर्ब ग्लीफाडा में बाढ़ के पानी में एक महिला की कार बह जाने से मौत हो गई। उन्होंने बताया कि देश के बड़े हिस्से मौसम के इस बदलाव से प्रभावित हुए जिससे भारी बारिश, तेज हवाएं और पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी हुई। एटिका सहित कम से कम छह इलाकों को 'रेड कोड' इमरजेंसी की स्थिति में रखा गया और निवासियों को अलर्ट मिले जिनमें उनसे घर के अंदर रहने और आधिकारिक निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया गया। अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर एटिका और अन्य प्रभावित इलाकों में स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया। पूरे देश में यातायात में रुकावट की खबरें आईं, कई गाड़ी चलाने वाले बुरी तरह प्रभावित इलाकों में फंस गए जबकि देश भर के बंद. रगाहों पर नाव सेवाएं रोक दी गई।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का यू-टर्न

यूरोपीय देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ नहीं लगाएंगे, ग्रीनलैंड समझौते पर नाटो चीफ के साथ की बातचीत

दावोस। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प यूरोपीय देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने से पीछे हट गए हैं। ये टैरिफ 1 फरवरी से लगने वाले थे। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने दावोस में नाटो चीफ जनरल मार्क रुट के साथ बातचीत के बाद यह फैसला लिया। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उनकी नाटो चीफ के साथ ग्रीनलैंड को लेकर होने वाले समझौते की बुनियादी बातें तय हो गई हैं। अगर यह समझौता पूरा होता है, तो यह अमेरिका और नाटो के सभी देशों के लिए फायदेमंद होगा। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका, नाटो और दूसरे देश मिलकर पूरे आर्कटिक क्षेत्र की सुरक्षा पर काम करेंगे, जिसमें ग्रीनलैंड भी शामिल रहेगा।

हालांकि ट्रम्प ने इस समझौते की पूरी जानकारी देने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि मामला थोड़ा मुश्किल है और इसकी पूरी जानकारी बाद में दी जाएगी। ट्रम्प और नाटो के बीच ग्रीनलैंड फ्रेमवर्क के तहत कई बिंदुओं पर सहमति बनी है। इसके तहत ग्रीनलैंड और पूरे आर्कटिक क्षेत्र की सुरक्षा नाटो और अमेरिका मिलकर करेंगे। ट्रम्प ने पत्रकारों से कहा कि यह डील जल्द सार्वजनिक की जाएगी। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका को ग्रीनलैंड में कुछ सीमित इलाकों में अपने सैन्य ठिकाने बनाने की अनुमति मिलेगी। इन ठिकानों का इस्तेमाल जमीन, समुद्र और हवा तीनों मोर्चों पर निगरानी और रक्षा के लिए होगा। इसके साथ ही नाटो, अमेरिका के प्रस्तावित 'गोल्डन डोम' मिसाइल डिफेंस सिस्टम में

■ अमेरिका, नाटो और दूसरे देश मिलकर पूरे आर्कटिक क्षेत्र की सुरक्षा पर काम करेंगे जिसमें ग्रीनलैंड भी शामिल रहेगा: ट्रम्प

ट्रम्प ने जंग सुलझाने वाला बोर्ड ऑफ पीस किया लॉन्च

दोहा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को दावोस में जंग सुलझाने के लिए बनाए गए 'बोर्ड आफ पीस' को लान्च किया। उन्होंने कहा कि इस बोर्ड का शुरुआती मकसद गाजा में हुए युद्धविराम को मजबूत करना है, लेकिन आगे चलकर यह दूसरे ग्लोबल विवादों में भी भूमिका निभा सकता है। व्हाइट हाउस ने इस बोर्ड में शामिल होने के लिए 60 देशों को न्योता भेजा था, लेकिन सिर्फ 20 देश ही हस्ताक्षर समारोह में मौजूद रहे। इसमें पाकिस्तान पीएम शहबाज शरीफ के अलावा सऊदी अरब, कतर, यूएई, अर्जेंटीना और पराग्वे के नेता मौजूद थे। भारत से कोई हस्ताक्षर समारोह में शामिल नहीं हुआ। वहीं अमेरिका के सहयोगी माने जाने वाले ज्यादातर

■ पाकिस्तानी पीएम मौजूद थे भारत से कोई नहीं, 60 देशों को न्योता भेजा 20 पहुंचे

यूरोपीय देश भी इस समारोह से गायब रहे। पहले माना जा रहा था कि कार्यक्रम में 35 देशों के नेता शामिल हो सकते हैं। ट्रम्प ने पिछले साल सितम्बर 2025 में पहली बार गाजा युद्ध खत्म करने की योजना पेश करते हुए इस बोर्ड का प्रस्ताव रखा था। ट्रम्प के साथ मंच पर कई देशों के नेता मौजूद रहे। तस्वीर में ट्रम्प इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो। ट्रम्प ने पहली बार पिछले साल सितम्बर 2025 में गाजा युद्ध खत्म करने की योजना पेश करते हुए इस बोर्ड का प्रस्ताव रखा था।

भी सहयोग करेगा। फ्रेमवर्क में यह भी शामिल है कि ग्रीनलैंड के खनिज संसाधनों पर अमेरिका के साथ साझेदारी होगी। रूस और चीन को इस इलाके में आर्थिक या सैन्य पकड़ बनाने से रोका जाएगा। सीबीएस न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया कि इस समझौते में अमेरिका के ग्रीनलैंड को अपने नियंत्रण या मालिकाना हक में लेने की कोई बात नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, इस ढांचे के तहत ग्रीनलैंड की सुरक्षा मौजूदा 1951 के अमेरिका-डेनमार्क समझौते से भी ज्यादा मजबूत की जाएगी। 1951 में अमेरिका और डेनमार्क के बीच एक रक्षा समझौता हुआ था। इसके तहत अमेरिका को ग्रीनलैंड में सैन्य ठिकाने बनाने की इजाजत मिली थी। उस समय कई बेस बने, लेकिन आज सिर्फ एक बेस पिटुफिक स्पेस बेस एक्टिव है। सीबीएस न्यूज के सूत्रों के मुताबिक इस समझौते के तहत सबसे अहम बात ये होगी कि अमेरिका, ग्रीनलैंड का मालिक नहीं बनेगा। वह हर फैसले डेनमार्क और ग्रीनलैंड की सहमति से ही लेगा। नाटो ने भी इस समझौते के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। गठबंधन की प्रवक्ता एलिसन हार्ट ने कहा कि ट्रम्प और मार्क रुट की मुलाकात बहुत फायदेमंद रही। उनके मुताबिक, आगे होने वाली बातचीत का मकसद यही होगा कि नाटो के देश मिलकर आर्कटिक क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करें। साथ ही डेनमार्क, ग्रीनलैंड और अमेरिका के बीच बातचीत जारी रहेगी, ताकि रूस और चीन ग्रीनलैंड में कभी भी कोई ठिकाना न बना सकें। डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुस.न ने भी बयान जारी कर कहा कि दिन की शुरुआत भले अच्छी नहीं रही हो, लेकिन अंत बेहतर हुआ है। उन्होंने कहा कि डेनमार्क इस बात का स्वागत करता है कि ट्रम्प ने ग्रीनलैंड को बलपूर्वक लेने की बात से इनकार किया और यूरोप के साथ व्यापार युद्ध को फिलहाल रोक दिया। ट्रम्प ने ट्रुथ पर लिखा कि ग्रीनलैंड से जुड़े गोल्डन डोम मामले पर और चर्चा जारी है।

यूरोपीय देशों के राजदूतों से मिले एस. जयशंकर

नई दिल्ली। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेएन की अगले सप्ताह भारत यात्रा से पहले विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने गुरुवार को यहां यूरोपीय संघ के देशों के राज. दूतों के साथ मुलाकात की और वैश्विक परिस्थितियों पर चर्चा की। यूरोपीय राजनयिकों के साथ मुलाकात के बाद डा. जयशंकर ने कहा कि दुनिया भर में मौजूदा अस्थिरता और अनिश्चितता के माहौल में भारत और यूरोपीय संघ के बीच मजबूत संबंध जरूरी हैं।

इन संबंधों से वैश्विक व्यवस्था को स्थिरता मिलेगी। विद.ेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि आज यूरोपीय संघ के देशों के राजदूतों के साथ बातचीत कर खुशी हुई। उनसे दुनिया की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की, जहां अस्थिरता और अनिश्चितता नई सामान्य स्थिति बन गई है। उन्होंने कहा कि बात. चीत में उन्होंने भारत-यूरोपीय संघ के मजबूत संबंधों की आवश्यकता पर बल दिया। डा. जयशंकर ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच संबंध मजबूत आपूर्ति शृंखलाओं पर सहयोग के माध्यम से वैश्विक अर्थव्यवस्था के जोखिम को कम करेंगे, मानवीय सहायता एवं आपदा राहत, समुद्री डकैती रोधी

■ विदेश मंत्री ने कहा भारत-यूरोपीय संघ संबंधों से वैश्विक व्यवस्था होगी स्थिर

अभियानों और विकास परियोजनाओं जैसे सार्वजनिक हित के कार्यों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में भरोसा जगाएंगे और व्यापार, आवागमन तथा सुरक्षा साझेदारी को सशक्त बनाकर वैश्विक व्यवस्था को स्थिर करेंगे। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर कोस्टा और सुडेर लेयन की यात्रा का भारत में उत्सुकता से इंतजार किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि यूरोपीय संघ के दोनों शीर्ष नेता इस वर्ष गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि होंगे। इसके बाद वे 27 जनवरी को संयुक्त रूप से भारत-यूरोपीय शिखर सम्मेलन की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ सह-अध्यक्षता करेंगे।

बांग्लादेश में पाक समर्थक इस्लामिक पार्टी सरकार बनाएगी!

ढाका। बांग्लादेश में अगले महीने होने वाले आम चुनाव में एक बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिल सकता है। लंबे समय तक राजनीति से बाहर रही पाकिस्तान समर्थक कट्टरपंथी पार्टी जमात-ए-इस्लामी पहली बार सरकार बनाने के बेहद करीब पहुंचती नजर आ रही है।

हाल ही में हुए दो अलग-अलग सर्वे में जमात देश की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। वह पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को कड़ी टक्कर दे रही है। बांग्लादेश में 12 फरवरी को 300 सीटों संसदीय पर आम चुनाव होंगे। जमात-ए-इस्लामी वही पार्टी है जिसने 1971 में बांग्लादेश की

■ जमात-ए-इस्लामी सर्वे में दूसरे नंबर पर पहुंची देश की आजादी का विरोध किया था

आजादी का विरोध किया था और पाकिस्तानी सेना का साथ दिया था। देश की आजादी के बाद 1972 में इस पर बैन लगा दिया गया था। यह बैन 1975 में हटाया गया और 1979 में जियाउर रहमान के शासन में पार्टी को चुनाव में भाग लेने की अनुमति मिली। अमेरिकी संस्था इंटरनेशनल रिपब्लिकन इंस्टीट्यूट (आईआरआई) ने दिसम्बर में कराए गए एक सर्वे में बताया था कि बीएनपी को 33 प्रतिशत और जमात को 29 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला है। वहीं जनवरी में किए गए एक जाइंट सर्वे में बीएनपी को 34.7 प्रतिशत और जमात को 33.6 प्रतिशत समर्थन मिला था। यह सर्वे नरेटिव, प्रोजेक्शन बीडी, इंटरनेशनल इंस्टीटयूट आफ ला एंड डिप्लोमेसी (आईआईएलडी) और जगोरन फाउंडेशन ने मिलकर किया था। जमात के प्रमुख शफीकुर रहमान का कहना है कि उनकी पार्टी अब विरोध और टकराव की राजनीति नहीं बल्कि लोगों के हितों की राजनीति कर रही है। उन्होंने मेडिकल कैंप लगाने, बाढ़ पीड़ितों की मदद करने और आंदोलन में मारे गए लोगों के परिवारों को सहायता देने की बात कही। एक्सपट्र्स का मानना है कि लोगों में पिछली सरकार की नीतियों को लेकर गुस्सा है, जिसका फायदा जमात को मिला।

भारत को टैरिफ से ज्यादा पाल्यूशन से खतरा: हार्वर्ड प्रोफेसर

गीता गोपीनाथ ने कहा: हर साल 17 लाख लोग मर रहे, फिर भी ध्यान नहीं

दावोस। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर गीता गोपीनाथ ने पाल्यूशन को भारत के लिए टैरिफ से ज्यादा बड़ा खतरा बताया है। उन्होंने ये बयान दावोस में भारतीय मीडिया से बात करते हुए दिया। गीता यहां वर्ल्ड इकोनामिक फोरम की मीटिंग में शामिल होने पहुंची थीं। उन्होंने कहा कि जब नए कारोबार और आर्थिक विकास की बात होती है, तो चर्चा ज्यादातर व्यापार, टैरिफ और नियमों तक सीमित रहती है, जबकि प्रदूषण को उतनी अहमियत नहीं दी जाती।

उन्होंने कहा कि भारत में प्रदूषण एक बड़ी चुनौती है और इसका असर अब तक लगाए गए किसी भी टैरिफ से कहीं ज्यादा नुकसान पहुंचाने वाला है। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड बैंक की 2022 की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में हर साल करीब 17 लाख लोगों की मौत प्रदूषण के कारण होती है। यह देश में होने वाली कुल मौतों का लगभग 18 प्रतिशत है। गीता गोपीनाथ ने बताया कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों की मौत से परिवारों पर असर पड़ता है, कामकाजी

■ वर्ल्ड बैंक की 2022 की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में हर साल करीब 17 लाख लोगों की मौत प्रदूषण के कारण होती है

लोगों की संख्या घटती है और देश के लंबे समय के विकास को नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण की वजह से लोगों की काम करने की क्षमता घटती है, इलाज पर खर्च बढ़ता है और देश की आर्थिक गतिविधियों पर बुरा असर पड़ता है। इससे विकास की रफ्तार धीमी होती है। गीता गोपीनाथ ने कहा कि प्रदूषण सिर्फ भारत की अंदरूनी समस्या नहीं है, बल्कि यह उन विदेशी निवेशकों के लिए भी चिंता का विषय है जो भारत में इन्वेस्ट करने के बारे में सोच रहे हैं। गीता गोपीनाथ ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय निवेशक जब भारत में कारोबार शुरू करने और यहां रहने की योजना बनाते हैं, तो वे पर्यावरण को भी ध्यान में रखते हैं। खराब हवा और खराब रहने की स्थिति, खासकर स्वास्थ्य से जुड़े खतरे, निवेशकों को रोक सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह चिंता उन भारतीयों के लिए और भी ज्यादा है जो रोज प्रदूषित शहरों में रहते और काम करते हैं। प्रदूषण पर कंट्रोल और नियमों में ढील जैसे मुद्दों पर तुरंत पालिसी लेवल पर कदम उठाने की जरूरत है। भारत जब खुद को एक ग्लोबल आर्थिक और मैन्युफैक्चरिंग सेंटर के तौर पर पेश कर रहा है, तब ये बातें साफ करती हैं कि साफ शहर और बेहतर जीवन स्थितियां बहुत जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदूषण से निपटना सिर्फ पर्यावरण से जुड़ा मामला नहीं है, बल्कि यह लोगों की जान बचाने, आर्थिक विकास बढ़ाने और भारत को विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक बनाने से जुड़ा है। भारत में वायु प्रदूषण अब सिर्फ एक पर्यावरण की समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह लोगों की जान और देश की अर्थव्यवस्था दोनों के लिए बड़ा खतरा बन चुका है। अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट लैंसेट काउंटडाउन आन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज ने 29 अक्टूबर 2025 को जारी रिपोर्ट में इसकी पुष्टि की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2022 में भारत में पीएम 2.5 नामक बारीक प्रदूषक कणों के कारण 17 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई। ये 2010 के मुकाबले 38 प्रतिशत ज्यादा हैं। इनमें से करीब 44 प्रतिशत मौतें कोयला और पेट्रोलियम जैसे जीवाश्म ईंधनों (फासिल फ्यूल) के जलने से हुई।

ग्रीनलैंड पर 50 साल पुरानी दलील से फंसा डेनमार्क

अमेरिका ने हमला किया, तो नाटो दूर रहेगा, एक्सपर्ट बोले: यह डेनमार्क के कर्मों का फल

नुउक। डेनमार्क इस समय एक अजीब और मुश्किल हालात में फंसा हुआ है। उसका सामना किसी दुश्मन देश से नहीं, बल्कि अपने ही सहयोगी देश अमेरिका से है। राष्ट्रपति ट्रम्प ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की कई धमकियां दे चुके हैं।

ग्रीनलैंड आधिकारिक तौर पर डेनमार्क का हिस्सा है और वह भी अमेरिका की तरह नाटो मेंबर है। यानी ऐसे हालात पैदा हो गए हैं जहां पर नाटो का ही एक मेंबर देश, दूसरे मेंबर देश को मिलिट्री एक्शन की धमकी दे रहा है। डेनमार्क की ऐसी हालात को लेकर ग्रीस के पूर्व वित्त मंत्री और अर्थशास्त्री यानिस वारोफाकिस ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह ग्रीनलैंड के कर्मों का फल है। उन्होंने कहा कि नाटो बाहरी दुश्मनों से बचाने के लिए है, लेकिन भीतर के दुश्मनों से हिफाजत के लिए नहीं है। जब 1974 में

■ नाटो बाहरी दुश्मनों से बचाने के लिए है, लेकिन भीतर के दुश्मनों से हिफाजत के लिए नहीं है

नाटो के दो मेंबर देशों ग्रीस और तुर्की के बीच साइप्रस को लेकर जंग के हालात बने थे, तब डेनमार्क ने यह कहा था कि नाटो का काम किसी मेंबर देश को दूसरे मेंबर देश से बचाना नहीं है। नाटो की स्थापना 1949 में सोवियत संघ से बचाव के लिए हुई थी।

इसके नियमों का आर्टिकल-5 कहता है कि अगर किसी एक सदस्य पर हमला होता है, तो उसे सभी पर हमला माना जाएगा। लेकिन समस्या यह है कि अगर हमला नाटो के अंदर से ही हो, तो क्या होगा? इस पर नाटो के नियम साफ नहीं हैं। ट्रम्प काफी समय से यूरोप और नाटो देशों को भड़काने वाले बयान दे रहे हैं। वे बार-बार ग्रीनलैंड को अपने नियंत्रण में लेने की बात कर चुके हैं। यूरोप के कई नेताओं और विशेषज्ञों का कहना है कि अगर अमे. रिका ने सच में ताकत के बल पर ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की कोशिश की, तो यह नाटो के लिए अंत की शुरुआत हो सकती है। यूरोपीय देशों ने डेनमार्क के समर्थन में प्रतीकात्मक तौर पर सैनिक भेजे हैं। ब्रिटेन ने सिर्फ एक सैनिक और नार्वे ने दो सैनिक भेजे। यह कदम सैन्य नहीं, बल्कि राजनी. तिक संदेश था। हालांकि इससे भी ट्रम्प नाराज हो गए और उन्होंने डेनमार्क के समर्थन में खड़े यूरोपीय देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया। साइप्रस एक छोटा सा आइलैंड है, लेकिन इसकी भौगोलिक और राजनीतिक अहमियत बहुत बड़ी रही है। यह यूरोप, एशिया और मिडिल ईस्ट के बीच स्थित है। लंबे समय तक साइप्रस पर ब्रिटेन का शासन था और 1960 में यह ब्रिटेन से आजाद हुआ। आजादी के समय साइप्रस की आबादी दो हिस्सों में बंटी हुई थी। तब करीब 80 प्रतिशत आबादी ग्रीक मूल की थी और लगभग 18 प्रतिशत तुर्की मूल की। दोनों समुदायों के बीच पहले से तनाव था, इसलिए आजादी के साथ ही एक खास व्यवस्था बनाई गई।